शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

www.lagatar.in | बुधवार 28 फरवरी 2024 ● फाल्गुन कृष्ण पक्ष 04 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 311 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.9	20.5
जमशेदपुर	31.6	19.0
डालटनगंज	30.4	14.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * *

पेज 9

सत्यमेव जयते

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा
की पावन धरती, झारखण्ड पर

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु
भारत की माननीय राष्ट्रपति

का हार्दिक अभिनंदन और
जोहार

श्री सी. पी. राधाकृष्णन
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु
भारत की माननीय राष्ट्रपति

श्री चम्पाई सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

बोकारो में इंडस्ट्रीज के लिए सिर्फ आठ फीसदी ही जमीन है खाली

राज्य के 12 इंडस्ट्रियल एरिया में उद्योगों के लिए जमीन खाली नहीं, सभी एलॉट

रवि भारती। रांची

झारखंड नए उद्योगों का तेजी से विस्तार हो रहा है. इसका अंदाजा इस बात लगाया जा सकता है कि राज्य के 12 इंडस्ट्रियल एरिया में जियाडा में एक भी प्लॉट खाली नहीं हैं. वही प्लॉट उद्योगों को एलॉट कर दिए गए हैं. बोकारो में जियाडा के सिर्फ आठ फीसदी प्लॉट खाली हैं. संतालपरगना में 11.7 फीसदी और आदित्यपुर में 20.7 फीसदी प्लॉट खाली हैं. वहीं रांची रिजन में 59.6 फीसदी प्लॉट खाली हैं.

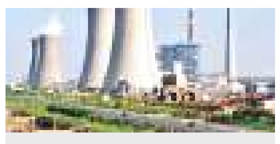

- संताल परगना में 11.7 और आदित्यपुर में 20.7 फीसदी ही प्लॉट वेकेंट
- राजधानी रांची में उद्योगों का है स्कोप, 59.6 फीसदी प्लॉट उपलब्ध

झुमरीतिलैया और रामगढ़ में प्लॉट ही नहीं : जियाडा के तहत आने वाले इंडस्ट्रियल एरिया के रामगढ़, झुमरी तिलैया, बसिया, कसिरा, मेराल, जलता, चकला (ओरमांझी) बभनी, सरवाल, तेनसेरा, कुल्ही, सिकरी, हुसैनाबाद में एक भी प्लॉट खाली नहीं है. इसके अलावा तुपुदाना में 23, खूंटी में 13, नामकुम में 04, पतरातू में 22, लोहरदगा में 49, गुमला में 20 और डालटनगंज में 33 प्लॉट खाली हैं.

किस इंडस्ट्रियल एरिया में कितने प्लॉट खाली

इंडस्ट्रियल एरिया	कितने खाली	कितने एलॉट	इंडस्ट्रियल एरिया	कितने खाली	कितने एलॉट	इंडस्ट्रियल एरिया	कितने खाली	कितने एलॉट
तुपुदाना	23	275	होटवार	10	01	कटिया	05	00
खूंटी	13	140	नगड़ी	07	08	न्यूतुपुदाना	03	154
कोकर	36	143	चकला	00	02	सिसई	12	04
नामकुम	04	45	चंदवारा	01	04	हुसैनाबाद	00	01
पतरातू	22	116	बभनी	00	03	सिमडेगा	01	01
लोहरदगा	49	56	चान्हो	07	11	कुरडेग	01	01
गुमला	20	44	इरबा	02	14	कर्रा	01	01
डालटनगंज	33	89	इरबा टू	04	00	कालामाटी	01	01
बेलचंपा	35	26	कोलरी	04	00	चंदवारा	01	01
रामगढ़	00	24	सरवाल	00	01	घाघरा	01	00
हजारीबाग	04	20	तेनसेरा	00	01	चैनपुर	01	00
टाटीसिल्वे वन	05	55	कुल्ही	00	07	बसिया	00	01
झुमरीतिलैया	00	22	बुड़मू	04	08	कसिरा	00	01
टाटीसिल्वे टू	03	55	सिकरी	00	01	मेराल	00	01
गेतलसूद	09	02	पतरातू फेज टू	34	01	जलता	00	01
बरही	45	38	उचरिंगा	05	01			

ब्रीफ खबरें

हेमंत की रिट पर हाईकोर्ट में आज भी सुनवाई

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री और बरहेट के विधायक हेमंत सोरेन की क्रिमिनल रीट पर मंगलवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ न्यायाधीश जस्टिस एस चंद्रशेखर और जस्टिस अरुण कुमार राय की बेंच में काफी देर तक बहस चली. इसके बाद अदालत ने इस मामले में सुनवाई जारी रखते हुए अगली सुनवाई के लिए बुधवार की तिथि निर्धारित कर दी. हेमंत सोरेन की ओर से देश के वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल और हाईकोर्ट के अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने बहस की.

जनजातीय भाषा में पढ़ाई का देंगे जोर

रांची। राज्य सरकार ने जनजातीय भाषा में पढ़ाई शुरू करने पर जोर दिया है. इसको लेकर सीएम चंपाई सोरेन ने मंगलवार को झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में वरीय अधिकारियों के साथ बैठक की. सीएम ने अफसरों को निर्देश दिया कि स्थानीय जनजातीय भाषाओं को प्राथमिकता देते हुए स्कूलों में जनजातीय भाषा की शिक्षा दिलाई जाए.

भाजपा में जाते ही भ्रष्टाचारी हो जाते हैं दूध के धुले : वृंदा

रांची । सीपीएम की पोलित ब्यूरो सदस्य वृंदा करात ने कहा कि भाजपा में जाते ही भ्रष्टाचारी दूध के धुले हो जाते हैं. चुनाव फंड में कॉरपोरेट घरानों से अरबों रुपए लेने और उन्हें लाखों-करोड़ों का फायदा पहुंचाने के मामले में भाजपा आज चैंपियन है. भाजपा के भी कई नेता और सांसद भ्रष्टाचार के आरोपी हैं. गुजरात के एक बड़े व्यापारी के पास से भारी मात्रा में अवैध धन बरामद हुआ था लेकिन उसके द्वारा दिए गए बयान में केंद्र के एक बड़े नेता जो कि एक पावरफुल मंत्री भी हैं, का नाम उजागर होने पर मामले को ही दबा दिया गया. भृष्टाचार पर हाय - तौबा मचाने वाली भाजपा को पहले अपने गिरेबां में झांक कर देखना चाहिए. वृंदा मंगलवार को दुमका में मीडिया से बातचीत कर रही थीं.

प्रदेश में 1100 करोड़ की लागत से सात सड़कों का होगा चौड़ीकरण

50 लाख लोगों को मिलेगा सुचारू आवागमन का लाभ

47 किमी लंबी सड़क रांची के अनगड़ा से मुरी तक बन रही

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड में एनएच से जुड़ने वाले सात महत्वपूर्ण हाईवे के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण का काम जल्द शुरू होगा. सरकार ने इन सभी सात सड़कों के लिए करीब 1100 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बनाई है. इन सड़कों के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण होने से करीब 50 लाख की आबादी को सुचारू आवागमन का लाभ मिलेगा. बाहर से आने वाले लोगों को बेहतर सड़क से गुजरने का मौका मिलेगा. यात्रा में समय की बचत होगी. जाम आदि से मुक्ति मिलेगी.

बंगाल से पुरूलिया होकर मुरी सिल्ली होते हुए रांची आनेवाले लोगों को 4 लेन सड़क से गुजरने का मौका मिलेगा. पथ निर्माण विभाग ने रांची के अनगड़ा से मुरी तक के 47 किलोमीटर लंबी सड़क के चौड़ीकरण की योजना पर काम शुरू कर दिया है. अनगड़ा-सिल्ली-मुरी सड़क का चौड़ीकरण 500 करोड़ की लागत से होगा. इस सड़क के बनने से रांची से मुरी स्टेशन जाने आने वाले लोगों बहुत कम समय लगेगा.

चाईबासा में तांतनगर-भरभरिया-कुमारडुंगी-अन्धारी-मंझगांव पथ का चौड़ीकरण और मजबूतीकरण होगा. तकरीबन 60 किलोमीटर लंबी सड़क के चौड़ीकरण पर कुल 300 करोड़ रुपए खर्च करने की योजना है.

चतरा/मेदिनीनगर में 100 किलोमीटर लंबी सड़क का चौड़ीकरण होगा. जिसपर पथ निर्माण विभाग ने 500 करोड़ खर्च करने का प्लान बनाया है. मेदिनीनगर-पांकी-हरदीपुर-बगड़ा मोड़ पथ का निर्माण होगा. इसके लिए जल्द ही निविदा आमंत्रित की जाएगी.

रांची लातेहार के बीच चामा मोड़-मैक्लुस्कीगंज-लपरा-मुरपा-बालूमाथ पथ के चौड़ीकरण की योजना है. इस योजना के तहत करीब 42 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण करीब 210 करोड़ की लागत से होगा. इस योजना का काम शुरू हो गया है. जमीन की मापी का काम चल रहा है.

जामताड़ा धनबाद और बोकारो को जोड़ने वाली तामताड़ा-निरसा-सिंदरी-चन्दक्यारी-बरमसिया सड़क का चौड़ीकरण और मजबूतीकरण होगा. इस योजना के तहत कुल 110 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाएगा. जिसके निर्माण पर कुल 592 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है.

दुमका और देवघर के बीच नोनीहाट-बासुकीनाथ-हरिपुर-केराबनी-पालाजोरी बगदाहा मोड़ तक की सड़क का निर्माण होगा. विभाग द्वारा इस योजना पर कुल 310 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है. इस योजना के तहत कुल 62 किलोमीटर सड़क का निर्माण होगा.

औद्योगिक विकास के लिए विधि-व्यवस्था और आधारभूत संरचना जरूरी : राज्यपाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा है कि जमशेदपुर में बहुत पूर्व टाटा स्टील के एकीकृत संयंत्र की स्थापना हुई, इसके बावजूद भी पूर्वी क्षेत्र के उद्योग का समुचित वातावरण नहीं हो सका. औद्योगिक विकास के लिए समुचित वातावरण, विधि-व्यवस्था व आधारभूत संरचना का होना आवश्यक है, तभी कोई निवेशक निवेश करते हैं व उद्योग स्थापित करते हैं. खनिज संपदा से परिपूर्ण झारखंड में औद्योगिकीकरण की अपार संभावनाएं हैं. राज्यपाल मंगलवार को जमशेदपुर में सीआईआई झारखंड की वार्षिक बैठक में बोल रहे थे.

सकारात्मक पहल जरूरी

राज्यपाल ने कहा कि संभावनाओं को धरातल पर उतारने के लिए सुनियोजित एवं सकारात्मक पहल करने की आवश्यकता है. प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं.

देश कर रहा है तरक्की

हमारा देश तरक्की कर रहा है. प्रधानमंत्री के नेतृत्व में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का देश बनने की ओर अग्रसर है. देश आर्थिक रूप से सबल होगा तो विभिन्न सामाजिक मुद्दों यथा- शिक्षा, स्वास्थ्य, यातायात इत्यादि की दिशा में भी काफी प्रगति होगी.

राज्य प्रशासनिक सेवा से 9 और गैर सेवा से 6 अफसर बनेंगे आईएएस

रांची । झारखंड राज्य प्रशासनिक सेवा के नौ अफसरों को आइएएस संवर्ग में प्रोन्नति देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. यह प्रोन्नति वर्ष 2023 की रिक्ति के विरुद्ध दी जाएगी. इसके लिए राज्य प्रशासनिक सेवा के 27 अफसरों के नामों की सूची तैयार की जाएगी. नियमतः एक पद के विरुद्ध तीन नाम भेजे जाने का प्रावधान है. वहीं गैर प्रशासनिक सेवा के छह अफसरों को भी आइएएस संवर्ग में प्रोन्नति देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. इसमें भी 18 नामों की अनुशंसा की जाएगी. नियमतः एक पद के विरुद्ध तीन नाम भेजे जाने का प्रावधान है.

प्रमोटी आइएएस होंगे प्रोन्नत : 11 आइएएस अफसरों को ज्वाइंट सेक्रेटरी से स्पेशल सेक्रेटरी के पद पर प्रमोशन देने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है. ये अफसर 2011 बैच के हैं. डीपीसी की बैठक में इसकी सहमति भी मिल चुकी है. बताते चलें कि ये सभी अफसर 41 प्रमोटी आइएएस में से हैं. इनमें से 19 अफसरों को प्रमोशन दिया जाना था, जिसमें जिनमें आठ जनवरी को आठ अफसरों को स्पेशल सेक्रेटरी रैंक में प्रमोशन दे दिया गया था, लेकिन शेष 11 अफसरों अब प्रोमशन दिया जा रहा है. जल्द ही इसका आदेश जारी किया जाएगा.

एनटीपीसी साइट पर बम फोड़ने के आरोपी को किया आरोपमुक्त

संवाददाता। रांची

एनटीपीसी के जीएम ने बम फोड़ने को लेकर बड़कागांव थाना में एफआईआर दर्ज कराया था और मंटू सोनी नामजद आरोपी बनाया था. लेकिन सबूत नहीं मिलने पर पुलिस ने छह साल बाद उसे आरोपमुक्त कर दिया है. हजारीबाग के बड़कागांव स्थित एनटीपीसी के त्रिवेणी-सैनिक साइट कार्यालय लंगातु में बम फोड़ने की घटना को लेकर तत्कालीन जीएम टी गोपाल कृष्ण ने बड़कागांव थाना में मामला दर्ज कराया था. विस्फोट कर रंगदारी मांगने को लेकर भी एफआईआर किया था. लेकिन सबूत के अभाव में नामजद आरोपी मंटू सोनी को पुलिस ने छह साल बाद आरोपमुक्त कर दिया है.

अज्ञात चरवाहा-मजदूर के हवाले से एनटीपीसी जीएम ने केस किया था

एनटीपीसी के तत्कालीन जीएम टी गोपाल कृष्ण ने 30 नवंबर 2017 को बड़कागांव थाना में अज्ञात चरवाहा और मजदूरों के हवाले से (नाम पता स्पष्ट नहीं) मंटू सोनी व अन्य के खिलाफ बड़कागांव थाना में एक आवेदन दिया था. आवेदन में घटना का कोई चश्मदीद गवाह नहीं था और अज्ञात मजदूरों व चरवाहों के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया था. हजारीबाग के तत्कालीन एसपी ने सुतली बम फोड़ने और जेपीसी नामक नक्सली संगठन का पर्चा छोड़े जाने की बात कहते हुए जांच करने की बात कही थी.

23 आईपीएस का तबादला, एक को प्रभार

संवाददाता। रांची

- गृह कारा व आपदा प्रबंधन विभाग ने अधिसूचना जारी की
- आरके मलिक को एडीजी मुख्यालय में हुए पदस्थापित

झारखंड के 23 आईपीएस अधिकारियों का सरकार ने तबादला किया है, और एक को अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. इससे संबंधित अधिसूचना गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने जारी कर दी है.

जानें कौन कहां गए : एडीजी वायरलेस के पद पर पदस्थापित आरके मलिक को एडीजी मुख्यालय के पद पर पद पदस्थापित किया गया. आरके मलिक एडीजी वायरलेस के अतिरिक्त प्रभार पर भी रहेंगे. आईजी प्रोविजन के पद पर पदस्थापित प्रभात कुमार को आईजी स्पेशल ब्रांच के पद पर पदस्थापित किया गया है.

आईजी एसीबी के पद पर पदस्थापित पंकज कंबोज को आईजी प्रोविजन के पद पर पदस्थापित किया गया है. जोनल आईजी पलामू के पद पर पद स्थापित राजकुमार लकड़ा को जैप आईजी के पद पर पदस्थापित किया गया है. नरेंद्र कुमार सिंह को पलामू जोनल आईजी के पद पर पदस्थापित किया गया. नरेंद्र कुमार सिंह रेल आईजी के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे. कोल्हान डीआईजी के पद पर पदस्थापित अजय लिंडा को डीआईजी होमगार्ड के पद पर पदस्थापित किया गया.

डीआईजी स्पेशल ब्रांच के पद पर पदस्थापित मनोज रतन चौथे को डीआईजी कोल्हान के पद पर पदस्थापित किया गया. डीआईजी रेल के पद पर पदस्थापित कार्तिक एस को डीआईजी स्पेशल ब्रांच के पद पर पदस्थापित किया गया. डीआईजी एसआईबी के पद पर पदस्थापित शैलेंद्र प्रसाद बरनवाल को डीआईजी एसीबी के पद पर पदस्थापित किया गया. डीआईजी होमगार्ड के पद पर पदस्थापित वाई एस रमेश को डीआईजी बजट, सुमित कुमार अग्रवाल को रांची ट्रैफिक एसपी के पद पर स्थापित किया गया. प्रवीन पुष्कर को जमशेदपुर रेल एसपी के पद पर पदस्थापित किया गया. शंभू कुमार सिंह को गुमला एसपी के पद पर पदस्थापित किया गया.

गुमला एसपी के पद पर पदस्थापित हरविंदर सिंह को एसपी वायरलेस के पद पर पद पदस्थापित किया गया. आनंद प्रकाश को जैप 6 जमशेदपुर का कमांडेंट बनाया गया. मूमल राजपुरोहित को स्पेशल ब्रांच का एसपी बनाया गया. रेल एसपी जमशेदपुर के पद पर पदस्थापित ऋषभ झा को एटीएस एसपी, लातेहार एसपी के पद पर पदस्थापित अंजनी अंजन को रांची ग्रामीण एसपी, सरायकेला एसपी के पद पर पदस्थापित डॉक्टर विमल कुमार को रामगढ़ एसपी, चतरा एसपी के पद पर पदस्थापित राकेश रंजन को जैप 1का कमांडेंट, रांची ग्रामीण एसपी के पद पर पदस्थापित मनीष टोप्पो को सरायकेला एसपी, रामगढ़ एसपी के पद पर पदस्थापित पीयूष पांडे को लातेहार का एसपी, विकास कुमार पांडे को चतरा का एसपी, जेएपीटी पदमा सपा के पद पर पदस्थापित चंदन कुमार झा अपने कार्यों के अतिरिक्त निदेशक झारखंड पुलिस अकादमी का प्रभार में रहेंगे.

CLASSIFIED

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने पत्र जारी किया

झारखंड के 140 मिडिल स्कूल होंगे हाई स्कूल में अपग्रेड, खर्च होंगे 156 करोड़

- स्कूल बनने से सबसे अधिक लाभ छात्राओं को होगा

रजनीश प्रसाद। रांची

झारखंड के 140 मिडिल स्कूल को हाई स्कूल में अपग्रेड किया जायेगा. झारखंड के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने इससे संबंधित पत्र जारी किया है. इसको लेकर राज्य के सभी जिलों ने अनुशंसा की थी, जिसके बाद विभाग ने मिडिल स्कूलों को हाई स्कूल में अपग्रेड करने की मंजूरी दे दी.

हाई स्कूल बनने से छात्र-छात्राओं को नौवीं व दसवीं कक्षा की पढ़ाई के लिए दूर-दराज नहीं जाना पड़ेगा. वे अपने ही स्कूल में हाई स्कूल की सुविधा ले पायेंगे. खासकर लड़कियां सबसे अधिक लाभान्वित होंगी, क्योंकि उनको पढ़ने के लिए दूर जाना पड़ता था. लेकिन मिडिल स्कूल के हाई स्कूल में अपग्रेड होने से वे अपने ही गांव में पढ़ाई पूरी कर पायेंगी.

एक स्कूल पर खर्च होंगे 1 करोड़ 11 लाख

एक स्कूल को अपग्रेड करने में 1,11,63,500 (एक करोड़ 11 लाख तिरेसठ हजार पांच सौ) रुपये खर्च होगा. वहीं 140 स्कूलों को अपग्रेड करने के लिए 1,56,28,90,000 (एक अरब छप्पन करोड़ अठाइस लाख नब्बे हजार) रुपये लगेंगे. विभाग ने गिरिडीह जिले में सबसे अधिक 25 स्कूलों को अपग्रेड करने की मंजूरी दी है. वहीं देवघर, गुमला, जामताडा और पाकुड़ जिले में सबसे कम एक-एक स्कूल को अपग्रेड करने की स्वीकृति दी गयी है.

अपग्रेडशन के बाद स्कूलों में 2992 पद किये जाएंगे सृजित

जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, झारखंड के जिन 140 मिडिल स्कूल को हाई स्कूल में अपग्रेड किया जायेगा, उसमें बोकारो के 11, चतरा के 8, देवघर के 1, धनबाद के 7, दुमका के 3, गढ़वा के 15, गिरिडीह के 25, गोड्डा के 2, गुमला के 1, हजारीबाग के 12, जामताड़ा के 1, खूंटी के 3, कोडरमा के 3, लातेहार के 5, पाकुड़ के 1, पलामू के 9, पश्चिमी सिंहभूम के 9, पूर्वी सिंहभूम के 5, रांची के 8, साहिबगंज के 3, सरायकेला-खरसावां के 4 और सिमडेगा 4 स्कूल शामिल हैं. इन स्कूलों के अपग्रेडशन के बाद हर स्कूल में 1 प्रधानाध्यापक, 8 स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक, 1 लिपिक और 1 आदेशपाल का पद भी सृजित होगा. 140 अपग्रेडेड स्कूलों में 2992 पद सृजित किये जायेंगे. आदेशपाल के पद पर श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग द्वारा निर्धारित पारिश्रमिक के आधार पर आउट सोर्सिंग से बहाल किया जायेगा.

बुधवार 28 फरवरी 2024 • फाल्गुन कृष्ण पक्ष 04 , संवत 2080 • पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 • वर्ष : 1, अंक : 311 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

हमीन कर बजट

झारखंड बजट 2024-25

₹1,28,900 करोड़ का बजट

2500 आंगनबाड़ी भवन का निर्माण कराया जाएगा महिला एवं बाल विकास के तहत

125 यूनिट प्रतिमाह मुफ्त बिजली प्रदान करेगी राज्य सरकार घरेलू उपभोक्ता को 100 यूनिट के स्थान पर

वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने पेश किया वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए बजट

गांव-गरीब और किसान पर फोकस

चंपाई सरकार अब गरीबों को देगी दाल-भात, सब्जी, आधारभूत संरचना पर विशेष ध्यान

कौशल आनंद/सत्य शरण। रांची। राज्य की चंपाई सोरेन सरकार ने अपना पहला और गठबंधन सरकार का अंतिम बजट मंगलवार को पेश किया. वित्त मंत्री सदन में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 1,28,900 करोड़ का बजट सदन में पेश किया. इस बजट में सरकार ने किसान, ग्रामीण एवं गरीबों पर विशेष ध्यान रखा है. इसके अतिरिक्त राज्य की आधारभूत संरचना के विकास पर फोकस किया है. सरकार अब गरीबों को दाल-भात, सब्जी खिलाएगी. इसके लिए जनवितरण प्रणाली के दुकानों से चावल के साथ-साथ दाल एवं सोयाबीन-बरी भी देगी. सरकार ने किसानों पर विशेष मेहरबानी जताते हुए ऋण माफी की सीमा 50 हजार रुपए से बढ़ाकर 2 लाख करने और एनपीए खाते धारक किसानों को भी इस योजना में शामिल करने का निर्णय लिया है.

नई घोषणाएं

- 4,036 पंचायत स्तरीय स्कूलों को अगले 2 वर्षों में आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित करने का लक्ष्य.
- डिप्लोमा स्तर पर पढ़ाई करने वाली छात्राओं को मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना के तहत डिप्लोमा स्तर पर 15,000 प्रति वर्ष और डिग्री स्तर के लिए 30,000 रुपए प्रतिवर्ष आर्थिक सहायता दी जाएगी.
- राज्य सरकार मेसर्स कॉमन सर्विस सेंटर पीवी के साथ साझेदारी कर एक राज्यव्यापी लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम विकसित करेगी.
- राज्य सरकार राज्य में 19 नए महाविद्यालय जिसमें 15 डिग्री महाविद्यालय तथा 4 महिला महाविद्यालय की स्थापना करेगी.
- राज्य सरकार आगामी वर्षों में राजधानी रांची में मेडिकल कॉलेज की स्थापना करेगी. रिम्स की भी स्थिति में सुधार करेगी. रिनपास के कैंपस में उपलब्ध भूमि पर मेडिको सिटी की स्थापना करेगी.
- बढ़ती महंगाई को देखते हुए जन वितरण प्रणाली के डीलरों का कमीशन 100 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 150 रुपए प्रति क्विंटल करने का प्रस्ताव किया गया है.
- राष्ट्रीय खाद सुरक्षा अधिनियम एवं झारखंड राज्य खाद सुरक्षा योजना के प्रत्येक राशन कार्डधारी परिवार को सोयाबीन बड़ी का वितरण किए जाने का प्रस्ताव.
- छात्रों के लिए नि :शुल्क आवासन की सुविधा के लिए बहुमंजिला मॉडल छात्रावास का निर्माण चरणबद्ध तरीके से कराया जाएगा.
- जनजातीय गांवों में अखड़ा के निर्माण एवं उनके लिए पारंपरिक वाद्य यंत्रों की आपूर्ति का प्रस्ताव.
- वर्ष 2024-25 में पथ घनत्व बढ़ाने एवं कोर रूट नेटवर्क कनेक्टिविटी विकसित करने के निर्धारित लक्ष्य के तहत नए पथों को शामिल करने का प्रस्ताव है.
- राज्य के उभरते खिलाड़ियों को खेल प्रतियोगिता के लिए उचित मंच प्रदान करने के लिए खेल प्रतियोगिता के आयोजन का प्रस्ताव .झारखंड बजट का आकार 8 .5 फीसदी बढ़ा.

सरकार का खाओ पकाओ बजट : बाबूलाल मरांडी

रांची। झारखंड विधानसभा में वित्तमंत्री रामेश्वर उरांव ने बजट पेश किया. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने इसे अदूरदर्शी सोच और विकास विरोधी वाला बजट बताया. बाबूलाल ने कहा कि यह बजट राज्य के खजाने को केवल लूटने और लुटवाने वाला है. इसमें कोई दूरगामी सोच वाला लोक कल्याणकारी योजनाओं का समावेश नहीं है.

रुपया कहां से आएगा

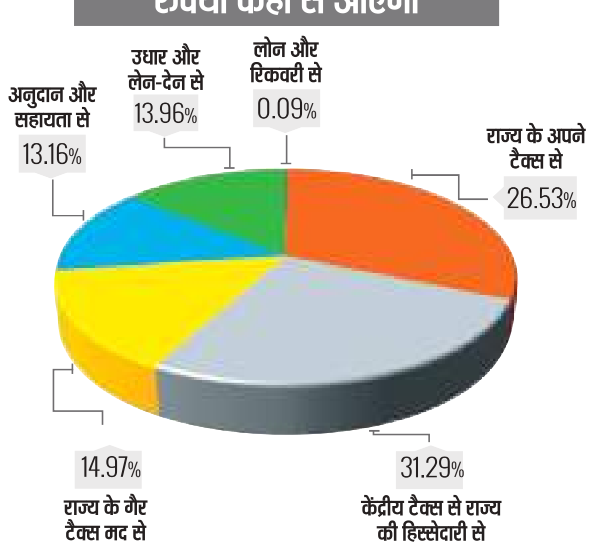

रुपया कहां जाएगा

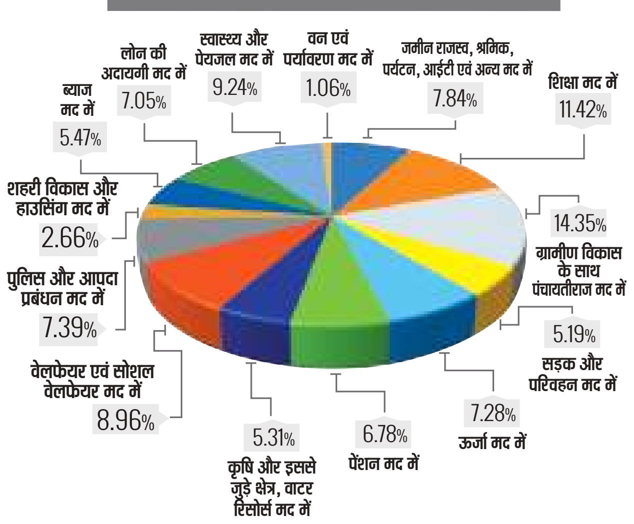

06 महत्वपूर्ण फैसले

1. किसानों की ऋण माफी

वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में झारखंड की चंपाई सोरेन सरकार ने किसानों की ऋण माफी योजना के तहत रकम की सीमा को बढ़ाने का ऐलान किया गया है. इस बजट में किसानों की ऋण माफी सीमा को 50,000 रुपए से बढ़ाकर 2 लाख रुपए कर दिया गया है. इसके अलावा, एनपीए (नॉन परफॉर्मेंस एसेट्स) खाताधारक किसानों को भी इस ऋण माफी योजना में शामिल किया जाएगा.

2. अबुआ आवास योजना

केंद्र सरकार के प्रधानमंत्री आवास योजना की तर्ज पर झारखंड के गरीब परिवारों को घर मुहैया कराने के लिए सरकार की ओर से अबुआ आवास योजना के तहत आवास ऋण की रकम को 2 लाख रुपए से बढ़ाकर 3.50 लाख रुपए कर दिया गया है. इसके लिए सरकार की ओर से करीब 4,831.83 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे. अबुआ आवास के लिए वित्त वर्ष 2024-25 से लेकर 2027-28 के दौरान हरेक साल करीब 4.5 लाख परिवारों को आवास मुहैया कराए जाएंगे और 2027-28 तक करीब 20 लाख परिवारों को आवास उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है.

3. सिंचाई परियोजना

इसके साथ ही, सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में किसानों की फसलों की सिंचाई के लिए पीरटांड मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना के क्रियान्वयन का भी प्रस्ताव किया गया है. इसके तहत बराकर नदी पर वीयर का निर्माण कराने के बाद अंडरग्राउंड पाइपलाइन के जरिए पीरटांड प्रखंड के अलावा पूर्वी सिंहभूम के पटमदा आदि क्षेत्रों में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी.

4. पलामू में अंडरग्राउंड पाइपलाइन

इसके साथ ही सरकार ने सालाना बजट में पलामू जिले में अंडरग्राउंड पाइपलाइन के माध्यम से विभिन्न जलाशयों और जल निकायों में पेयजल और सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने के लिए 456.63 करोड़ रुपए खर्च करने का प्रस्ताव किया गया है. इससे पलामू के चैनपुर, मेदिनीनगर, सतबरवा, विश्रामपुर, छत्तरपुर, हुसैनाबाद और मोहम्मदगंज के निवासियों और किसानों को लाभ मिलेगा.

5. मुख्यमंत्री सर्वजन पेंशन योजना

बजट में सरकार ने झारखंड के लोगों को 60 साल के व्यक्ति को पेंशन देने के लिए मुख्यमंत्री सर्वजन पेंशन योजना लागू करने का प्रस्ताव किया है. इस योजना में दिव्यांगों, आदिम जनजाति के व्यक्तियों, निराश्रित महिलाओं, एचआईवी/एड्स से ग्रस्त व्यक्तियों और ट्रांसजेंडरों के साथ-साथ 50 साल की उम्र पार सभी महिलाओं, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों को पेंशन का लाभ दिया जाएगा.

6. जनप्रतिनिधियों के मानदेय में बढ़ोतरी

बजट में कहा गया है कि राज्य में करीब 12 साल बाद निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के मानदेय में बढ़ोतरी की जाएगी. इसमें जिला परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रमुख, उपप्रमुख, मुखिया, उपमुखिया, जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य और ग्राम पंचायत सदस्य शामिल हैं.

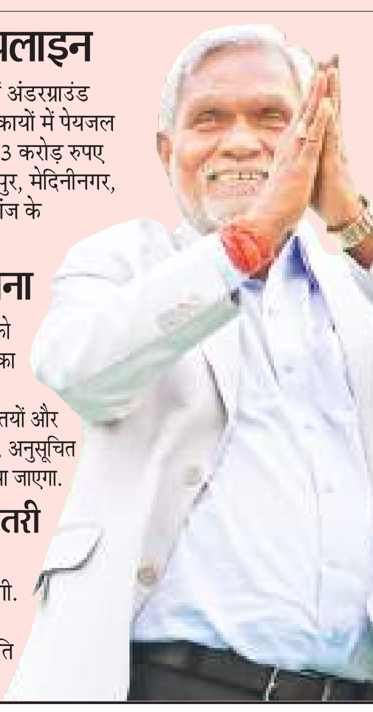

झारखंड के विकास का सटीक रोडमैप : सीएम

सीएम चंपाई सोरेन ने वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव द्वारा पेश किए गए 2024-25 के बजट की जमकर तारीफ की है. उन्होंने कहा कि झारखंड के सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को लेकर पेश किए गए इस बजट में आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल एवं इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े मामलों का विशेष ध्यान रखा गया है. इसमें रांची में इनर रिंग रोड समेत कई फ्लाईओवर बनाने का प्रस्ताव है. उसके साथ ही साथ ग्रामीण सड़कों एवं पुलों के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया गया है. पिछले चार वर्षों की तरह ही, हमारी सरकार का यह बजट, वास्तव में गांव, गरीब, किसानों, मजदूरों एवं प्रदेश के विकास का सटीक रोडमैप है. सीएम ने कहा कि किसानों को ऋण मुक्ति दिलाने के लिए इसमें ऋण माफी की सीमा को बढ़ाया गया है. किसानों के लिए कृषि उपकरण से लेकर सिंचाई तक की व्यवस्था की जाएगी. उन्हें समुचित प्रशिक्षण देते हुए कृषि की उन्नत तकनीक का इस्तेमाल करना सिखाया जाएगा.

- झारखंड में अब 20 लाख से बढ़कर 25 लाख लोगों को राज्य सरकार खाद्य सुरक्षा योजना से जोड़ेगी.
- पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत 2,500 किमी पथ एवं 200 पुल के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है.
- मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत वितीय वर्ष 2024-25 में 1000 किमी के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है
- बीआईटी सिंदरी में स्टेट टेक्नोलॉजी पार्क की स्थापना का प्रस्ताव रखा गया है.
- स्कूली शिक्षा में 325 प्रखंड स्तरीय लीडर स्कूल के निर्माण का लक्ष्य.

बोले पीएम : भाजपा कभी किसी राज्य को वोट बैंक के नजरिए से नहीं देखती

विपक्ष मान चुका है कि वह चुनाव हारेगा : मोदी

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दावा किया कि विपक्ष यह मान चुका है कि वह इस साल होने वाले लोकसभा चुनाव में जीत नहीं पाएगा और देश की प्रगति को लेकर उसके पास कोई खाका नहीं है इसलिए वह उन्हें 'भला-बुरा' कहने की रणनीति अपना रहा है. मोदी ने यहां सेंट्रल स्टेडियम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई की पदयात्रा के समापन समारोह में केरल के लोगों से आग्रह किया कि वे आगामी लोकसभा चुनावों में राज्य में उनकी पार्टी को दोहरे अंकों में सीट जिताकर अपना आशीर्वाद दें. उन्होंने कहा कि भाजपा कभी किसी राज्य को वोट बैंक के नजरिए से नहीं देखती. मोदी ने दावा किया कि पिछले 10 साल में केरल को अन्य भाजपा शासित राज्यों की तरह ही विकास से लाभ हुआ है. उन्होंने कहा कि यह उनकी गारंटी है कि वह केरल के लोगों के सपनों और आकांक्षाओं को साकार करने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे. प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के साथ-साथ देश से गरीबी और भ्रष्टाचार मिटाना 'मोदीयूड गारंटी' है.

गगनयान मिशन के लिए 4 अंतरिक्ष यात्रियों के नाम घोषित

पीएम मोदी ने मंगलवार को उन चार अंतरिक्ष यात्रियों के नामों की घोषणा की जो देश के पहले मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन-गगनयान के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं. पीएम ने थुंबा स्थित विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर, अंगद प्रताप, अजीत कृष्णन और विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला गगनयान मिशन के लिए नामित किये गए अंतरिक्ष यात्री हैं. उन्होंने इन चारों को अंतरिक्ष यात्री पंख प्रदान किये. मोदी ने इन चार अंतरिक्ष यात्रियों को चार ताकतें करार दिया, जो देश के 1.4 अरब लोगों की आकांक्षाओं को समाहित करती हैं.

आप सभी अमृत पीढ़ी के प्रतिनिधि : मोदी ने अंतरिक्ष यात्रियों की प्रशंसा की और कहा कि उनका नाम भारत की सफलता के साथ जुड़ गया है. उन्होंने प्रशिक्षण के प्रति उनके समर्पण और भावना की सराहना की और कहा कि वे भारत की अमृत पीढ़ी के प्रतिनिधि हैं, जो कभी हार नहीं मानती और सभी प्रतिकूल परिस्थिति को चुनौती देने की ताकत रखती है.

राहुल गांधी ने केंद्री की मोदी सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

सरकार देश के भविष्य की शत्रु बन गई है

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने यूपी में पेपर लीक के मुद्दे को लेकर मंगलवार को आरोप लगाया कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार देश के भविष्य की दुश्मन बन गई है. यूपी सरकार ने विभिन्न जिलों में 17 और 18 फरवरी को हुई पुलिस भर्ती परीक्षा को निरस्त कर दिया है और छह माह के भीतर पुनः परीक्षा कराने के आदेश दिए हैं. यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा बीते 11 फरवरी को आयोजित की गई समीक्षा अधिकारी/ सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) परीक्षा-2023 से जुड़ी शिकायतों की भी जांच कराने का निर्णय लिया है.

राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, मोदी सरकार देश के भविष्य'' की दुश्मन बन गई है! कहीं भर्ती के लिए तरसते छात्र, कहीं पेपर लीक से हताश छात्र, कहीं नियुक्ति के लिए कोर्ट का चक्कर काटते छात्र, तो कहीं आवाज उठाने पर लाठियों की मार सहते छात्र.

उन्होंने दावा किया कि समीक्षा अधिकारी से लेकर पुलिस भर्ती तक और रेलवे से लेकर सेना तक एक भी परीक्षा न्यायपूर्ण ढंग से करा पाने में नाकाम भाजपा सरकार अपना गुस्सा युवाओं पर निकाल रही है. राहुल गांधी ने आरोप लगाया, नौकरी पैदा करने वाले संस्थान अपने मित्रों को बेच कर युवाओं को ठेके पर रखना, मोदी की नीति है और शोषण मोदी की गारंटी. मोदी सरकार छात्रों और उनके परिवारों के सपनों पर लगा ग्रहण है, जिसने उनसे उम्मीदों की रोशनी छीनी है. उन्होंने कहा, इस अपराध के लिए इतिहास नरेंद्र मोदी को कभी माफ नहीं करेगा.

रिम्स ओपीडी

विभाग — डॉक्टर का नाम

- मेडिसिनः डॉ बिंदे कुमार
- सर्जरीः डॉ विनय प्रताप
- न्यूरोसर्जरीः डॉ सीबी सहाय
- ऑर्थोपेडिकः डॉ जीके गुप्ता
- कार्डियोलॉजीः डॉ पीके श्रीवास्तव
- टीबी एवं चेस्टः डॉ ब्रजेश मिश्रा
- नेत्रः डॉ दीपक लकड़ा
- ऑब्स गायनीः डॉ अतीमा भारती
- ईएनटीः डॉ जेडएम खान
- सीटीवीएसः डॉ राकेश कुमार
- सायकेट्रीः डॉ अजय बाखला
- पीडियाट्रिक सर्जरीः डॉ अभिषेक कुमार सिंह
- न्यूरोलॉजीः डॉ सुरेंद्र कुमार

सदर अस्पताल

- मेडिसिनः डॉ बीएन पोद्दार, डॉ रुचिका
- ऑब्स एंड गायनीः डॉ वसुधा, डॉ वीणा विनायक
- पीडियाट्रिक(शिशु रोग): डॉ संतोष
- हेमाटोलॉजीःडॉ अभिषेक रंजन
- यूरोलॉजीः डॉ प्रशांत कुमार
- कार्डियो डायबिटिकः डॉ एके झा
- गैस्ट्रोएंटरोलॉजीः डॉ जयंत घोष
- अंकोलॉजीः डॉ गुंजेश कुमार

शहर में आज

1. सीयूजे कॉनवोकेशन, सीयूजे हॉल में दोपहर 12 बजे.
2. कबड्डी प्रतियोगिता लीग, मोरहाबादी में संध्या 5 बजे.
3. यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम, जिला यक्ष्मा केंद्र में दोपहर 12 बजे.
4. विधानसभा सत्र, विधानसभा में दिन के 11 बजे.
5. शहर के अन्य हिस्सों में विभिन्न कार्यक्रम दिन के 11 बजे से.

सूचनाः शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

राजकमल ने सीएम के सचिव का पदभार संभाला

रांची। आईएएस अरवा राजकमल ने मंगलवार को मुख्यमंत्री के सचिव पद पर योगदान दिया. राजकमल के पास नगर विकास एवं आवास विभाग के साथ उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के सचिव पद का भी अतिरिक्त पदभार है. इसके अलावा जुडको एवं ग्रेटर रांची के सीएमडी पद भी कार्यभार संभाल रहे हैं.

डीसी ने लिया ईवीएम वेयर हाउस का जायजा

रांची। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने मंगलवार को मोरहाबादी के बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम स्थित ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया. इस दौरान रांची उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक कुमार सुमन समेत अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित रहे. डीसी ने उप निर्वाचन पदाधिकारी को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया.

झारखंड कबड्डी लीग सीजन वन आज से

रांची। झारखंड कबड्डी प्रीमियर लीग सीजन 1 का आयोजन 28 फरवरी से 3 मार्च तक ऑक्सीजन पार्क मोरहाबादी में आयोजित किया जाएगा. झारखंड कबड्डी संघ के अध्यक्ष तपन रावत, महासचिव संजय कुमार झा और कोषाध्यक्ष हरीश कुमार ने मंगलवार को प्रेस वार्ता कर संयुक्त रूप से जानकारी दी कि यह प्रतियोगिता झारखंड में पहली बार झारखंड राज्य कबड्डी संघ से संबद्ध प्रतियोगिता है. इसमें कुल 8 टीम भाग ले रही हैं.

इस वित्तीय वर्ष में 10.7 फीसदी अधिक बजटीय प्रावधान, झारखंड चैंबर ने पेश बजट को सराहा

पर्यटन को उद्योग का दर्जा देना स्वागतयोग्य : मंत्री

संवाददाता। रांची

झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष किशोर मंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वित्तीय वर्ष 10.7 फीसदी अधिक बजटीय प्रावधान किया गया है. प्रदेश को वर्ष 2030 तक 10 ट्रिलियन रुपये की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य उत्साहित करनेवाला है. वित्त मंत्री द्वारा पेश बजट सामान्य है, जिसमें व्यापार और उद्योग के विकास के लिए किसी नई योजना को नहीं लाया गया है. ग्रामीण अर्थव्यवस्था के उत्थान पर सरकार ने अपना ध्यान केंद्रित किया है. राजधानी रांची में नये मेडिकल कॉलेज की स्थापना की बात कही गई है.

हालांकि, रिम्स एवं सदर अस्पताल की स्थिति ठीक करने पर ध्यान देने की जरूरत थी. पर्यटन को उद्योग का दर्जा देना स्वागतयोग्य कदम है. झारखंड तसर उत्पादन के क्षेत्र में देश में प्रथम स्थान पर रहा है. आगामी वित्तीय वर्ष में 1500 मिट्रिक टन तसर रेशम उत्पादन का लक्ष्य उत्साहजनक है. इससे राज्य के बुनकरों, परंपरागत शिल्पियों एवं रेशम उत्पादन से जुड़े हुए राज्य के गरीब नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे.

बजट में सरकार की दूरगामी सोच की झलक : परेश

झारखंड चैंबर के महासचिव परेश गट्टानी ने कहा कि झारखंड विधानसभा में वित्त मंत्री रामेश्वर उरावं द्वारा पेश किए गए बजट को

संतुलित बताया. उन्होंने कहा कि इस वित्तीय वर्ष के बजट के आकार को बढाया जाना तथा 2030 तक झारखंड को 10 ट्रिलियन रुपये की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य सरकार की दूरगामी सोच को दर्शाता है. बजट के माध्यम से 20 हजार करोड़ से अधिक का निवेश आकर्षित करके, एक लाख लोगों को रोजगार देने की प्रतिबद्धता दिखाई गई है, किंतु इसमें क्लेरिटी का अभाव है. सरकार ने भी स्वीकार किया है कि उद्योग व्यापार की प्रगति के लिए निर्बाध विद्युत आपूर्ति बेहद जरूरी है. हमें उम्मीद है कि अन्य राज्यों की भांति झारखंड में भी बिजली वितरण व्यवस्था को प्राइवेटाइज किया जायेगा, किंतु बजट में इसका उल्लेख नहीं है.

बजट में दिखी युवाओं के प्रति चिंता : राहुल साबू

झारखंड चैंबर के उपाध्यक्ष राहुल साबू ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक

वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के साथ ही उनके रहने के लिए प्रमुख शहरों में बहुमंजिले मॉडल छात्रावासों के निर्माण करने के वित्त मंत्री का वक्तव्य स्वागत योग्य है. इस योजना के प्रभावी होने से राज्य का प्रतिभा पलायन तो रुकेगा ही, साथ ही हमारे प्रदेश के युवा, प्रदेश के विकास में अपना सकारात्मक योगदान देंगे. सरकार ने बजट के माध्यम से युवाओं के भविष्य की चिंता दिखाई है, जो सरकार की दूरदर्शी सोच है. यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन एंड नार्दन आयरलैंड में अवस्थित विश्वविद्यालयों में उच्चस्तरीय शिक्षा के लिए सरकार ने वित्तीय सहायता देने का भी वायदा किया है, जो सराहनीय पहल है.

आधारभूत संरचना और प्रोत्साहन का अभाव : महेश

राज्यसभा के पूर्व सांसद महेश पोद्दार ने कहा कि वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव द्वारा झारखंड विधानसभा में पेश किए गए राज्य के बजट का साइज तो बड़ा

दिख रहा है, लेकिन कुछ वर्गों को छोड़ कर बाकी के लिए छोटा दिख रहा है. रोजगार झारखंड की बड़ी समस्या है, पर इसका भी सरकारीकरण करने की कोशिश की जा रही है. तथ्य यह है कि इस बजट की योजनाओं से बहुत छोटे वर्ग को सरकार संतुष्ट कर पाएगी. जो स्वतः रोजगार निर्माण होते हैं, इसके लिए बजट में आधारभूत संरचना और प्रोत्साहन इन सभी मुद्दों का अभाव दिखता है. केंद्र की वित्तीय सहायता पर निर्भर कई योजनाएं हैं, उनमें राज्य के हिस्से के लिए पर्याप्त आवंटन नहीं किया गया है. बजट की खानापूर्ति तो जरूर हुई, पर यह झारखंड की दिशा और दशा बदलने में सक्षम नहीं होगा. कुल मिला कर इस बजट में आधारभूत संरचनाओं और प्रोत्साहन जैसे मुद्दों का अभाव दिखा.

सरकार ने टूरिज्म डेवलपमेंट पर भी खास फोकस किया : आदित्य

उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि बजट के आकार को बढ़ाया जाना तथा 2030 तक

झारखंड को 10 ट्रिलियन रुपये की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य सरकार की दूरगामी सोच को दर्शाता है. सरकार ने टूरिज्म डेवलपमेंट पर भी खास फोकस किया है. अबुआ आवास योजना के क्रियान्वयन से स्थानीय स्तर पर रियल एस्टेट सेक्टर को बूस्ट मिलेगा.

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने को प्राथमिकता : अमित शर्मा

झारखंड चेंबर के सह सचिव अमित शर्मा ने कहा कि सरकार ने बजट के माध्यम से किसान,

स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क व रोजगार सृजन के साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए अपनी प्राथमिकताएं तय की है. खेल कूद के क्षेत्र में पदक विजेताओं को सम्मान देने और सूचना प्रोद्योगिकी के लिए पर्याप्त बजटीय आवंटन का निर्णय स्वागतयोग्य है.

अलग से पर्यटन नीति का गठन स्वागतयोग्य : शैलेश अग्रवाल

सह सचिव शैलेश अग्रवाल ने कहा कि टूरिज्म को उद्योग का दर्जा देते हुए अलग से पर्यटन नीति का

गठन स्वागतयोग्य है. नेतरहाट को टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के लिये नेतरहाट टूरिस्ट डेवलपमेंट ऑथोरिटी गठित करने से इस क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा मिलेगा. हमें उम्मीद थी कि राज्य में व्यापार–उद्योग आयोग का गठन होगा, जिसका बजट में उल्लेख नहीं होने से निराशा हुई.

सरकार ने बजट में आर्थिक प्रगति का सकारात्मक संदेश दिया : ज्योति

चेंबर कोषाध्यक्ष ज्योति कुमारी ने कहा कि सरकार ने बजट के माध्यम से राज्य की आर्थिक प्रगति का

सकारात्मक संदेश दिया है. रिजनल कनेक्टिविटी में वृद्धि, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र को मजबूत करने के लिए भी पर्याप्त बजटीय अनुशंसा की गई है. यह स्वागतयोग्य कदम है. योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए इसकी नियमित मॉनिटरिंग आवश्यक है.

नवप्रोन्नत और पोस्टिंग के इंतजार पर जल्द लगेगा विराम

डीएसपी का किया जाएगा पदस्थापन

संवाददाता। रांची

इंस्पेक्टर से डीएसपी में प्रोन्नत हुए और पोस्टिंग का इंतजार रहे डीएसपी की पोस्टिंग होगी. इसे लेकर तैयारी पूरी कर ली गयी है. झारखंड पुलिस मुख्यालय के द्वारा झारखंड में कहां-कहां डीएसपी के पद खाली हैं और पोस्टिंग पाने वाले डीएसपी की सूची गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग को भेज दी गयी हैं. जल्द ही डीएसपी रैंक के अधिकारियों के पदस्थापन की लिस्ट गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के द्वारा जारी की जायेगी.

डीएसपी बने पर 79 अधिकारी कर रहे इंस्पेक्टर का कामः झारखंड पुलिस के 93 पुलिस पदाधिकारी तीन वर्षों के इंतजार के बाद इंस्पेक्टर से डीएसपी रैंक में प्रोन्नत हुए, लेकिन प्रोन्नति की अधिसूचना जारी होने के दो महीने बाद भी डीएसपी बने 79 अधिकारी इंस्पेक्टर का ही काम कर रहे हैं. नव प्रोन्नत अधिकारियों में महज 14 को ही डीएसपी रैंक पर तैनात किया गया, उनमें से भी तीन अधिकारी जनवरी महीने के अंत में सेवानिवृत्त हो गये. राज्य सरकार के द्वारा डीएसपी के पद पर प्रोन्नति के बाद भी पोस्टिंग नहीं होने की वजह से इन अधिकारियों को वेतन बढ़ोत्तरी का लाभ प्रोन्नति की तारीख से नहीं मिल पा रहा है. वहीं दूसरी 31 जनवरी को राज्य सरकार ने 93 डीएसपी का तबादला किया था.

एसएसपी ने सदर थानेदार को किया लाइन हाजिर

- डीएसपी के रीडर पर रिश्वत मांगने के आरोप की भी हो रही जांच

रांची। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने सदर थाना प्रभारी लक्ष्मीकांत को लाइन हाजिर कर दिया है. बता दें कि दारोगा लक्ष्मीकांत का कथित तौर पर एक वीडियो वायरल हुआ था. जिसमें वो कोकर की पीड़िता मीना देवी व उनके परिजनों से अभद्र भाषा का प्रयोग करते दिख रहे हैं. इस मामले को कांग्रेस विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने सोमवार को सदन में उठाया था, जिसके बाद एसएसपी ने सदर थाना प्रभारी को लाइन हाजिर करने का निर्देश दिया है. सदर थाना प्रभारी लक्ष्मीकांत द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग करने से संबंधित मामले की जांच सदर डीएसपी संजीव कुमार बेसरा कर रहे हैं. बार मालिक से सदर थाना के एएसआई ने प्राथमिकी दर्ज करने के लिये 50 हजार रुपए और सदर डीएसपी के रीडर ने केस मजबूत करने के नाम पर एक लाख रुपए की मांग की है, जिसकी जांच सिटी एसपी कर रहे हैं. इन दोनों मामलों की निष्पक्ष जांच के लिए सदर थाना प्रभारी को तत्काल प्रभाव से पुलिस लाइन वापस किया गया है.

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा को लेकर चलाया जाएगा ट्विटर अभियान

रांची। जेएसएससी के माध्यम से आगामी समस्त परीक्षाओं को कदाचार मुक्त , सीजीएल परीक्षा में हुई पेपर लीक की सीबीआई जांच और समय पर परीक्षा कराने की मांग को लेकर झारखंड के समस्त छात्र और शिक्षकगण एक बार फिर से आर-पार के मूड में आ गए है. छात्रों ने सरकार और जेएसएससी को चेतावनी संदेश के रूप में दिनाक 29 फरवरी को वृहद ट्विटर अभियान रखा है. यह अभियान सुबह 10 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक चलेगा. इसमें झारखंड के समस्त छात्र और शिक्षक शामिल होंगे. छात्रों और शिक्षकों का कहना है कि इस ट्विटर अभियान का सिर्फ एक मकसद है कि सरकार और आयोग जल्द से जल्द सारी परीक्षाओं की तिथि प्रकाशित करे, जेएसएससी सीजीएल परीक्षा में हुई पेपर लीक की सीबीआई जांच का आदेश दे, साथ ही एक साफ सुथरी एजेंसी के माध्यम से परीक्षा का आयोजन यथाशीघ्र करायी जाए. अगर सरकार ऐसा करने में विफल होती है, तो जल्द समस्त छात्र एक राज्यव्यापी बहुत बड़ा छात्र आंदोलन चलाएंगे.

भाजपा ने पूर्व सीएम पर लगाया एससी-एसटी एक्ट के दुरुपयोग का आरोप

कोर्ट को गुमराह कर रहे हेमंत : प्रतुल

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने भाजपा कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूर्व सीएम हेमंत सोरेन पर जुबानी हमला किया. कहा कि पूर्व सीएम हेमंत सोरेन गलत बयानी कर कानून का दुरुपयोग और अदालत को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं. प्रतुल ने कहा कि ईडी ने पूर्व सीएम के दिल्ली वाले घर में छापेमारी के दौरान 36 लाख रुपये बरामद किया था.

इसके बाद 31 जनवरी को हेमंत सोरेन ने कहा कि बरामद पैसा उनका नहीं है. ईडी के अफसरों ने उन्हें सामाजिक रूप से बेइज्जत करने के लिए साजिश रची है. इसके बाद उनके आवेदन पर एससी-एसटी एक्ट के तहत ईडी अफसरों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज हो गया था. वहीं अब हेमंत सोरेन ने हाईकोर्ट में चल रहे मुकदमे में अपने आवेदन के प्वाइंट नंबर 108 में यू टर्न मार लिया है. कहा है कि उनके माता-पिता वृद्ध हैं. उन्हें दिल्ली में मेडिकल ट्रीटमेंट की जरूरत पड़ती है, इसलिए उक्त कैश मेडिकल इमरजेंसी से निपटने के लिए रखा गया था. उन्होंने यहां तक कह दिया कि जो कैश उनके बंगला से बरामद हुआ है, वह उन्हें झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से दान में प्राप्त हुआ है.

जुबानी हमला

- दिल्ली में मिले कैश पर दिए बयान से अदालत में पलटे
- पहले अनभिज्ञ बने, अब कह रहे– दान में मिली थी राशि

'पूरी तरह एक्सपोज हो गये हैं हेमंत सोरेन'

प्रतुल शाहदेव ने कहा कि एससी-एसटी केस में दिए गए आवेदन में बताए गए तथ्य और हाईकोर्ट में दिए गए आवेदन में आसमान जमीन का अंतर है. पहले तो हेमंत सोरेन इस कैश से किनारा करते हैं और बाद में उसको झामुमो से प्राप्त किया डोनेशन बताते हैं. ऐसा कर के वह एक्सपोज हो गए हैं. प्रतुल ने कहा कि अब तो इस विषय पर ईडी को और इनकम टैक्स को भी जांच करनी चाहिए कि आखिर झारखंड मुक्ति मोर्चा ने इतनी बड़ी राशि किस दिन हेमंत सोरेन को दी थी. भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि जाहिर तौर पर हेमंत सोरेन अपने बचाव में लगातार अपने स्टैंड से पलट रहे हैं और अपने दिए गए बयानों से ही मुकर रहे हैं. अब यह तो साफ हो गया है कि एससी-एसटी मामले में दिया गया उनका बयान बेबुनियाद था.

दहेज प्रताड़ना के आरोपी पर हाईकोर्ट सख्त

कोर्ट रूम से ही हिरासत में लेने का दिया गया निर्देश

संवाददाता। रांची

झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस राजेश कुमार की अदालत ने दहेज प्रताड़ना से जुड़े एक मामले में सुनवाई के दौरान आरोपी को कोर्ट रूम से ही हिरासत में लेने का आदेश दिया है. साथ ही आरोपी को संबंधित अदालत जहां उसका मामला लंबित है, वहां प्रस्तुत करने का निर्देश पुलिस को दिया गया है. इसके बाद हाईकोर्ट में प्रतिनियुक्ति डीएसपी ने आरोपी सत्यनारायण प्रसाद को हिरासत में ले लिया. आरोपी के खिलाफ देवघर के निचली अदालत ने कुर्की का भी आदेश दिया था और उसे भगोड़ा घोषित भी किया था.

दरअसल, वर्ष 2012 में देवघर टाउन पुलिस स्टेशन में आरोपी सत्यनारायण प्रसाद के खिलाफ 498 (ए) के तहत कांड दर्ज कराया गया था. इसके बाद उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया था. अदालत से आरोपी को दो माह की औपबंधिक जमानत की सुविधा प्रदान की थी. लेकिन वह उस सुविधा को पूरी होने के बाद से वह गायब था. आरोपी ने देवघर की निचली अदालत द्वारा उसके खिलाफ चलाई जा रही आपराधिक कार्यवाही को निरस्त करने के लिए झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी. झारखंड हाईकोर्ट ने उसकी याचिका खारिज कर दी थी. इसके बाद उसने हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दाखिल की थी. सुप्रीम कोर्ट से भी उसे राहत नहीं मिली थी. आरोपी ने फिर से देवघर के निचली अदालत में उसके खिलाफ दर्ज आपराधिक कार्यवाही को निरस्त करने को लेकर वर्ष 2023 में झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की.

इसकी सुनवाई हाईकोर्ट के जस्टिस राजेश कुमार की कोर्ट में हुई. प्रतिवादी की ओर से बताया गया कि निचली अदालत ने उसे फरार घोषित किया है. इसके बाद हाईकोर्ट के जस्टिस राजेश कुमार की अदालत से ही आरोपी को गिरफ्तार कर कस्टडी में लेने का निर्देश देते हुए उसे संबंधित कोर्ट में प्रस्तुत करने को कहा.

सदानों ने अधिकार मार्च में भरी हुंकार, राज्यपाल के नाम मांग पत्र सौंपा

अब माटी के लिए वोट देंगे सदान

खास बातें

- सदानों की बात करनेवाला ही झारखंड में राज करेगा : राजेंद्र
- झारखंड राज्य बनने के बाद छीने जा रहे सदानों के अधिकार

संवाददाता। रांची

मूलवासी सदान मोर्चा के तत्वावधान पर मंगलवार को मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका से अधिकार मार्च रैली के रूप में निकाली गई. इसका नेतृत्व केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने किया. रैली मोरहाबादी से तय मार्ग से होते हुए राजभवन के समक्ष पहुंच कर सभा में तबदील हो गई. सदान मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन में राज्यपाल के नाम अपनी मांगों से संबंधित 15 सूत्री ज्ञापन सौंपा.

ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि स्थानीय नीति को अंतिम सर्व 1964 के आधार पर परिभाषित किया जाए और नियोजन नीति स्थानीय नीति के आधार पर तय किया जाए, विधानसभा की सीट को 81 से बढ़ा कर 160 किया जाए, लोकसभा की सीट को 14 से बढ़ कर 28 किया जाए, सदान आयोग का गठन किया जाए, झारखंड पिछड़ा आयोग की अनुशंसा को लागू कर ओबीसी को 50 फीसदी आरक्षण झारखंड सरकार दे, सवर्ण को 10 फीसदी मिलने वाला आरक्षण झारखंड के मूलवासी सदन को दिया जाए, वर्ष 2024 से पहले विधान परिषद का गठन किया जाए, जिससे उन क्षेत्रों के मूलवासी सदानों को भी विधानसभा में प्रतिनिधित्व करने का मौका मिल सके. 2024 विधानसभा चुनाव से पहले झारखंड का परिसीमन एवं जातीय जनगणना की जाए आदि मांगे शामिल हैं.

केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य बने 23 वर्ष हो गए, लेकिन एक स्थानीय नीति सरकार नहीं बना पाई. उन्होंने कहा कि सदानों के शहादत से झारखंड राज्य मिला, लेकिन राज्य बनने के बाद भी मूलवासी सदानों के अधिकार छीने जा रहे हैं. इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. 2024 के विधानसभा चुनाव में मूलवासी सदान सत्ता किसे देंगे, वह अक्टूबर माह में तय होगा. उन्होंने कहा कि जो मूलवासी सदानों की बात करेगा, वहीं झारखंड में राज करेगा. सदान अब पार्टी के लिये नहीं माटी के लिये मतदान करेंगे. मौके पर क्षितिश कुमार राय, विश्वनाथ गोप आरती देवी, प्रभा देवी, कृष्ण सिंह, बहादुर नारायण सिंह,रवि प्रसाद, मेहरा खातून, मुमताज खान, किशोर गौंझू, सयुम अंसारी, महेश महतो ने भी अपने विचार रखे.

ऑपरेशन के बाद महिला मरीज की सेहत में सुधार

रिम्स निदेशक ने खुद ही किया ब्रेन ट्यूमर का सफल ऑपरेशन

संवाददाता। रांची

खास बातें

- डॉ. राजकुमार के नेतृत्व में रिम्स में किया गया ऑपरेशन
- पहले एसजीपीजीआई, लखनऊ जाना चाहती थीं महिला मरीज

रिम्स निदेशक डॉ राजकुमार द्वारा मंगलवार को 55 वर्षीय महिला के ब्रेन ट्यूमर का सफल ऑपरेशन किया गया. इटकी, निवासी कुंती देवी अपने ब्रेन ट्यूमर के ऑपरेशन के लिए एसजीपीजीआई, लखनऊ जाना चाहती थीं, परंतु जब उन्हें न्यूरो सर्जन डॉ. राजकुमार के रिम्स के निदेशक के तौर पर पदस्थापित होने की जानकारी मिली, तो वह स्वेच्छा से रिम्स में ऑपरेशन के लिए सहमत हुईं.

डॉ. राजकुमार रिम्स से जुड़ने से पहले एसजीपीजीआई, लखनऊ में न्यूरो सर्जरी के विभागाध्यक्ष थे. मरीज अभी चिकित्सकों की निगरानी में है और स्वस्थ होते ही उसे अस्पताल से जल्द छुट्टी दे दी जाएगी. डॉ राजकुमार के साथ टीम में न्यूरोसर्जरी विभाग के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. आनंद प्रकाश एवं सीनियर रेजिडेंट डॉ. दीपक और डॉ. संजीव ने सर्जरी में सहायता की.

एनेस्थीसिया टीम का नेतृत्व डॉ. एकरामुल हक, डॉ. सौरभ सुमन और डॉ. प्रभा ने किया.

साधा निशाना

चाईबासा सांसद ने कांग्रेस पर लगाया तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप

कांग्रेस अब भी न जागी, तो पूरी पार्टी डूब जाएगी: गीता

प्रमुख संवाददाता। रांची

चाईबासा की सांसद गीता कोड़ा के भाजपा के शामिल होने से सियासी बयानबाजी शुरू हो गयी है. सत्ता पक्ष के लोगों ने मधु कोड़ा पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा के पास वाशिंग मशीन है, वहां जाकर सभी साफ हो जाते है. इसे नकारते हुए गीता कोड़ा ने कहा कि अगर कोई गलत है, तो उसे सजा होगी. साथ ही कहा कि मधु कोड़ा पर चल रहे मुकदमों में अदालत ने क्लीन चिट दे दी है.

कांग्रेस का हाथ छोड़ भाजपा का दामन थामनेवाली कांग्रेस की इकलौती सांसद गीता कोड़ा ने पार्टी छोड़ने की कई वजहें गिनाई हैं.

उन्होंने कहा कि उन्हें बेहद सम्मान के साथ पार्टी में कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया, लेकिन बिना काम का. उन्होंने प्रदेश से लेकर केंद्र स्तर तक पार्टी संगठन को मजबूत बनाने के लिए कई काम किये, जो झारखंड के हित में थे. लेकिन पार्टी ने कभी इस पर संज्ञान नहीं लिया. उन्होंने कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का भी आरोप लगाया.

'हेमंत बाबू ने गलत किया, आदिवासियों को ठगा'

सांसद कोड़ा ने हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी पर कहा कि हेमंत बाबू ने गलत किया है. उन्होंने आदिवासियों का वोट लेकर उन्हें ठगने का काम किया है और सिर्फ अपने परिवार का विकास किया है.

'मजबूती से फैसला लेते हैं प्रधानमंत्री मोदी'

गीता कोड़ा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आदिवासी हितों की बात तो करती थी, लेकिन उस पर काम नहीं कर रही थी. प्रधानमंत्री मोदी की सराहना करते हुए कहा कि वे जिस तरह सभी मुद्दों पर मजबूती से फैसला लेते हैं, वो कबिले तारीफ है. आने वाले चुनाव में चाईबासा सीट पर दावेदारी के सवाल पर उन्होंने कहा कि भाजपा उन्होंने सिर्फ टिकट के लिए ज्वाइन नहीं किया है, बल्कि उन्हें भारतीय जनता पार्टी के कार्य करने का तरीका पसंद है. उन्होंने कहा कि अगर झारखंड और यहां के लोगों का कोई विकास कर सकता है, तो वो भारतीय जनता पार्टी ही है.

'सरना धर्म कोड पर राज्य सरकार ने सिर्फ स्टंट किया'

आदिवासियों की मांग को लेकर चाईबासा सांसद गीता कोड़ा ने कहा कि हम आदिवासी हैं और हम आदिवासियों के हित की बातों को आगे रखेंगे. कहा कि राज्य सरकार ने इस मामले में सिर्फ पब्लिक स्टंट किया था, जो सिर्फ कुछ समय के लिए सुनने में तो अच्छा लगा, लेकिन उसे धरातल पर उतारने का काम भारतीय जनता पार्टी करेगी. उन्होंने कांग्रेस पार्टी की खामियों को गिनवाया और लोकसभा चुनाव में 14 सीटों पर झारखंड और पूरे भारत में 400 सीट पर बीजेपी की जीत का दावा किया.

दो साइकलिस्ट का भारतीय हाई परफॉर्मेंस सेंटर के लिए चयन

संवाददाता ।रांची

झारखंड राज्य खेल प्रोत्साहन सोसाईटी (जेएसएसपीएस) के दो साइकलिस्ट नारायण महतो एवं सबीना कुमारी का चयन दिल्ली स्थित भारतीय हाई परफॉर्मेंस सेंटर के लिए हुआ है. उन्होंने 43वीं सीनियर और 30वीं जूनियर एशियाई ट्रैक साइकलिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण एवं रजत पदक हासिल किया है.

जेएसएसपीएस भारतीय हाई परफॉर्मेंस सेंटर देश का एक उच्च स्तरीय प्रशिक्षण केंद्र है, जहां अंतरराष्ट्रीय एवं ओलंपिक से संबन्धित प्रतियोगिता को ध्यान में रखकर प्रशिक्षण दिया जाता है. नारायण महतो एवं सबीना कुमारी का

प्रशिक्षण मार्च माह से शुरू होगा. जेएसएसपीएस के साइकलिंग प्रशिक्षक राम कुमार भट्ट ने जानकारी दी कि जूनियर विश्व साइकलिंग प्रतियोगिता के पहले हाई परफॉर्मेंस सेंटर में उच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे आगामी जूनियर विश्व साईकलिंग प्रतियोगिता जो चीन में आयोजित की जाएगी.

एयरपोर्ट कंट्रोलर हत्याकांड में अमन चंद दोषी करार

रांची। अपर न्यायायुक्त एमसी झा की अदालत ने मंगलवार को एयरपोर्ट कंट्रोलर सोनू मरांडी की हत्या मामले की सुनवाई करते हुए अभियुक्त अमन चंद को दोषी पाया है. साथ ही उसकी सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए सात मार्च की तारीख निर्धारित की है. एयरपोर्ट रोड पर दिनदहाड़े कार को गलत मार्ग पर मोड़ने से मना करने पर एयरपोर्ट कंट्रोलर की हत्या कर दी गई थी. अभियुक्त मूलतः हजारीबाग जिला के यशवंतनगर निवासी है. घटना को 28 मई 2022 को अंजाम दिया गया था. मामले को लेकर मृतक हिनू खोरमटोली निवासी एयरपोर्ट कंट्रोलर सोनू मरांडी की पत्नी अनस्तासिया मुर्मू ने एयरपोर्ट थाने में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी. एयरपोर्ट पुलिस ने 3 जून 2022 को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in बुधवार 28 फरवरी 2024 ● फाल्गुन कृष्ण पक्ष 04 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 311 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

शिबू सोरेन ने हमलोगों को बेहतर संस्कार दिया है

झामुमो की संकल्प सभा में भाजपा को सबक सिखाने का कार्यकर्ताओं ने लिया संकल्प

साजिश के तहत हेमंत को भेजा गया जेलः चंपाई

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड आदिवासी मूलवासियों का है. रांची ही नहीं, बोकारो, धनबाद और जमशेदपुर की जमीन भी आदिवासी मूलवासियों की है. आदिवासी और मूलवासियों के हजारों एकड़ जमीन पर कब्जा है. यह मोदी सरकार को नहीं दिख रहा. सिर्फ 8 एकड़ जमीन की बात हो रही. जिसका खाता बही नहीं. कहीं भी हेमंत सोरेन का नाम नहीं है. फिर भी एक षडयंत्र के तहत युर्वा सम्राट और हेमंत सोरेन को जेल भेज दिया गया. 2024 के चुनाव में इसका जवाब देंगे. उक्त बातें सीएम चंपई सोरेन ने पुराने विधानसभा मैदान में कही. वे झामुमो के संपल्प रैली को संबोधित कर रहे थे. आदिवासियों के साथ हो रहे अन्याय व हेमंत को जेल भेजने के खिलाफ संकल्प सभा का आयोजन किया गया था.

चंपाई ने कहा कि यहां डबल इंजन सरकार थी. जिसने हाथी उड़ाया.नौकरी के नाम पर युवकों का धोखा दिया. आदिवासियों की संपत्ति को लूटने का काम किया. ऐसी पार्टी, जिसने हमारे नेता को जेल भेजा, उसे सबक सिखाने का समय आ गया है. बीजेपी बहरूपिया पार्टी है. हमसब संकल्प लें कि उस पार्टी को जीतने नहीं देंगे. चुनाव में 14 सीटों पर महागबंधन को जिताने का काम करेंगे.

हमारे बच्चे नहीं पढ़ें, इसलिए बंद कर दिया 5000 स्कूल : सीएम ने कहा कि भाजपा शिक्षा, महंगाई, बेरोजगारी पर बात नहीं करती. क्योंकि कभी भी इस पर काम किया ही नहीं. इनकी सोच थी कि हमारे बच्चे पढाई नहीं करे, तभी तो 5000 स्कूल को बंद कर दिया. जब हेमंत की सरकार बनी, तो आदिवासी-मूलवासियों के लिए योजनाएं शुरू हुईं. आज हमारे बच्चे विदेशों में पढ़ने जा रहे है. हेमंत को काम का कम समय मिला. सरकार बनी, तो दो साल कोरोना रहा. इसके बाद काम शुरू हुआ, रोजगार मिलने लगा, शिक्षा का स्तर सुधरा, तो ये भाजपा को अच्छा नहीं लगा. हेमंत को जेल भेज दिया. हम भी मांग करते है कि केंद्र सरकार आदिवासियों की जमीन, खनिज संपत्ति वापस करे. ऐसे लोगों से सतर्क रहना है. आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को सबक सिखाना है.

खाता न बही, ईडी जो कहे, बस वही सही : मिथिलेश

मंत्री मिथलेश ठाकुर ने कहा कि खाता न बही, ईडी जो कहें, वहीं सहीं. इसी आधार पर हमारे नेता को जेल भेजा गया. एक साजिश के तहत ऐसा किया गया. हम दिल्ली में जाकर कहेंगे कि लालकिला मोदी का है, तो क्या मोदी को ईडी गिरफ्तार करेगी. लेकिन झारखंड में बिना किसी सबूत के ही हेमंत सोरेन को ईडी दोषी बता रही है. उन्होंने कहा कि हमें भगवान ने बनाया. मगर एक आदमी है, जो प्रचार कर रहा है वह धरती पर राम लला को लाया है. आमलोग परेशान है. जीएसटी और नोटबंदी से आमलोगों को कोई फायदा नहीं हुआ. मोदी सरकार को सबक सिखाने, हमारे नेता को जिसने जेल भेजा, उसको सबक सिखाने का संकल्प लें. रैली को मंत्री दीपक बिरूआ, मंत्री हफीजुल हसन, विधायक बैजनाथ राम सहित कई नेताओं ने संबोधित किया. मंच से पार्टी नेताओं ने लोगों का आभार व्यक्त किया, जो दो दिन की नोटिस में ही संकल्प रैली में शामिल होने के लिए भारी संख्या में उपस्थित हुए.

चंपाई ने कहा कि जीवनभर आदिवासियों के नेता शिबू सोरेन ने जमीन की लड़ाई लड़ी. महाजनी प्रथा का विरोध किया. आदिवासी कैसे आगे बढ़ें, इसके लिए काम किया. उनके पुत्र को जमीन के मामले में फंसा कर जेल भेज दिया. सीएम ने कहा कि जनता ने हेमंत को सरकार बनाने का मौका दिया. इससे भाजपा डर गई. जब से हेमंत की सरकार बनी थी, तभी से उसको अस्थिर करने का काम किया जाता रहा. बात नहीं बनी, तो सोची समझी साजिश करके हमारे नेता को जेल में डाल दिया. हेमंत जबतक जेल से बाहर नहीं आ जाते, हमलोगों का संकल्प पूरा नहीं होगा. चंपाई ने कहा कि हेमंत को बेवजह परेशान किया जाता रहा. झारखंड हमारे पूर्वजों के बलिदान की धरती है. यह भगवान बिरसा और तिलका मांझी की धरती है. इसके बाद भी आदिवासियों और मूलवासियों को बंधक बना कर रखने का काम किया गया. जब हेमंत आदिवासी, मूलवासी की आवाज बने, तो उनकी आवाज को भी दबाने का काम किया गया.

वर्चस्व की जंग : गो सेवा आयोग में दोनों पक्षों ने रखी अपनी बात, आम सभा पर बनी सहमति

रांची गौशाला न्यास का चुनाव स्थगित

राजन बॉबी। रांची

रांची गौशाला न्यास का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है. गौशाला के पूर्व पदाधिकारियों द्वारा न्यास के वर्तमान पदाधिकारियों पर लगाए गए मनमानी के आरोप को गंभीरता से लेते हुए गो सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन ने दोनों पक्षों को आयोग के समक्ष पक्ष रखने को कहा. अध्यक्ष की पहल पर न्यास के और उनपर सवाल उठा रहे लोग अपराह्न 3 बजे आयोग कार्यालय हटिया पहुंचे. तीन घंटे की मैराथन बैठक में एक पक्ष ने 135 लोगों की सदस्यता का मामला उठाया. दोनों पक्षों ने अपने-अपने तर्क रखे. इससे पहले पूर्व सचिव के पक्ष की ओर से गौशाला में मनमानी व जमीन बिक्री सहित अन्य मामलों को लेकर कोर्ट में वर्तमान पदाधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज करा दिया गया है. ललित पोद्दार की मानें, तो मामले में बुधवार को सुनवाई की भी तिथि तय की गयी है. आयोग के अध्यक्ष ने दोनों पक्षों को के बाद चुनाव स्थगित कर आमसभा कराने व उसमें सारे विवाद सलटाने को कहा. अध्यक्ष ने दोनों पक्षों को आमसभा कराने के लिए रजामंद किया. न्यास के चेयरमैन रतन जालान ने कहा कि बुधवार को होनेवाला चुनाव स्थगित कर दिया गया है, लेकिन दिन के 11 बजे से मान्या पैलेस में आमसभा होगी.

न्यास का कार्यकाल दिसंबर 2023 में ही हो चुका है पूरा : रांची गौशाला न्यास का कार्यकाल दिसंबर में ही पूरा हो गया था. नया चुनाव नहीं हो सका है. अब आमसभा के बाद ही नये चुनाव की संभावना है. इससे पूर्व 2021 में न्यास का चुनाव कराया गया था.

पहले 4 फरवरी को चुनाव की घोषणा हुई थी : गौशाला न्यास का चुनाव पहली दफा 4 फरवरी को होना था, लेकिन सदस्यता पर उठे सवाल के बाद टाल दिया गया. जब चुनाव स्थगित हुआ तो न्यास के कई लोगों ने एक-एक कर वाट्स एप ग्रुप में इस्तीफा दे दिया था. बाद में उपाध्यक्ष रतन जालान ने अध्यक्ष पद की जिम्मेवारी संभाल ली थी. न्यास की ओर से रतन जालान को आमसभा, चुनाव कराने से लेकर न्यास से संबंधित अन्य जिम्मेवारियां सौंपी गयी थीं.

पूर्व पदाधिकारियों के खेमे ने सिविल कोर्ट में भी केस दर्ज कराया

आज दिन के 11 बजे से मोरहाबादी के मान्या पैलेस में होगी आमसभा

सदस्यता पर पूर्व व वर्तमान पदाधिकारियों में नोंकझोंक

उधर कागजात के साथ आयोग के अध्यक्ष के समक्ष अपना पक्ष रखा. वहीं न्यास ने कहा कि गलत प्रक्रिया के तहत सदस्य बनाये गये था. सदस्यता को ले जो तर्क दिये, दूसरे पक्ष ने विरोध किया. दोनों पक्षों में इस पर नोंकझोंक भी हुई. पूर्व पदाधिकारियों ने सदस्यता को जायज ठहराते हुए सदस्यता शुल्क की रसीद अध्यक्ष को सौंपी. बताया कि शुल्क बैंक खाते में जमा भी हो चुका है. यदि मौजूदा पदाधिकारी सदस्यता प्रक्रिया को गलत ठहरा रहे हैं, तो फिर उनका सदस्यता शुल्क कैसे जमा लिया गया. यदि प्रक्रिया ही गलत थी, तो संविधान के तहत तत्काल शुल्क मद में ली गयी राशि वापस क्यों नहीं कर दी गयी. हालांकि इस पर न्यास के पदाधिकारी कोई ठोस जवाब नहीं दे पाये.

पूर्व की कमेटी ने ही सदस्यता पर लिया था फैसला

अपना पक्ष रखते हुए ज्योति बजाज ने बताया कि 135 लोगों को न्यास का आजीवन सदस्य बनाया गया था. अध्यक्ष को बताया कि तब कार्यकारिणी के 9 में से पांच सदस्यों ने नए लोगों को लाइफ मेंबर बनाने का फैसला लिया था. बहुमत पर पैसला हुआ. इस पर तत्कालीन अध्यक्ष ने भी सहमति जता दी थी. ऐसे में इन 135 सदस्यों की सदस्यता पर सवाल उठाना उचित नहीं. यदि कोई संशय है, तो उसे दूर करें. लेकिन ऐसा न कर वर्तमान पदाधिकारी चुनाव कराने पर आमादा हैं, जो कही से भी उचित नहीं.

आखिर सदस्यता से क्यों दरकिनार रखा गया

इसका विरोध करते हुए ज्योति बजाज ने कहा कि कैसे गौशाला न्यास के लाइफ मेंबर को सदस्यता से वंचित रखते हुए उन्हें उनके अधिकार से आखिर क्यों वंचित रखा जा रहा. इनमें से 25 को सदस्यता दी गयी, लेकिन बाकी के 110 लोगों को किस बिना पर वंचित रखा गया. पिक एंड चूज के आधार पर सदस्यता पर फैसला लिया, जो कही से जायज नहीं. पूर्व सचिव ने सवाल उठाये कि जब 25 लोगों को सदस्यता दी गयी, तो बाकी के लोगों को सदस्यता से आखिर किस बिना पर दरकिनार कर दिया गया.

बिना आमसभा किए ही चुनाव कराना बिल्कुल गलत बात

पूर्व सचिव ज्योति बजाज सहित अन्य ने बिना आम सभा किए चुनाव कराने को गलत ठहराया. कहा कि पहले आमसभा होनी चाहिए थी. फिर सर्वसम्मति से चुनाव होना चाहिए था. इस पर आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने दोनों पक्षों के लोगों से चुनाव स्थगित कर आपसी सहमति से आमसभा कराने को कहा. दोनों पक्षों ने इस पर रजामंदी भी जतायी. देर रात चुनाव स्थगित कर मोरहाबादी स्थित मान्या पैलेस में आमसभा कराने की घोषणा कर दी गयी.

चुनाव की घोषणा हुई पर सदस्यता पर चुप्पी

पहले 4 फरवरी को न्यास का चुनाव कराने की घोषणा हुई, तो ज्योति बजाज, ललित पोद्दार ने 135 सदस्यों की सदस्यता का मामला उठाया. पोद्दार बोले- 2 फरवरी को उन्होंने रतन जालान से फोन पर 135 सदस्यों की सदस्यता का मामाला उठाया. बताया कि कुछ सदस्य उनके पास पहुंचे थे और बता रहे थे कि न्यास में उनकी सदस्यता नहीं है.

जब बात नहीं सुनी, तो एसडीओ के पास गए

ललित पोद्दार का कहना है कि जब रतन जालान ने 135 लोगों की सदस्यता के सवाल पर चुप्पी साधे रखी, तो उनलोगों ने सदर एसडीओ के पास मामले की शिकायत की. साथ ही कोतवाली थाने में भी आवेदन देकर मामले की शिकायत की. ललित के अनुसार, एसडीओ व कोतवाली के थानेदार ने रतन जालान को आपस में बैठ कर सदस्यता का विवाद सलटाने को कहा था.

गौशाला न्यास समिति के पदाधिकारियों ने कहा-आरोप निराधार

आरोप न लगाएं, गो सेवा कर जीवन धन्य करें : किशोरी

ट्रस्टी किशोरी लाल चौधरी ने कहा कि गौशाला न्यास समिति पर लगाया जा रहा आरोप निराधार है. गौशाला सामाजिक संस्था है. यहां राजनीति करने के बजाय गो सेवा कर जीवन धन्य करना चाहिए. ट्रस्ट का कार्य और फैसला पूरी तरह से पारदर्शी होता है. इसपर उंगली उठाना जायज नहीं है. राजकुमार केडिया को जमीन बेचकर ट्रस्टी बनाये जाने पर उन्होंने कहा कि यह भी सभी की सहमति से हुआ है. इसमें किसी तरह की धांधली नहीं हुई है. उस जमीन से गौशाला को किसी तरह का फायदा नहीं हो रहा था, कई अड़चने भी थीं, इस कारण जमीन बेच दी गयी.

गौशाला से पुराना जुड़ाव है : सुरेशचंद्र अग्रवाल

सुरेशचंद्र अग्रवाल ने कहा कि गौशाला से पुराना जुड़ाव है. गौशाला न्यास समिति के पदाधिकारियों को सामने आकर वस्तुस्थिति स्पष्ट करनी चाहिए. गो सेवा आयोग में बैठक के बाद घंटों गुजर गया है, लेकिन अब तक सोशल मीडिया ग्रुप में न्यास के पदाधिकारियों व कर्ताधर्ता की ओर से किसी भी तरह की कोई भी जानकारी साझा नहीं की गयी है. इससे असमंजस की स्थिति है.

चुनाव पर तकरार करना उचित नहीं :राजकुमार टिबड़ेवाल

ट्रस्टी राजकुमार टिबड़ेवाल ने कहा कि देश संविधान से चलता है, किसी के कहने मात्र से नहीं. ठीक इसी तरह गौशाला न्यास समिति भी संविधान के अनुरूप ही कार्य करती है. कोई भी फैसला यों ही नहीं लिया जाता. इसके लिए आम सहमति बना कर तमाम प्रकिया पूरी की जाती है. विरोधी पक्ष के लोग जो भी आरोप लगा रहे हैं, वह सरासर गलत है. जहां तक 135 सदस्यों की बात है, ट्रस्ट ने बैठक कर उनकी सदस्यता रद्द की थी,किन्हीं एक-दो लोगों ने मनमाने ढंग से इस पर फैसला नहीं लिया था.

जिन्हें कभी सरोकार नहीं रहा, उन्हें ही बना दिया ट्रस्टी

गौशाला न्यास समिति के क्रियाकलाप पर अब लोग दबे-छुपे मुखर होने लगे हैं. न्यास से जुड़े कुछ लोगों ने नाम न छापने का आग्रह करते हुए बताया कि न्यास के ट्रस्टी तो बात संविधान फॉलो करने की करते हैं, पर अंदर ही अंदर कुछ और खेल कर दिया जाता है, जो हास्यस्पद है. राजकुमार केडिया और सतीश तुलस्यान ने कभी गौशाला से सरोकार नहीं रखा, फिर भी उन्हें ट्रस्टी बना दिया गया. कई लोग वर्षों से योगदान दे रहे हैं. गौशाला के हित में मजबूत स्तंभ बन कर खड़े रहते हैं, पर उन्हें ट्रस्टी नहीं बनाया जाता.

आज जारी होगा नया टैरिफ महंगी हो जाएगी बिजली दर

विशेष संवाददाता। रांची

विद्युत नियामक आयोग 28 फरवरी को वित्तीय वर्ष 2023-24 का नया बिजली टैरिफ जारी करेगा. दोपहर 1.30 बजे आयोग अपने कार्यालय में इसकी घोषणा करेगा. मालूम हो कि उक्त वित्तीय वर्ष के लिए जेबीवीएनएल के प्रस्ताव पर आयोग ने अपनी सारी औपचारिकताएं पूरी कर ली है. जनसुनवाई और सलाहकार परिषद की बैठक करके प्रक्रिया पूरी कर ली है.

जेबीवीएनएल का यह है प्रस्ताव : जेबीवीएनएल ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए घरेलू कंज्यूमरों के लिए प्रति यूनिट 2.30 रूपया बढ़ाने का प्रस्ताव आयोग को दिया था. वर्तमान में शहरी घरेलू कंज्यूमरों का बिजली दर 6.30 रुपये प्रति यूनिट है. जिसे बढ़ाकर 8.60 रुपये करने का प्रस्ताव जेबीवीएनएल ने दिया है. यह दर 400 यूनिट से अधिक खपत करने वालों के लिए है. जबकि जबकि 100 से 400 यूनिट तक खर्च करने वाले कंज्यूमरों के लिए 7.60 प्रति यूनिट करने का प्रस्ताव है. मालूम हो कि पूर्ववर्ती हेमंत सरकार 100 यूनिट तक खपत करने वाले बिजली कंज्यूमरों को फ्री बिजली योजना दे रही है. वहीं वर्तमान चंपाई सोरेन सरकार ने इसे 100 से बढ़ाकर 125 यूनिट खपत तक फ्री करने की घोषणा की है. जिसे आयोग अपने बिजली टैरिफ में दर्शा सकता है. हालांकि यह आयोग पर निर्भर करता है कि वह जेबीवीएनएल के प्रस्ताव पर कितना प्रतिशत तक बिजली दर बढ़ाएगा. आयोग नया टैरिफ जारी करने के पहले एक बार ऑनआफिशयल तरीके से सरकार से राय-मशवरा करता है. सरकार के निर्देश पर ही अंततः आयोग अंतिम रूप से कोई फैसला लेता है.

हेमंत सत्र में भाग लेंगे या नहीं, फैसला आज

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री और बरहेट के विधायक हेमंत सोरेन के द्वारा उन्हें विधानसभा ने बजट सत्र में शामिल होने की अनुमति मांगे जाने से संबंधित याचिका पर हाईकोर्ट बुधवार को फैसला सुनाएगा. अदालत ने फैसले की तिथि निर्धारित कर दी है. सोमवार को हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. हेमंत सोरेन ने रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ़ मनी लाउंड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें उन्हें बजट सत्र में शामिल होने की अनुमति देने से इंकार कर दिया था. हाईकोर्ट के जस्टिस सुजीत नारायण की बेंच में इस मामले की सुनवाई हुई. हेमंत की ओर से वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल, पियूष चित्रेश और श्रेय मिश्रा ने बहस की. वहीं ईडी की ओर से एएसजीआई एस वी राजू ने हेमंत सोरेन की याचिका का विरोध किया.

4 आईएएस बदले, अक्षय बने जेपीएससी के सचिव

रांची। राज्य सरकार ने चार आइएएस का तबादला कर दिया है. जेपीएससी के सचिव पद पर तैनात चंद्र किशोर उरांव को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक नागरिक सुरक्षा आयुक्त बनाया गया है. स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता में अपर सचिव के पद पर तैनात अक्षय कुमार सिंह को स्थानांतरित करते हुए जेपीएससी का सचिव बनाया गया है. परियोजना निदेशक, समेकित जनजाति विकास अभिकरण, साहिबगंज के पद पर तैनात सुनील सिंह को स्थानांतरित करते हुए अपर सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की जिम्मेवारी सौंपी गई. डीडीसी खूंटी नीतीश कुमार सिंह को स्थानांतरित करते हुए निदेशक, अंकेक्षण निदेशालय, वित्त विभाग, में पदस्थापित किया गया है. सिंह अगले आदेश तक अपने कार्यों के साथ निदेशक, पेंशन एवं लेखा निदेशालय, वित्त विभाग के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे. कार्मिक विभाग ने इसे लेकर आदेश जारी कर दिया है.

समस्या गर्मी देनेवाली है दस्तक, लेकिन पेयजल की समस्या का निदान नहीं

अरगोड़ा टुगरी टोला की बड़ी आबादी को चाहिए पानी

रेहान अहमद। रांची

गर्मी आने को है. पेयजल संकट गहराने लगा है. अरगोड़ा टुंगरी टोला में 5 हजार की आबादी रहती है. इसके लिये सरकारी पहल पर 4 मिनी एचवाईडीटी एवं आधी आबादी को सप्लाई कनेक्शन दिया गया है. लेकिन सप्लाई पानी मिलने का कोई इंतजाम नहीं हुआ है. इलाके में पानी का टैंकर भी बहुत कम आता है. जिससे सभी को पानी भी नसीब नहीं हो पाता है. जल संकट हल के लिए पूरे क्षेत्र में पानी सप्लाई का कनेक्शन देने की सख्त जरूरत है. इस ओर ध्यान देने की जरूरत है.

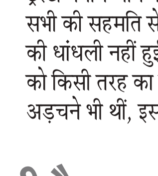

पानी जीवन का अहम हिस्सा, निगम को ध्यान देने की जरूरत : सुशील

सुशील तिग्गा ने कहा कि क्षेत्र की पूरी आबादी में सप्लाई पानी का कनेक्शन नहीं बिछाया गया है. यह एक बड़ी परेशानी है. इस ओर ध्यान देने की जरूरत है. यदि पूरी आबादी में सप्लाई का कनेक्शन मिल जाये तो तेज गर्मी में भी पानी की परेशानी से राहत मिल पायेगी. इसलिए नगर निगम को इस ओर भी ध्यान देने चाहिये. क्योंकि लोगों के जीवन का अहम हिस्सा पानी भी है.

अभी तो मिल रहा पानी, पर गर्मी में होगी परेशानी : रवि

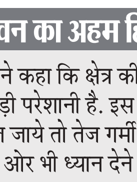

रवि तिग्गा ने कहा कि पानी का कनेक्शन नहीं है. हर साल तेज गर्मी में जल संकट गहराने लगता है. नगर निगम को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है. मिनी एचवाईडीटी से भी सभी को पानी पूरा नहीं पड़ पता है. गर्मी के दिनों में सुबह उठते ही सबसे पहले पानी की ही चिंता सताती है.

कहां से मिलेगा पानी सोच कर डर लगता है : अनिल

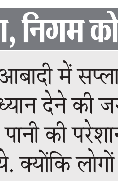

अनिल टोप्पो ने कहा कि नगर निगम द्वारा लगाया गया मिनी एचवाईडीटी से पानी रोजाना भर लेते हैं. अभी तो सभी को पानी पूरा पड़ जा रहा है. लेकिन गर्मी आते ही पानी की किल्लत गहराने लगती है. पानी की परेशानी का ख्याल भी दिल में आता है तो डर जाते हैं कि आगे आने वाली गर्मी में क्या होगा.

सूरत-ए-हाल राजधानी के इरगू टोली से रोड नं. 3 में जाने के लिए रास्ता नहीं

एक साल से ठप पानी टंकी ने बढ़ायी लोगों की चिंता

संवाददाता। रांची

गर्मी शुरू होने में अब चंद दिन ही शेष रह गए हैं. ऐसे में पानी की किल्लत को लेकर लोग अभी से ही चिंतित नजर आ रहे हैं. राजधानी रांची के वार्ड नम्बर 27 अंतर्गत श्रीनगर मोहल्ले के रोड न. 3 में विधायक कोष से बनी पानी की टंकी पिछले एक वर्ष से बंद पड़ी है. स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर पानी टंकी पुनः चालू नहीं की गई तो गर्मी शुरू होते ही लोग पानी के लिए तरस जाएंगे.

जान जोखिम में डालकर बिजली पोल के सहारे नाला पार करते हैं लोग

होली के बाद शुरू होती है पानी की किल्लत : पुष्पा : स्थानीय निवासी पुष्पा देवी ने बताया कि होली के बाद से ही पानी की किल्लत शुरू हो जाती है. लगभग 25 से 30 दिनों बाद पानी की समस्या शुरू हो जाएगी.

समस्या का निदान नहीं : तारो : तारो देवी ने बताया कि विधायक कोष से पानी टंकी का निर्माण कराया गया था, लेकिन पिछली गर्मी से ही टंकी बंद पड़ी है.

पानी के लिए डेढ़ किलोमीटर चलना पड़ता है पैदल : गोपाल वर्मा : गर्मी में पानी लाने के लिए एक से डेढ़ किमी पैदल चलना पड़ता है. जिससे लोगों को भारी परेशानी होती है.

आवागमन के लिए बिजली का पोल ही सहारा : फूला देवी : श्रीनगर निवासी फूला देवी ने बताया कि इरगू टोली मैदान से रोड नम्बर तीन तक पहुंचने के लिए नाले के ऊपर रखे बिजली के पोल का सहारा लेना पड़ता है. बरसात के दिनों में नाले का गंदा पानी ऊपर तक भर आता है, जिसके बाद आवागमन के लिए रास्ता पूरी तरह बंद हो जाता है.

ब्रीफ खबरें

मिट्टी के लगे ढेर से राहगीर परेशान

सिल्ली/मुरी। रांची पुरुलिया मुख्य पथ पर यूनियन बैंक के समीप संवेदक के द्वारा नाली निर्माण कार्य किया गया. तकरीबन एक माह पूर्व ही नाली निर्माण का कार्य संवेदक के द्वारा खत्म कर दिया गया परंतु संवेदक के द्वारा मिट्टी के ढेर को अभी तक हटाया नहीं गया. जिससे आने-जाने वाले राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. बताते चलें की मिट्टी के ढेर के समीप भगत सिंह चौक तथा यूनियन बैंक की शाखा भी स्थित है. ग्रामीण बताते हैं कि आए दिन कोई ना कोई राहगीर गिरता हैं चोट लगती रहती है.

कमेटी के प्रदेश सचिव बने रंजीत कुमार सिंह

डकरा। एंटी करप्शन एंड क्राइम कंट्रोल कमिटी द्वारा झारखंड प्रदेश कमेटी का विस्तार करते हुए संस्था के संस्थापक सह राष्ट्रीय अध्यक्ष राजलाल सिंह पटेल ने डकरा निवासी रणजीत कुमार सिंह को पुनः प्रदेश सचिव के पद पर मनोनीत किया है. एक माह के अंदर प्रदेश कमेटी एवं सभी जिला में जिला कमेटी तथा विधि प्रकोष्ठ की कमिटी गठित करने का निर्देश दिया गया है . रंजीत को अब्दुल्ला अंसारी, विनय सिंह, हरेन्द्र सिंह, के अलावे मोहन सिंह, राजेश केसरी, लखन सिंह, प्रवीण यादव, मनोहर केसरी आदि ने बधाई दी.

राहे में 12 एकड़ में लगी पोस्ते की फसल नष्ट की

राहे। जोजोटोली गांव के आसपास के जंगल में एसएसबी सताकी कैम्प और अनगड़ा पुलिस के 12 एकड़ में लगे पोस्ते की खेती को नष्ट किया . इस दौरान ग्रामीणों के बीच नशे से दूर रहने को लेकर जागरूकता चलायी गयी. अभियान में ए कम्पनी के कमांडर शशि कुमार,सहायक उपनिरीक्षक अश्वनी कुमार, हरदीप सिंह, तथा अनगड़ा थाना के एएसआई सतेन्द्र कुमार सिंह और अन्य जवान इस अभियान में शामिल थे.

प्रबंध निदेशक ने सीएचओ व एएनएम के कार्यों को देखा

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के अन्तर्गत नेहालु पंचायत के आयुष्मान आरोग्य मन्दिर, रोगाडीह पतरा टोली में टीआरआईएफ दिल्ली की टीम द्वारा भ्रमण किया गया. इस अवसर पर टीआरआईएफ के प्रबंध निदेशक ने सीएचओ तथा एएनएम के कार्यों को देखा और उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं सेवाओं की प्रशंसा किया. प्रबंध निदेशक ने एचडब्ल्यूसी के क्षेत्र में स्वास्थ्य सुधार, बदलाव तथा बेहतर बनाने के आवश्यक टिप्स दिए. इस मौके पर मुखिया ने कहा कि कम संसाधन में अच्छी सेवा बहुत बहुत अच्छी पहल है, भविष्य में ये केन्द्र आवश्यक संसाधन एवं सेवा से परिपूर्ण होगा. ताकि लोगों को खास कर महिलाएं एवं बच्चों को लाभ मिल सके.

कोयलांचल के वुशु खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया

डकरा। रांची खेलगांव में पांच दिवसीय 7 वां फेडरेशन कप वुशू प्रतियोगिता में कोयलांचल के वुशू खिलाड़ियों उत्कृष्ट प्रदर्शन किया. इस प्रतियोगिता में चतरा जिला के 11 खिलाड़ियों ने ने विभिन्न स्पर्धाओं में भाग लिया. जिसमें अंकित कुमार ने एक स्वर्ण, दो रजत पदक, शिवम उरांव ने एक स्वर्ण, एक कास्य पदक, ललन यादव ने स्वर्ण पदक, रोहित कुमार ने एक रजत पदक और डॉली कुमारी और कुसुम कुमारी ने एक एक कास्य पदक जीत कर झारखण्ड राज्य वुशू खेल के श्रेणी मे ओवर आल चैम्पियन बनाने में 3 स्वर्ण, 3 रजत और 3 कास्य पदक का योगदान दे कर अपने राज्य को गौरवान्वित किया.

बिरहोर टोला में ग्राम सभा का आयोजन

खलारी। खलारी प्रखंड अंतर्गत लपरा पंचायत के महुवाटांड़ बिरहोर टोला में ग्राम सभा का आयोजन किया गया.अध्यक्षता ग्राम प्रधान हरि पहान ने किया. समेकित जनजाति विभाग अभिकरण रांची अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के पत्रांक 133/ आइटीडीए के आदेशानुसार आयोजित ग्राम सभा मे मुख्य रूप से कल्याण पदाधिकारी गोपाल रामदास उपस्थित थे. सभा में महुवाटांड़ बिरहोरटोला में पेवर ब्लॉक पथ, शौचालय, पियाऊ सहित अन्य सभी सरकारी योजनाओं से जोड़ने का प्रस्ताव लाया गया.

सिमडेगा में पुलिस टीम पर हमला, कई घायल

भारी बवाल : शराब बेचने से मना किया, तो लोगों ने पुलिस पर ही कर दिया हमला

संवाददाता। सिमडेगा

सिमडेगा में अवैध शराब के खिलाफ अभियान पर निकले पुलिस बल पर हमला हुआ है. इसमें कई पुलिस कर्मी घायल हो गये हैं. मिली खबर के मुताबिक मंगलवार को जिले की जलडेगा पुलिस लम्बोई गांव में लगे साप्ताहिक बाजार में गश्ती पर गयी थी. पुलिस को बाजार में कुछ लोग शराब बेचते हुए दिखाई दिए. पुलिस दल ने बाजार में शराब बेचने से इन लोगों को मना किया. लेकिन इसके बाद शराब विक्रेताओं ने ही पुलिस को ही घेर लिया. देखते ही देखते बाजार में मौजूद अन्य लोग भी वहां जमा होने लगे. कुछ देर की बहस के बाद लोगों ने पुलिस पर हमला कर दिया.

घायल पुलिसकर्मी अस्पताल में एडमिट

लोगों ने लाठी, सैंडल आदि से पुलिस पर हमला किया. लोगों ने पुलिस को खदेड़ कर भगा दिया. पुलिस वहां से किसी जान बचा कर जलडेगा पहुंची. जलडेगा अस्पताल में घायल पुलिस कर्मियों का इलाज किया जा रहा है. बताया गया कि जलडेगा थाना प्रभारी शशि शेखर और एसआई महेश को गंभीर चोटें आई हैं. पुलिस के सीनियर अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं.

भ्रष्टाचार के खिलाफ लोगों ने प्रखंड कार्यालय के समक्ष दिया धरना

संवाददाता। नामकुम

प्रखंड सह अंचल कार्यालय के मुख्य द्वार के समीप मंगलवार को प्रखंड कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर आदिवासी मूलवासी संघर्ष समिति ने धरना दिया.जाति, आवासीय, आय प्रमाण पत्र समय से नहीं बनना पंजी 2 में आनलाइन प्लॉट चढ़ाने में मोटो रकम की मांग, अबुआ आवास में गड़बड़ी, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र समय पर नहीं बनना एवं मनरेगा योजना में सही समय पर मजदूरों का भुगतान नहीं होना शामिल है. मौके पर, मुखिया नन्हे कच्छप,52 पडाह अध्यक्ष प्रदीप तिर्की , ग्राम प्रधान लक्ष्मण लकड़ा, ग्राम प्रधान मोगो भगत,राजू लकड़ा, अंजू लकड़ा आदि शामिल थे.

रामराज मंदिर के नाम पर रैयतों की जमीन हड़पने का लगाया आरोप

बाघमारा विधायक के खिलाफ रैयतों का बेमियादी धरना शुरू

- विधायक की बात नहीं सुनने पर तरह -तरह से प्रताड़ित किया जा रहा है
- विधायक महतो रामराज मंदिर के नाम पर हम रैयतों की जमीन हड़पना चाहता है

संवाददाता। धनबाद

बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो के अत्याचार से परेशान चीटाही धाम के 8 रैयतों ने मंगलवार से रणधीर बर्मा चौक पर अनिश्चित कालीन धरना शुरू कर दिया है. इससे पूर्व रैयतों ने बाघमारा विधायक के खिलाफ राज्य के मुख्यमंत्री, धनबाद उपायुक्त, एसएसपी और एसडीएम से लिखित शिकायत की थी, जिसमें रैयतों ने विधायक ढुल्लू महतो पर रामराज मंदिर के नाम पर रैयतों की जमीन हड़पने, ग्रामीणों के साथ शोषण करने व अत्याचार का आरोप लगाते हुए 27 फरवरी तक न्याय दिलाने की मांग की थी. आवेदन पर कोई सुनवाई नहीं होने पर मंगलवार से रैयत अनिश्चित कालीन धरना शुरू कर दिया है.धरने पर बैठे पीड़ित सुनीति कुमारी ने कहा कि विधायक ढुल्लू महतो के खिलाफ आखिरी सांस तक आंदोलन जारी रहेगा. क्योकि हम रैयतों की लड़ाई न्याय की मांग को लेकर है. विधायक राम राज मंदिर के नाम पर हम रैयतों की जमीन हड़पना चाहता है. विधायक की बात नहीं सुनने पर तरह तरह से प्रताड़ित किया जा रहा है. जिससे पूरे परिवार की भविष्य अधर में लटक गई है. रोजी रोजगार पर आफत आ गयी है. अब लड़ कर मरने के अलावा हमारे पास दूसरा कोई रास्ता नही बचा है. क्योकि मामले की लिखित जानकारी राज्य के मुख्यमंत्री और जिला प्रसासन के वरीय अधिकारियों के देने के बावजूद विधायक पर कोई कार्यवाई नही हुई.

क्या कहते हैं पीड़ित

वहीं पीड़ित रजनी देवी, विकास महतो, नीरा देवी, जितनी देवी, सुरेश महतो, विकास महतो, अशोक माहतो ने कहा कि विधायक द्वारा बनाया गया चिटाही स्थित रामराज मंदिर प्रांगण के बाहर हम रैयतों का पुश्तैनी जमीन है. जहां हमलोग दुकान लगा कर अपनी रोजी रोटी चलाते हैं. जिसे विधायक के द्वारा जबरन मंदिर ट्रस्ट को दान करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है. नहीं देने पर विधायक द्वारा दुकान के आगे तिरपाल से घेर दिया गया है, दुकान और घर का बिजली भी कटवा दिया गया है, रास्ता बंद कर दिया गया है. विधायक की इस दबंगई, शोषण एवं अत्याचार के कारण हम लोगों का आर्थिक स्थिति अत्यंत खराब हो गया है. हम लोग अपनी दिनचर्या के जरूरत को पूरा करने में असमर्थ हो गए हैं. हम लोगों के समक्ष भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है. जिसके कारण हम सभी रैयत न्याय की मांग को लेकर अनिश्चित कालीन धरना पर बैठ गए है.

उज्जवला योजना के लाभुकों से अवैध वसूली का आरोप

संवाददाता। नामकुम

सोदाग पंचायत का एक प्रतिनिधिमंडल भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर और समाजसेवी गणेश तिग्गा के नेतृत्व में मंगलवार को नामकुम बीडीओ से मुलाकात किया . पंचायत में केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के नए लाभुकों से नया गैस कनेक्शन देने के एवज में अवैध वसूली का आरोप लगाया. प्रतिनिधिमंडल में शामिल पीड़ितों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को बताया कि तुपुदाना चौक स्थित इंडेन गैस एजेंसी के कर्मचारियों के द्वारा उज्जवला गैस के लाभुकों को नया गैस कनेक्शन देने के एवज में 500 जबरन वसूली की गई,साथ ही एजेंसी के कर्मचारियों ने लाभुकों को पैसा नहीं देने पर गैस कनेक्शन नहीं देने की धमकी भी दी . कहा कि पहले नगद पैसा जमा करो उसके बाद गैस कनेक्शन लो . जब लाभुकों ने 500 लेने का वजह पूछा तो कोई संतुष्टि जनक जवाब नहीं मिल पाया. साथ ही गैस रिफिल करने में भी सरकारी दर से ज्यादा पैसा लिया जाता है.साथ ही कई ऐसे लाभुक भी थे. प्रतिनिधिमंडल में समाजसेवी गणेश तिग्गा, खिजरी के उपमुखिया सुजीत सिन्हा, बेला एक्का, सुका खाखा, एंजेला खाखा, कुइली खाखा, आरती देवी, चारिया गाड़ी, मरियम खाखा, सुगिया खोया, जतरी गाड़ी, बसंती केरकेट्टा, सुनीता देवी, मिनी केरकेट्टा, आलोका देवी, रंथु उरांव समेटबकई भुक्तभोगी महिला उपस्थित थे.

विकास योजनाओं में अनियमितता का आरोप

बुढ़मू। भाजपा के पिठोरिया मंडल उपाध्यक्ष अर्जुन महतो व ग्रामीणों ने उरुगुट्टू पंचायत में संचालित विकास योजनाओं में अनियमितता का आरोप लगाते हुए अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा है. ज्ञापन उपायुक्त, उपविकास आयुक्त, जिला पंचायत पदाधिकारी व बीडीओ को सौंपा गया है. ज्ञापन में आरोप लगया गया है कि पंचायत में संचालित मनरेगा योजनाओं, 15वीं वित्त आयोग, अबुआ आवास योजना समेत अन्य योजनाओं में पंचायत के जनप्रतिनिधि दलालों के माध्यम से लाभुकों से अवैध वसूली कर रहे हैं. ग्रामीणों के अनुसार मनरेगा के योजनाओं के चयन व भुगतान में भी वसूली चरम पर है. मामले पर कांके बीडीओ विजय कुमार ने कहा कि मामला मेरे संज्ञान में है जांचोपरांत दोषियों पर कारवाई किया जायेगा.

कोरम के अभाव में प्रमुख के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव निरस्त

संवाददाता। ओरमांझी

कोरम के अभाव में ओरमांझी प्रखंड प्रमुख के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को निरस्त कर दिया गया. ओरमांझी प्रखंड प्रमुख अनुपमा देवी के खिलाफ पिछले दिनों लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर मंगलवार को रांची सदर अनुमंडल पदाधिकारी के ऑफिस में हुई कारवाई के दौरान कोरम पूरा नहीं होने पर अविश्वास प्रस्ताव गिरा. अनुपमा देवी ओरमांझी प्रखंड प्रमुख बनी रहेंगी. इसकी जानकारी होते ही ओरमांझी प्रखंड के भाजपा कार्यकर्ताओं, समर्थकों व ग्रामीणों ने खुशी का इजहार करते हुए गाजे बाजे के साथ शास्त्री चौक ओरमांझी से जुलूस निकाला व आतिशबाजी करते हुए ओरमांझी प्रखंड मुख्यालय पहुंचे. समर्थकों के साथ प्रखंड प्रमुख अनुपमा देवी ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए .

सांसद ने गुरुकुल में चार कमरे के निर्माण का किया शिलान्यास

संवाददाता। सिल्ली/मुरी

सांसद संजय सेठ ने कुटाम, मुरी स्थित भक्ति वेदांत गुरुकुल में चार कमरे का शिलान्यास विधिवत पूजा पाठ एवं नारियल फोड़कर किया. मौके पर सांसद संजय सेठ ने कहा कि गुरुकुल में सीसीएल के सीएसआर फंड के तहत 56 लाख की लागत से चार कमरे का निर्माण कराया जाएगा. कमरे के निर्माण होने से कमरे की जो कमी थी वो पूरी हो सकेगी. गुरूकूल से मेरा अन्याश्रय संबंध है जब भी आता हूं शांति की अनुभूति होती है. यहां के विकास के लिए आगे भी मैं बढ़ चढ़ कर हिस्सा लूंगा. कुटाम स्थित गुरुकुल आने वाले समय में यह राज्य का सबसे बेहतरीन अध्यात्मिक केंद्र होगा. उन्होंने कहा कि गुरुकुल हमारी वैदिक परम्परा है. मौके पर संस्थापक दास गदाधर दास, भाजपा ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष विनय महतो धीरज, मंडल अध्यक्ष विनोद साहू, चित्तरंजन महतो, , विजय दास, करूणा अवतार गौर दस, भद्रांग दास, स्तोक कृष्ण दास, व्रजनन्द दास आदि मौजूद थे.

टंडवा एसडीपीओ को मांग पत्र सौंपा गया

पिपरवार। ग्रामीण ट्रक ऑनर एसोसिएशन पिपरवार क्षेत्र का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को टंडवा एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार से मुलाकात किया. इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने एसडीपीओ श्री बरवार को ट्रक मालिकों की विभिन्न समस्याओं से संबंधित ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन के माध्यम से एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने पिपरवार क्षेत्र में तय किये गये भाड़ा का भुगतान और स्थानीय विस्थापित प्रभावित ट्रक मालिकों को प्राथमिकता देने की मांग की गई है. सोसिएशन के प्रतिनिधियों ने कहा कि पूर्व में जो भाड़ा तय किया गया था उसे आज तक भुगतान नहीं किया गया है, जिसके कारण ट्रक मालिकों को महंगाई के इस दौर में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. इस दौरान एसडीपीओ श्री बरवार ने इस पर साकारात्मक पहल करने का भरोसा दिया. इस मौके पर विजय कुमार महतो, महेंद्र गंझू, अर्जुन गंझु, अमर कुमार महतो,प्रेम कुमार ठाकुर, राजकुमार गंझु, लियाकत अंसारी,इदरीश अंसारी, रचित गंझु सहित कई लोग मौजूद थे.

जिम्मेवारियों के प्रति उदासीनता तेजी से बढ़ रही : सच्ची

बेड़ो। छोटानागपुर सांस्कृतिक संघ के तत्वावधान में बेड़ो प्रखंड के पंचायतों में आठ दिवसीय "बाल संरक्षण एवं विकास" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया . इस कार्यशाला में कुल 240 अभिभावकों ने भाग लिया विभिन्न पंचायतों से आये अभिभावक समूह के सदस्यों को अभिभावकीय कौशल, किशोर न्याय अधिनियम 2015, पोक्सो कानून 2012, श्रम कानून, बाल विवाह निषेध अधिनियम व डिजिटल सुरक्षा के आलोक में जानकारी दी गयी . उपस्थित सदस्यों को बालकों के देख- भाल सम्बन्धी कौशल के विभिन्न पहलुओं की जानकारी देते हुए समुदाय द्वारा अपनाये जाने वाले सुरक्षा - उपायों को ज्यादा कारगर माना गया . अभिभावकों ने चिंता जतायी कि किशोर वय बालकों में शीघ्र – सम्बन्ध बनाने, यौन – सम्बन्ध एवं नशापान की समस्या गंभीर रूप ले रही है . उच्च शिक्षा में छीजन की दर बढ़ रही है, वहीं बच्चे स्मार्ट फोन व मोटर बाइक के लिए मजदूरी करना पसंद कर रहे हैं .

खास बातें

- कार्यशाला में कुल 240 अभिभावकों ने भाग लिया
- विशेष कौशल व जागरूकता बच्चों के लिए आवश्यक

छोटानागपुर सांस्कृतिक संघ की सचिव डॉ. सच्ची कुमारी ने पैनल चर्चा के दौरान प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया और कहा कि बदलते परिवेश में भौतिक लोलूपता के कारण नैतिक जिम्मेवारियों के प्रति उदासीनता तेजी से बढ़ रही है, इस समय विशेष कौशल एवं जागरूकता, बच्चों के परवरिश के लिए आवश्यक है . कानून एवं योजनायें भी इस बात को मजबूत बनाती हैं . इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था की सचिव सचि कुमारी, कार्यक्रम समन्यवक अर्चना आईन्द, मोनिका गाड़ी, अर्चना आईन्द, रामप्रकाश ठाकुर, नैंसी जर्मिना तिर्की, करमी कुमारी, जुली कुमारी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया.

भविष्यनिधि और पेंशन दावा को लेकर प्रशिक्षण दिया गया

पिपरवार। फरवरी माह से सेवानिवृत होनेवाले कोयला कामगारों और कंपनी के अधिकारियों के भविष्य निधि और पेंशन दावा किए जाने को लेकर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया.सी केयर पोर्टल के माध्यम से कोल इंडिया के सभी परियोजनाओं से भेजे दावा प्रपत्र भेजे को लेकर कोल इंडिया द्वारा पूरे कंपनी में चार कार्मिक अधिकारियों को नामित किया गया. जिसमें मगध, आम्रपाली, एन के एरिया, राजहरा एव पिपरवार क्षेत्र के अधिकारियों को प्रशिक्षण दिए जाने को लेकर नामित किया गया . प्रशिक्षण में मुख्य रूप से मगध संघमित्रा क्षेत्र से कार्मिक व प्रशासनिक अधिकारी एस के चौबे, संजीव कुमार वरीय प्रबंधक कार्मिक राजहरा, नागेश कुमार गोपाल कार्मिक व प्रशासनिक अधिकारी पिपरवार, मानिक कुजूर, रवि बाड़ा, आकाश वरुण कुल्लू सहित अन्य अधिकारी वह कर्मचारी उपस्थित थे. कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन नागेश गोपाल द्वारा किए जाने के पश्चात समापन किया गया.

उद्घाटन 740 एकलव्य आवासीय विद्यालय खोलने हैं, देशभर में 413 विद्यालय बन कर तैयार हो चुके हैं

एकलव्य आदर्श विद्यालयों में 30 हजार शिक्षकों की होगी बहाली: मुंडा

- पहले किसानों को सरकार से किसी तरह का कोई लाभ ही नहीं मिलता था, अब मिल रहा

संवाददाता। नोवामुंडी

केंद्रीय जनजातीय मंत्री और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री अर्जुन मुंडा ने सोमवार देर शाम को 18 करोड़ रुपए की लागत से तोड़ेतोपा गांव के निकट नवनिर्मित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का उद्घाटन फिता काटकर व दीप जला कर किया. केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि भारत सरकार की जन जातिय मंत्रालय से देशभर में 740 एकलव्य आवासीय विद्यालय खोलने की योजना है. जिसमें से पश्चिमी सिंहभूम के तांतनगर, मंझारी और नोवामुंडी का नवनिर्मित भवन का उदघाटन हो चुका है. अबतक देशभर में 413 एकलव्य विद्यालय बन चुका है. बताया कि इन स्कूलों में पढ़ाई शुरू करने के लिए दस हजार शिक्षकों की बहाली हो चुकी है.आने वाले समय में और 30 हजार शिक्षकों की बहाली शुरू करने के लिये संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है. स्कूलों में छठवीं कक्षा से बारहवीं कक्षा तक पढ़ाई करने वाले सभी छात्रों को खेल से जोड़ा जाएगा. एकलव्य विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों के लिए खर्च होने वाले राशि भारत सरकार वाहन करेगी. यहां पढ़ने वाले छात्रों को छात्रवृत्ति भी मिलेगी. ये लोग एकलव्य विद्यालय से पढ़ाई कर निकलने वाले छात्रों को विदेश में भी पढ़ाने के प्रावधान बने हैं. पहले के दौर में एकलव्य विद्यालय में नामंकन के लिए 240 छात्रों को पढ़ाने की क्षमता थी.अब उसे बढ़ा कर छात्रों की संख्या 840 कर दी गई है. पहले किसानों को सरकार से किसी तरह की कोई लाभ नहीं मिलता था.

अब भाजपा वाले केंद्र सरकार में प्रत्येक किसानों के खाते में सीधे धनराशि जमा हो रही है. मौके पर उप विकास आयुक्त, जगन्नाथपुर एसडीओ मुकेश मछुआ,नोवामुंडी बीडीओ अनुज वांडो,जनप्रतिनिधियों में प्रखंड प्रमुख पूनम गिलुवा,महुदी पंचायत मुखिया लक्ष्मी देबी के अलावा भाजपा नेताओं में अशोक पान, प्रखंड अध्यक्ष चंद्रमोहन ग़ोप आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थी.

सुदेश महतो ने चोकाहातू में सड़क का किया शिलान्यास

संवाददाता। सोनाहातू

विधायक सुदेश महतो ने मंगलवार देर शाम को सोनाहातू प्रखंड के चोकाहातू गांव में ग्राम सड़क योजना के तहत चोकाहातू से सितुमडीह तक 4 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य तथा 3 किलोमीटर कोडाडीह-सालगाडीह -जिलिंगसेरेंग सड़क का आधारशिला रखी. दोनो सड़क निर्माण कार्य को 2 करोड़ 78 लाख से बनाया जायेगा.इस दौरान विधायक फंड से 16 लाख 18 हजार से पीसीसी, मुरुम सड़क और स्नान घाट निर्माण कार्य का शिलान्यास किये. शिलान्यास समारोह को सम्बोधित करते हुए विधायक सुदेश महतो ने कहा कि गांव में शिक्षा और स्वास्थ्य पर गुणात्मक सुधार किया जा रहा है. शिक्षा को लेकर हाई स्कूल और मिडिल स्कूल में स्मार्ट क्लास, स्टूडेंट्स बस सेवा, लाइब्रेरी आदि की सुविधा दिया जा रहा है. स्वास्थ्य को लेकर हर पंचायत में स्वास्थ्य उपकेंद्र को विकसित किया जा रहा है.हर घर मे शुद्ध पेयजल पहुंचाने का काम किया जा रहा है.

रांची के बरियातू में 'सिद्धार्थ लोटस' का भूमि पूजन कल

संवाददाता। रांची

अमविशा रियल इस्टेट के बहु प्रतिक्षित लग्जरियस प्रोजेक्ट की भव्य लॉन्चिंग गुरुवार को होगी. यह जानकारी अमविशा रियल इस्टेट के मैनेजिंग डॉयरेक्टर अमरेश झा ने दी. उन्होंने बताया कि सिद्धार्थ लोटस अत्याधुनिक जीवन शैली की सभी सुविधाओं से परिपूर्ण चेशायर होम रोड, बरियातू, रांची में अवस्थित है. यह प्रोजेक्ट रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से 18 किमी, रांची रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड से पांच किलोमीटर की दूरी पर है. अच्छे स्कूल, रिम्स अस्पताल, जिमखाना क्लब, खेलगांव, मेन मार्केट सभी निकटतम दूरी पर है. इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी खूबी इसके निर्माण में ग्रीन बिल्डिंग तकनीक का प्रयोग है, जो सामान्यतः मेट्रो सिटीज के भवन निर्माण में प्रयोग किया जाता है. इससे भवन की मजबूती भी बहुत उम्दा एवं पर्यावरण अनुकूल होती है. भवन निर्माण में अत्याधुनिक तकनीक और वास्तु के नियमों का खास ध्यान रखा जाएगा. झारखंड के प्रसिद्ध आर्किटेक्ट राजीव चड्ढा ने सिद्धार्थ लोटस की डिजाइनिंग की है. इन अत्याधुनिक तकनीकों के प्रयोग और आधुनिक जीवन शैली की सभी सुविधाओं से परिपूर्ण इसकी कीमत को प्रबंधकों ने बहुत ही रिजनेबल रखा है. यह प्रोजेक्ट रांची नगर निगम एवं रेरा से एप्रूव्ड है और इसे एनजीटी का भी क्लीयरेंस प्राप्त है. प्रबंध निदेशक अमरेश झा ने आगे बताया कि प्रोजेक्ट के इच्छुक ग्राहकों को प्रमुख बैंकों एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक के साथ लोन फाइनेंस कराने की भी सुविधा उपलब्ध है.

बता दें कि सिद्धार्थ लोटस में 3 एवं 4 बीएचके फ्लैट के साथ-साथ प्रीमियम क्वालिटी के पेंटहाउस भी उपलब्ध होंगे. झारखंडवासी अपने बजट और अपनी आवश्यकता अनुसार किसी भी साइज का फ्लैट बुक कर सकते हैं. प्रबंधकों ने बताया कि इस प्रोजेक्ट में 70 प्रतिशत ओपेन स्पेस एरिया, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, जिम्नेजियम, जोगिंग ट्रैक, क्लब एवं स्वीमिंग पूल, स्पोर्ट्स बार और कैफेटेरिया, इनडोर गेम्स, गार्डेन, किड्स प्ले एरिया, योगा एंड मेडिटेशन सेंटर आदि सभी अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद रहेंगी.

उम्दा क्वालिटी के लिए प्रतिबद्ध है सिद्धार्थ लोटस

अमविशा रियल इस्टेट के मैनेजिंग डॉयरेक्टर अमरेश झा ने आगे कहा कि सिद्धार्थ लोटस अपने उम्दा क्वालिटी और समय पर डिलीवरी के लिए प्रतिबद्ध है. इस अवसर पर कंपनी के कई पदाधिकारी अजय कुमार सिंह,मीनाक्षी झा, अनुज वत्स, बीपी सिंह, यूपी सिंह, विनोद कुमार पटेल, सुनील कुमार, कुमार गौतम, पंकज कुमार, सत्यम कुमार, पूजा मौजूद थे. इच्छुक ग्राहक 8271985000 और 9939167506 पर संपर्क कर सकते हैं. वेबसाइट है: www.amvisha.com

दुकानों में काले झंडे लगा कर किया अधिक वसूली का विरोध

संवाददाता। रांची

धुर्वा स्थित एचईसी साप्ताहिक बाजार में निर्धारित रेट से ज्यादा शुल्क वसूले जाने के खिलाफ फुटपाथ विक्रेता संघ के दुकानदारों ने अपनी-अपनी दुकानों के समक्ष काला झंडा लगाकर विरोध जताया. वार्ड नम्बर 39 के पूर्व पार्षद वेद प्रकाश ने बताया कि शुल्क वसूली के लिए एचईसी द्वारा निर्धारित रेट चार्ट के बजाय ठेकेदार मनमाने ढंग से वसूली कर रहा है.

दुकानदारों ने बताया कि ठीकेदार 30 रुपये के बदले 300 और 100 के बदले 1000 रुपये तक का शुल्क वसूल रहा है. धुर्वा थाना में इसकी शिकायत के बावजूद थाना प्रभारी ने अब तक इस मामले में कोई सुध नहीं ली. दुकानदारों ने आरोप लगाया कि थाना प्रभारी ने पक्षपात पूर्ण रवैया अपनाते हुए अवैध वसूली के खेल पर पाबंदी नहीं लगाई. इसके विरोध में धुर्वा सेक्टर 2, सेक्टर 3, जेपी मार्केट व शालीमार बाजार के प्रत्येक फुटपाथ दुकानदार ने अपनी दुकान पर काला झंडा लगाया.

मशाल जुलूस कल, शुक्रवार को बंदी : अवैध वसूली के विरोध में दुकानदारों ने गुरुवार को मशाल जुलूस निकालने का फैसला किया है, जबकि शुक्रवार को बंद का आह्वान किया गया है. स्कूल और बस स्टैंड छोड़कर क्षेत्र के सभी दुकानदारों से दुकानें बंद रखने की अपील की गई है.

राष्ट्रपति का दौराः तैयारियों को दिया गया अंतिम रूप

राष्ट्रपति आज रांची में, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, कारकेड रिहर्सल

संवाददाता। रांची

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के बुधवार को रांची आगमन को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है. राष्ट्रपति की सुरक्षा को लेकर आईपीएस,डीएसपी सहित 2000 फोर्स की तैनाती कार्यक्रम स्थल सहित पूरे रूट पर की गई है. मंगलवार को पुलिस के वरीय अधिकारियों के द्वारा राष्ट्रपति के कारकेड का रिहर्सल किया गया. रांची एयरपोर्ट से लेकर कारकेड मनातू स्थित सेंट्रल यूनिवर्सिटी तक पहुंचा. जिसका जायजा वरीय अधिकारियों ने लिया और जरूरी निर्देश दिये.

सुरक्षा में तैनात अफसरों और जवानों को ब्रीफ किया गया : एसएसपी की अध्यक्षता में राष्ट्रपति की सुरक्षा में तैनात अफसरों और जवानों को ब्रीफ किया गया. राष्ट्रपति की सुरक्षा में तैनात जवानों को निर्देश दिया गया है कि वह अपनी ड्यूटी के प्रति सजग रहें. जिस रूट लाइन से राष्ट्रपति का काफिला गुजरेगा, वहां पूरी तरह से पुलिसकर्मी को सतर्क रहने को कहा गया है. काफिले के रास्ते में पड़ने वाले सभी ऊंची इमारतों पर पुलिस के स्नाइपर जवानों को तैनात किया गया है.

सीयूजे के तीसरे दीक्षांत समारोह की तैयारियां पूरी

रांची। झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह के लिए तैयारी पूरी कर ली गई है. तीसरे दीक्षांत समारोह मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू होंगी. विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास के नेतृत्व में सारी तैयारी सुनिश्चित कर ली गयी है. कार्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा अलग-अलग कमिटियों का गठन किया गया है. इसके साथ ही सुरक्षा व्यवस्था भी पुष्ट है. सुरक्षा को लेकर एक पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को सीयूजे मनातू परिसर में बैठक कर जहां सुरक्षाकर्मियों को सुरक्षा से संबंधित हर तरह की जानकारी दी. राष्ट्रपति के आगमन को लेकर केवल विश्वविद्यालय कैंपस में आंतरिक स्तर पर ही नहीं बल्कि बाह्य स्तर पर भी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं. मनातू स्थिति विवि कैंपस में सड़कों का निर्माण भी कर दिया गया है. तीसरे दीक्षांत समारोह में चीन छात्रों को चांसलर मेडल, 58 छात्रों को गोल्ड मेडल और 29 पीएचडी की डिग्री प्रदान दी जाएगी.

राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था में किया गया बदलाव

रांची। 28 फरवरी बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के रांची के सीयूजे में कार्यक्रम को लेकर ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया गया है. जिसकी जानकारी रांची ट्रैफिक एसपी राज कुमार मेहता ने दी. इसमें कहा गया है कि 28 फरवरी को बिरसा मुंडा हवाई अड्डा, हिनू चौक, बिरसा चौक, एचईसी गेट, धुर्वा गोलचक्कर, वीर कुंवर सिंह चौक, धुर्वा डैम, सर्वेश्वर नगर सेम्बो, दलादली चौक, हाजी चौक, टेण्डरग्राम होते हुए मनातू स्थित केन्द्रीय विश्वविद्यालय तक और फिर केन्द्रीय विवि से टेंडरग्राम, हाजी चौक, दलादली चौक, सेम्बो, सर्वेश्वर नगर, बिरसा चौक, हिनू चौक से होते हुए बिरसा मुण्डा हवाई अड्डा तक सामान्य यातायात पर सामयिक पाबंदी लगायी जाएगी.

ऐसी रहेगी रांची नगर की यातायात व्यवस्था

- कारकेड के आगे बढ़ने के उपराना पिछले रास्तों / चौक को आवश्यकता आधारित समायान्तर पर सामान्य यातायात के लिए पुनः खोल दी जाएंगी.
- हवाई यात्रियों को बिरसा मुण्डा हवाई अड्डा पहुँचने व हवाई अड्डा से अपने गंतव्य तक जाने के लिए अतिरिक्त 1 (एक) वैकल्पिक मार्ग को चिन्हित किया गया है.
- शालीमार बाजार-एटीएस के मख्य द्वारा-प्रनात तारा मैदान - जेएससीए स्टेडियम-धुर्वा चौक -धुर्वा बस स्टैंड धुर्वा डैम पतरा टोली-बालालींग रिंग रोड
- नयासराय, दलादली चौक, हाजी चौक, टेण्डरग्राम होते हुए मनाततू चौक से आईटीबीपी से बॉये स्थित केन्द्रीय विश्वविद्यालय, झारखण्ड, मनातू रांची
- 28 फरवरी को मनातू स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय, रांची से टेण्डरग्राम, आईटीबीपी से होते हुए तिलता चौक हाजी चौक, दलादली चौक, ललगुटवा-नयासराय-बालालॉग सेम्बो, शहीद मैदान, बिरसा चौक, हिनू चौक एवं बिरसा मुण्डा अंतरराष्ट्रीय विमानपत्तन तक सामयिक अंतराल पर बंद करते हुए आवश्यकतानुसार कारकेड बढ़ने पर खोल दिये जाएंगे.

पसमांदा महाज का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिला, ज्ञापन सौंपा

संवाददाता। रांची

अल्पसंख्यक समुदाय के कल्याण से जुडे.बोर्ड- निगम का गठन करने एवं अन्य मुद्दों को लेकर मंगलवार को अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन के नेतृत्व में झारखंड राज्य पसमांदा मुस्लिम महाज का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से मिला. मुलाकात कर उन्होंने मांग पत्र सौंपा. मांग पत्र के माध्यम से कहा गया कि अपने अधिकार व समुचित विकास के लिए झारखंड के आदिवासी, मूलवासी, दलित, मुस्लिम एवं पिछड़ा वर्गों ने एक उम्मीद के साथ महागठबंधन सरकार के लिए एकजुट होकर वोट किया था, लेकिन राज्य में महागठबंधन सरकार गठन के चार वर्ष होने के बाद भी अबतक घोषणा पत्र में किये गए वादे पूरे नहीं किये गये हैं. झारखंड राज्य हज कमेटी, झारखंड राज्य वक्फ बोर्ड, ऊर्दू अकादमी, मदरसा बोर्ड, माइनॉरिटी फाईनेंस कार्पोरेशन का गठन अबतक नहीं हुआ है, झारखंड सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा झारखंड राज्यकृत प्रारंभिक विद्यालय शिक्षक प्रोन्नति नियमावली 2024 में इंटरमीडिएट प्रशिक्षित एवं स्थानक प्रशिक्षित सहायक शिक्षक एवं ऊर्दू सहायक शिक्षक के पद को मरणशील कर दिया गया है. प्रतिनिधिमंडल में महाज के हाजी जाकिर हुसैन, नौशाद आलम अंसारी, मेराज अहमद, मास्टर सिद्दीक शामिल थे.

सरना प्रार्थना सभा ने निकाला विरोध मार्च, किया पुतला दहन

संवाददाता। रांची

राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा की रांची महानगर शाखा समिति के तत्वावधान में मंगलवार को जयपाल सिंह स्टेडियम से अलबर्ट एक्का चौक तक विरोध मार्च सह पुतला दहन कार्यक्रम किया गया. मालूम हो विगत कुछ दिनों पूर्व सदर थाना प्रभारी लक्ष्मीकांत द्वारा मानवता को शर्मसार करने वाली घटना को अंजाम दिया गया. इनके द्वारा आदिवासी लोगों के साथ अभद्र व्यवहार एवं जाति सूचक शब्द का प्रयोग किया गया था, जिससे आदिवासी समाज की भावना आहत हुई है. विरोध मार्च जयपाल सिंह स्टेडियम से अलबर्ट एक्का चौक तक किया गया. अलबर्ट एक्का चौक में थाना प्रभारी का पुतला दहन किया गया. विरोध मार्च में सदर थाना प्रभारी को नौकरी से बर्खास्त करो का नारा गूंज रहा था. मौके पर महानगर अध्यक्ष चम्पा कुजूर ने कहा कि कानून के रखवालों द्वारा ऐसे व्यवहार से आदिवासी समाज का भरोसा कानून और न्याय से उठता जा रहा है. समिति, सरकार एवं पुलिस प्रशासन से मांग करती है कि ऐसे थाना प्रभारी को बर्खास्त करे, ताकि कोई इस तरह की पुनरावृत्ति न करे. पुतला दहन में तानसेन गाड़ी, दुर्गा उरांव, करमा तिग्गा, अर्जुन गाड़ी, दीपक तिग्गा, पुनिया कुजूर, संध्या कुजूर, सुको भगत, मांगा उरांव, अनिता टोप्पो, मनोज केरकेट्टा आदि शामिल थे.

न्यूज अपडेट

आजसू ने रांची विवि के परीक्षा भवन में जड़ा ताला

रांची। रांची विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग के कामकाज पर प्रश्न उठाते हुए आजसू छात्र संघ ने परीक्षा भवन के बाहर ताला जड़ दिया. इस तालाबंदी का नेतृत्व आजसू छात्र संघ के रांची विश्वविद्यालय के अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला ने की. स्नातक सेमेस्टर 2 की परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि को बढ़ाने के आश्वासन के बाद ताला खोला गया. अभिषेक शुक्ला ने कहा कि रांची विश्वविद्यालय की कार्य शैली के कारण यहां के छात्र-छात्राएं हमेशा परेशान रहते हैं. मामला यूजी सत्र 22–26 के छात्र छात्राओं से जुड़ा हुआ है. विश्वविद्यालय में हाल ही में नोटिफिकेशन जारी किया गया था कि बिना इंटरनल मार्क्स के परीक्षा फॉर्म नहीं भरने दिया जाएगा.

परिवार नियोजन के लिए दिया गया प्रशिक्षण

रांची। नगर निगम द्वारा वार्डों में संचालित हो रही अर्बन हेल्थ एवं वेलनेश सेन्टर में परिवार नियोजन से संबंधित सुविधा उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र पर कार्यरत सभी चिकित्सक एवं स्टाफ नर्सों के लिए मंगलवार को सहायक लोक स्वास्थ्य पदाधिकारी, डॉ. आनन्द शेखर झा की अध्यक्षता में प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में सदर अस्पताल के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अनभी द्वारा अंतरा (एमपीए) एवं छाया से संबंधित पावरप्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया. साथ ही पीएसआई इंडिया के प्रणव कुमार झा द्वारा तकनीकी बातें बताई गईं.

चंद्रशेखर आजाद की पुण्यतिथि मनाई गई

रांची। राष्ट्रीय जयहिंद पार्टी के तत्वावधान में मंगलवार को देश के क्रांतिकारी अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की 118 वीं पुण्यतिथि मनायी गयी. पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष बबन चौबे तथा पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने लाइन टैंक रोड स्थित अमर शहीद आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किये. इस अवसर पर पार्टी के झारखंड प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह भी मौजूद थे. इस कार्यक्रम में दिनेश्वर पांडे, भगवान राय, मुकेश वर्मा, सनीम अंसारी, तौफीक आलम, श्रीकांत ठाकुर एवं अन्य पदाधिकारी मौजूद थे.

महादेव मंदिर हिनू से निकलेगी शिव बारात

रांची। रांचीः हिनू स्थित शिवपूरी कॉलोनी के महामृत्युंजय महादेव मंदिर समिति की ओर से 8 मार्च को महाशिव रात्रि के दिन प्रभु भोलेनाथ की बारात निकाली जाये. समिति के अरविंद उपाध्याय ने बताया कि शिव जी का बारात हर्षोउल्लास के साथ हिनू शिवपूरी कॉलोनी से होते हुए हिनू क्षेत्र भ्रमण कर वापस मंदिर परिसर लौटेगी. जहां माता पार्वती संग भगवान शिव जी का विवाह संपन्न होगा. कहा कि इस दौरान श्रद्धालुओं को मानसिक और शारीरिक शीतलता की अभिभूति प्राप्त होगी. शिव मंदिर और इसके आस-पास के क्षेत्रों को फूलों तथा विद्युत सजा से सजाया जायेगा.

मोमिन कांफ्रेंस महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष बनीं रेशमा

रांची। झारखंड प्रदेश मोमिन कांफ्रेंस महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष पिरुटोला निवासी रेशमा बेगम को मनोनीत किया गया है. कांफ्रेंस के राष्ट्रीय

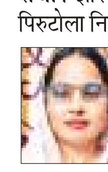

अध्यक्ष फिरोज अहमद अंसारी की मंजूरी के बाद प्रदेश अध्यक्ष आबिद अली ने इस संबंध में अधिसूचना जारी किया है. प्रदेश अध्यक्ष बनाये जाने पर रेशमा बेगम ने राष्ट्रीय अध्यक्ष फिरोज अहमद अंसारी, प्रदेश अध्यक्ष आबिद अली अंसारी, कार्यकारी अध्यक्ष अनवार अहमद अंसारी एवं राष्ट्रीय सचिव सगीर अंसारी का आभार व्यक्त किया है.

सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर चला जांच अभियान

रांची। रांची नगर निगम क्षेत्रांतर्गत सिंगल यूज प्लास्टिक के खरीद-बिक्री या उपयोग पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है. इसे लेकर लगातार नगर निगम द्वारा मंगलवार को जांच अभियान भी चलाया गया. यह अभियान सहायक प्रशासक के नेतृत्व में इंफोर्समेंट टीम द्वारा नागा बाबा वेजिटेबल मार्केट एवं मधुकम सब्जी बजार में प्रतिबंधित प्लास्टिक कैरी बैग के विरुद्ध चलाया गया. अभियान के दौरान जिन दुकानदारों को प्लास्टिक के कैरी बैग में सब्जी व अन्य सामान देते पकड़ा गया, उनके 9000 रुपये जुर्माना वसूला गया.

रांची जिले के 10 सरकारी स्कूलों में बनाये जाएंगे दस-दस कमरे

संवाददाता। रांची

रांची जिले के 10 सरकारी स्कूलों में 10-10 कमरे बनाए जाएंगे. इसके लिए स्वीकृति दे दी गई है. जिलेभर में स्कूलों की संख्या 2100 है, जिसमें 197 स्कूलों में मरम्मत की जरूरत है. इनमें 165 प्राथमिक और 32 माध्यमिक स्कूल हैं. फिलहाल 29 स्कूलों में मरम्मत का कार्य होगा. स्कूल भवन पुराने होने की वजह से मरम्मत करवाना अनिवार्य हो जाता है. इसके अलावा स्कूलों को उनकी नामांकन संख्या के आधार पर वार्षिक रखरखाव निधि प्राप्त होती है. 100 से कम छात्रों वाले शैक्षणिक संस्थानों को 10,000 रुपये, 250 या उससे कम छात्रों वाले संस्थानों को 25,000 रुपये, 1000 या उससे कम छात्रों वाले संस्थानों को 50,000 रुपये और 1000 से अधिक छात्रों वाले संस्थानों को 1 लाख रुपये का अनुदान मिलता है. हर साल एक व्यापक योजना बनाते हैं, जो तत्काल मरम्मत की आवश्यकता वाले स्कूलों की पहचान करती है.

ईस्ट जोन यूथ फेस्ट में डीएसपीएमयू को दो गोल्ड, 5 मेडल

संवाददाता। रांची

इस्ट जोन यूथ फेस्टीवल 2024 डीएसपीएमयू के छात्रों ने पांच मेडल प्राप्त किया. जिसमें दो गोल्ड, दो सिल्वर और एक ब्रांज शामिल है. कुलसचिव डॉ. नमिता सिंह ने प्रतिभागियों की सराहना की. डीएसडब्ल्यू डॉ. एसएम अब्बास ने प्रतिभागियों की उज्ज्वल भविष्य की कामना की . टीम मैनेजर डॉ. गीतांजलि सिंह और डॉ. राहुल देव साह को बधाई एवं शुभकामनाएं दी. इस दौरान क्लासिक वोकल में सोलो सिल्वर मेडल, वेस्टन वोकल सोलो में सिल्वर मेडल, ग्रुप सांग में वेस्टन गोल्ड, वेस्टन इंस्ट्रूमेंटल सोलो ब्रांज और कार्टूनिंग में गोल्ड मिला.

लौटे छात्रों का कुलपति ने किया स्वागत

रांची। बेहरामपुर विश्वविद्यालय उड़ीसा में आयोजित 37वें अंतर विश्वविद्यालय ईस्ट जोन युवा महोत्सव में भाग लेनेवाले रांची विश्वविद्यालय के छात्रों से कुलपति प्रो. अजीत कुमार सिन्हा ने मुलाकात की और उन्हें सम्मानित किया. उन्होंने सभी छात्रों से उनके अनुभव के बारे में सुना और उन्हें आगे के लिए प्रोत्साहित किया. कुलपति ने झांकी में द्वितीय स्थान पर आने के लिए पूरी टीम को बधाई दी. राष्ट्रीय युवा महोत्सव में चयनित मिमिक्री में

जितेन्द्र कुमार रजत पदक, क्विज प्रतियोगिता में युवराज प्रसाद, शिवम कुमार, सूर्यांश प्रजापति को रजत पदक प्राप्त हुआ. कुलपति ने पदक प्राप्त किए छात्रों को हर संभव मदद करने की बात कही.

सर्वेश्वरी समूह के समर्पित सदस्य लालू जी नहीं रहे

संवाददाता। रांची

परमपूज्य अघोरेश्वर भगवान राम जी के प्रिय गृहस्थ शिष्य सर्वेश्वरी समूह के कर्मठ, निष्ठावान व पूर्णतया समर्पित सदस्य 78 वर्षीय लाल भुवनेश्वर नाथ शाहदेव लालूजी का रांची स्थित अपने आवास में 26 फरवरी को मध्याह्न में शिवलोक गमन हो गया. वे अपने पीछे अपनी धर्मपत्नी, चार पुत्र, पुत्रवधू व पौत्री से भरा-पूरा परिवार छोड़ गए. सर्वेश्वरी समूह के लोग व उनके जानने-पहचानने वाले सभी लोग इस दुखद समाचार को सुनकर स्तब्ध रह गए. उनके निधन से सर्वेश्वरी समूह संस्था व सर्वेश्वरी परिवार की अपूरणीय क्षति हुई है. यह सूचना पाकर परमपूज्य बाबा औघड़ गुरुपद संभव राम (अध्यक्षः सर्वेश्वरी समूह) रात्रि में ही जशपुर से चलकर वाराणसी स्थित पड़ाव आश्रम पहुंच गए, जहां लालूजी अंतिम संस्कार किया गया मुखाग्नि उनके कनिष्ठ पुत्र उपेन्द्र नाथ शाहदेव ने दिया.

तैयारियां प्रारंभ | पांच दिवसीय विराट महोत्सव के सफल आयोजन के लिए गौरव अग्रवाल बनाये गये संयोजक

श्रीश्याम मंदिर में 17 मार्च से रंग रंगीलो फागण अमृत महोत्सव

संवाददाता। रांची

हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में श्री श्याम मित्र मंडल का पांच दिवसीय 52 वां स्थापना दिवस एवं रंग रंगीलो फागण अमृत महोत्सव 17 से 21 मार्च तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें विविध कार्यक्रमों का आयोजन होगा. मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी के नेतृत्व में महोत्सव की तैयारियां प्रारंभ कर दी गयी हैं. महोत्सव के सफल आयोजन के लिए गठित आयोजन समिति के संयोजक गौरव अग्रवाल मोनू तथा पंकज गाड़ोदिया और आदित्य लोहिया को उप संयोजक मनोनीत किया गया है. महोत्सव के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 17 मार्च को श्री गणेश पूजन, हवन, यज्ञ ध्वज स्थापना करके कार्यक्रम की शुरुआत होगी. इसी दिन दोपहर 11:00 बजे से खाटू नरेश का लोकप्रिय धार्मिक अनुष्ठान श्री श्याम अखंड ज्योति पाठ नृत्य नाटिका का आयोजन प्रारंभ होगा. पुष्पा देवी पोद्दार अपने परिवार के साथ खाटूनरेश की पावन अखंड ज्योति प्रज्वलित करेंगे. चुरु राजस्थान से मेहुल शर्मा अपने सहयोगियों के साथ भक्तजनों से ज्योति पाठ करवाएंगे. नृत्य नाटिका के लिए मंदिरा सिंह अपनी टीम के साथ कोलकाता से आएंगी. शोभा यात्रा महोत्सव के संयोजक गौरव अग्रवाल मोनू ने बताया कि 18 मार्च सोमवार को दोपहर 1:00 बजे से मारवाड़ी भवन से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें खाटू नरेश के पवित्र ध्वज निशान लेकर बड़ी संख्या में भक्तजन शोभायात्रा में चलेंगे. नगर भ्रमण करते हुए शोभायात्रा श्री श्याम मंदिर हरमू रोड पहुंचेगी.

91 वां श्री सुंदरकांड पाठ का आयोजन

हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया. इस अवसर पर सुनील मोदी आशा मोदी ने अपने परिवार के साथ अखंड ज्योति प्रज्वलित की. फल प्रसाद की सेवा प्रत्यूष अग्रवाल, चना प्रसाद सेवा श्रवण ढानढनिया, केसरिया पेडा प्रसाद पुष्पा देवी पोद्दार एवं गिरी गोला सेवा मुकेश मित्तल ने अर्पित की.

श्रीश्याम परिवार का निशान अमृत महोत्सव एक से

संवाददाता। रांची

श्रीश्याम परिवार का तीन दिनी श्रीश्याम अमृत महोत्सव एक मार्च से प्रारंभ होगा. इसकी तैयारी जोरशोर से की जा रही है. अध्यक्ष श्रवण जालान और महामंत्री मंटू जालान ने बताया किश्रीलक्ष्मीनारायण मंदिर, सेवासदन पथ पर शुक्रवार को पहले दिन श्रीगणेश पूजा कर अखंड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी. इसके बाद हवन और निशान पूजन होगा. दूसरे दिन शनिवार को भव्य निशान शोभायात्रा निकाली जाएगी. इसमें 251 ध्वज के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु हिस्सा लेंगे. श्रवण ने बताया कि पंच प्यारे, श्रीश्याम का सुसज्जित रथ, भजन मंडली का अलग आकर्षण रहेगा. यात्रा में शामिल भक्त श्रीलक्ष्मी नारायण मंदिर से निकल कर वंशीधर आडुकिया रोड, कार्ट सराय रोड, ईस्ट मार्केट रोड, मारवाड़ी टोला, गांधी चौक होते हुए शहीद चौक से घूम कर श्रीश्याम हवेली के रूप में परिणत अल्बर्ट एक्का चौक के समीप दुर्गा बाड़ी आयेंगे. प्रसाद वितरण के साथ दूसरे दिन का कार्यक्रम संपन्न होगा.

महोत्सव संयोजक कमल जालान बंकट ने बताया कि अंतिम दिन रविवार को दुर्गा बाड़ी में सुबह से लेकर रात 11 बजे तक पूजा-पाठ और भजन आदि के कार्यक्रम होंगे. परिवार की ओर से मंगलवार को लेकर पोस्टर जारी किया गया. अशोक धानुका, जयदीप राज, पवन लोहिया, राहुल अग्रवाल, अमित चौधरी, पवन जालान, गोपाल चंगाल, पवन शर्मा, मदन सोनी, प्रकाश दलानिआ, महेश सोनी, मनोज अग्रवाल, निरंजन लाल तोदी, विनय भाटिया, आतिश सिंह, विमल झुनझुनवाला, सुनील साबू, अजय केडिया आदि इसके सफल आयोजन में मुख्य योगदान दे रहे हैं.

गुलाबी विकास की तस्वीर

झारखंड का आर्थिक सर्वेक्षण विकास के संदर्भ में राज्य की गुलाबी तस्वीर प्रस्तुत करता है. आर्थिक सर्वेक्षण दावा करता है कि झारखंड की अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव स्पष्ट दिखने लगा है. इसकी विकास दर देश की विकास दर से अधिक रहा है, वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पेश किए गए सर्वेक्षण में दावा किया गया है कि राज्य की विकास दर 7.7 प्रतिशत रहेगी. 2024-25 के लिए 1 लाख 28 हजार 900 करोड़ रुपए का बजट भी पेश किया गया. झारखंड जैसे पिछड़े माने जाने वाले राज्य के लिए यह उपलब्धि से कम नहीं है. सर्वेक्षण में बेराजगारी दर में कमी, कृषि ऋण में सकारात्मक सुधार और पंचायती राज संस्थाओं की संतोषजनक प्रगति का दावा भी किया गया है. आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष में राज्य की आर्थिक विकास दर 7.1 फीसदी रही है. वित्तीय वर्ष 2024-25 में 7.7 प्रतिशत की औसत वार्षिक दर से वृद्धि का अनुमान लगाया गया है. वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने सदन में रखी गई रिपोर्ट में दावा किया है कि राज्य का वित्तीय प्रबंधन लगातार बेहतर हुआ है. राजस्व वसूली और खर्च दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है. रिपोर्ट के मुताबिक झारखंड की विकास दर देश की विकास दर से अधिक रही है. वर्ष 2024-25 में राज्य की आय का स्थिर मूल्य पर करीब तीन लाख करोड़ रुपये एवं वर्तमान मूल्य पर करीब 4.7 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है. वर्ष 2019-20 में राज्य की प्रति व्यक्ति वार्षिक आय स्थिर मूल्य पर करीब 55 हजार रुपये (55658) एवं वर्तमान मूल्य पर यह करीब 75 हजार रुपये (75016) थी. पिछले तीन वर्षों यानी 2020-21 और 2022-23 के बीच राज्य की जीएसडीपी 8.8 प्रतिशत औसत वार्षिक दर से बढ़ी है. हालांकि, विकास दर में वृद्धि के इस आंकड़े के बावजूद झारखंड में प्रति व्यक्ति आय के मामले में उल्लेखनीय सुधार का दावा भी है. राज्य में कुल श्रमिकों के सक्रिय श्रमिकों का आंकड़ा वर्ष 2021-24 में 25 जनवरी, 2024 को करीब 45.9% था, मनरेगा के तहत अनुसूचित जाति- जनजाति परिवारों के 14.4% परिवार 2023-24 (25 जनवरी, 2024 को) में इस योजना में कार्य कर रहे थे. इस अवधि में मनरेगा के तहत सृजित संपत्ति में झारखंड का अंश 4.34% रहा है. जनवरी 2024 में शुरू किये गए कामों की लगभग 47.67 लाख थी, जिनमें 40.77 लाख काम पूर्ण हो गए है. साल 2000-01 में प्रति व्यक्ति आय के मामले में देश भर के 28 राज्यों की सूची में झारखंड 26वें स्थान पर था. सिर्फ बिहार और उत्तर प्रदेश ही इससे नीचे थे. वर्ष 2021-22 में भी यह 25वें स्थान पर था. केवल बिहार, उत्तर प्रदेश और मणिपुर ही इस मामले में झारखंड से पीछे थे. रिपोर्ट में बताया गया है कि राज्य का बजट आकार साल 2011-12 से 2022-23 की अवधि के दौरान 12.1 फीसदी की औसत वार्षिक दर से बढ़ा है. 2023-24 में यह लगभग 1 लाख 16 हजार 418 करोड़ रुपए रहा है. रिपोर्ट में बताया गया है कि शिक्षा के स्तर में सुधार दर्ज किया गया है. साल 2017-18 में राज्य की लगभग 72 प्रतिशत आबादी साक्षर थी, लेकिन 2022-23 में साक्षरता दर 79 प्रतिशत हो गई है. महिलाओं की साक्षरता दर 3 प्रतिशत की औसत वार्षिक दर से बढ़ी है.

> रिपोर्ट के मुताबिक झारखंड की विकास दर देश की विकास दर से अधिक रही है. वर्ष 2024-25 में राज्य की आय का स्थिर मूल्य पर करीब तीन लाख करोड़ रुपये एवं वर्तमान मूल्य पर करीब 4.7 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है.

सुभाषित

विद्या ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम्।
पात्रात्वाद्धनमाप्नोति धनाद्धर्मम् ततः सुखम्।।

विद्या हमें विनम्रता देती है अर्थात् हमें विनम्र बनाती है, विनम्रता से योग्यता प्राप्त होती है और योग्यता से हमें धन प्राप्त होता है जिससे हम धर्म के कार्य करते हैं और हमें सुख की प्राप्ति होती है.

लोकतंत्र की चुनौतियां एवं 'फेयर पोल'

राजनीतिक दलों की नीतियों, कार्यक्रमों, अवधारणाओं के प्रति जब जन मानस में असंतोष व्याप्त होने लगा तो प्रकारान्तर से राजनीति ने इनका सहारा लेना शुरू कर दिया. आगे चलकर जो धनी वर्ग, शक्तिशाली वर्ग, बाहुबली समूह राजनीति को प्रकारान्तर से प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन करता था, वह स्वयं इस अखाड़े में कूदने लगा. राजनीतिक भाषा में कहें तो राजनीतिक दलों के सहयोगी ऐसे पूंजीपतियों एवं शक्तिशाली तत्वों ने राजनीतिक शुचिता को बहुत हद तक प्रभावित किया.

• देश-काल

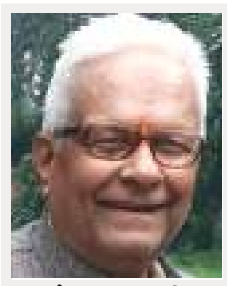

अयोध्या नाथ मिश्र

संसदीय चुनाव का बिगुल चंद दिनों में बजने वाला है. राजनीतिक दलों ने तो उसकी तैयारी अपने-अपने ढंग से महीनों पहले से प्रारंभ कर दी है. देश चुनावी मोड में आ गया है. सर्वेक्षणों के आधार पर लोग उम्मीदवारों एवं उनकी उपलब्धियों के बारे में अटकलें लग रहे हैं. ऐसे में फ्री एंड फेयर अर्थात निष्पक्ष और स्वच्छ अर्थात त्रुटि हीन चुनाव की अपेक्षा आम जनमानस करता है. जो मतदाता दलीय चारदीवारी में आबद्ध नहीं है, जो मतदाता चुनाव को सत्ता एवं व्यवस्था परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण प्रतीक मानते हैं, उनके लिए सद्भावपूर्ण, शांत चुनावी व्यवस्था बहुत मायने रखता है. भारत जैसे विराट लोकतांत्रिक देश में फ्री एंड फेयर चुनाव संपन्न कराना सर्वाधिक सशक्त चुनाव आयोग द्वारा भी एक चुनौती होता है. इस लोकहित की शाश्वत जनतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावित करने के लिए कई तत्व ताक लगाए बैठे रहते हैं. इनमें धनबल, जनबल और तनबल को बड़ा कारक माना जाता है. यह परंपरा कोई नई नहीं है. राजनीतिक दलों की नीतियों, कार्यक्रमों, अवधारणाओं के प्रति जब जन मानस में असंतोष व्याप्त होने लगा तो प्रकारान्तर से राजनीति ने इनका सहारा लेना शुरू कर दिया. आगे चलकर जो धनी वर्ग, शक्तिशाली वर्ग, बाहुबली समूह राजनीति को प्रकारान्तर से प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन करता था, वह स्वयं इस अखाड़े में कूदने लगा. राजनीतिक भाषा में कहें तो राजनीतिक दलों के सहयोगी ऐसे पूंजीपतियों एवं शक्तिशाली तत्वों ने राजनीतिक शुचिता को बहुत हद तक प्रभावित किया. इस नेक्सस ने एक अभिनव राजनीतिक संस्कृति को जन्म दिया, जिसके लिए जनहित धीरे-धीरे गौण होने लगा. जन समर्थन से जीतने वाले प्रतिनिधि दाएं बाएं से समर्थन का जुगाड़ बिठाने लगे. उसका परिणाम हुआ, राजनीति की जनप्रतिनिधि धारा बहुत हद तक प्रदूषित होने लगी. सबसे महत्वपूर्ण दुष्परिणाम हुआ कि चुनावी प्रक्रिया के प्रति कुछ मतदाताओं के भरोसे में कमी आने लगी. ऐसे में चुनाव आयोग के लिए भी फ्री एंड फेयर पोल कराना कम चुनौती नहीं रहा. यही कारण है कि आज भी चुनाव में कुछ लोग टीएन शेषन की याद करते हैं.

अपने हिसाब से चुनाव आयोग सतत प्रयोगात्मक ढंग से चुनावी शुचिता की व्यवस्था करता है, परंतु लोग उसमें भी मार्ग निकाल ही लेते हैं. धन बल तब तक प्रभावी होता रहेगा, जब तक लोगों में लालच और डर बना रहेगा. हर छिद्र बंद करने का प्रयास चुनाव आयोग करता है. चुनावी कार्यक्रम संतुलित हो, काले धन का कम से कम प्रवाह हो, डर भय आतंक का साया न हो, किसी प्रकार का दबाव या लोभ-लालच न हो, इसकी व्यवस्था करने में चुनाव आयोग सतत क्रियाशील रहता है. इसके बावजूद चुनाव की निष्पक्षता पर कहीं न कहीं लोग प्रश्न चिह्न खड़ा कर ही देते हैं. संभव है इसके लिए मानवीय भूल भी जिम्मेदार हो.

1952 से ही चुनावी प्रक्रिया में संशोधन एवं सुधार की बातें सामने आने लगी और आज भी कुछ न कुछ प्रतिषेधात्मक , निषेधात्मक बंधेज सामने आते ही हैं. सबसे बड़ा प्रश्न है कि चुनाव में काले धन के प्रवाह को चुनाव आयोग कैसे रोके? राजनीतिक दल विजय को ध्यान में रखते हुए डपोरशंखी आर्थिक घोषणाएं भी करते हैं. न केवल भाषणों में, संवाद में अपितु दलों द्वारा प्रकाशित घोषणा पत्रों में भी एक से बढ़कर एक कमिटमेंट उल्लिखित होते हैं. वोट के लिए ₹आकाश के तारों को तोड़ना ₹ भी इनके लिए आसान बात रहती है. अधिकांश घोषणाएं बिना आर्थिक-वित्तीय आधार के होती हैं! हाल ही में मुख्य चुनाव आयुक्त ने संकेत किया है कि दलों को ऐसी घोषणाओं से परहेज करना चाहिए, जिनके प्रसंग में वे वित्तीय आर्थिक उपबंध की बात करने से कतराते हों. इसका मतलब यह हुआ की राजनीतिक दल बेसिर पैर की बातें बिना आर्थिक आकलन के चुनाव में उछाल देते हैं, आगे भगवान जाने! चुनाव आयोग ऐसी आर्थिक घोषणाओं के प्रसंग में आर्थिक-वित्तीय व्यवस्था की प्रतिबद्धता के लिए राजनीतिक दलों को बाध्य करें या निषेधात्मक कानूनी प्रावधान करें. चुनाव खर्च को सीमित किया जाना भी बहुत आवश्यक है. आज जो प्रत्यक्ष -अप्रत्यक्ष चुनावी खर्च होता है, वैसी दशा में कोई सामान्य ,गरीब, राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्ध अभाव ग्रस्त उम्मीदवार आगे आने की हिम्मत नहीं करेगा! लोकतंत्र में शुचिता के लिए यह आवश्यक है कि सभी प्रकार के लोगों का प्रतिनिधि सभा में समावेश हो सके, लोक प्रतिनिधित्व मिल सके. तभी लोकतंत्र की परिभाषा चरितार्थ होगी.

इसी के साथ चुनावी संसाधनों के संसीमन पर भी विचार आवश्यक है. एक उम्मीदवार कितनी पब्लिसिटी करें, कितनी गाड़ियां दौड़ें, कितने लाउडस्पीकर बजें, कितने पंपलेट पोस्टर होल्डिंग्स लगें, सोशल मीडिया विज्ञापन, मीडिया में विज्ञापन आदि का विनियमन हो. अन्यथा होता यह है कि नामांकन के दिन से ही शक्ति प्रदर्शन, संसाधनों का भोंडा प्रदर्शन सामने आने लगता है. यद्यपि दुनिया का सबसे बड़ा हमारा लोकतंत्र क्रमशः सशक्त, निर्भीक और परिपक्व होता जा रहा है, फिर भी आदमी होता है तो गुण दोष युक्त ही. इसलिए चुनाव आयोग की भूमिका सर्वथा अहम होती है. अव्वल तो यह होगा कि कानूनी उपबंध के आलोक में राजनीतिक दलों की मशरूमिंग को निरुत्साहित किया जाए, चुनावी व्यवस्था के लिए इलेक्शन फंड सृजित किया जाए और दलों के ऊपर उपलब्धियां आधारित आवंटन किया जाए. इस फंड में सहभागिता के लिए व्यक्ति/संस्थानों को कानूनी उपबंध के तहत कर आदि में रिबेट देय हो. आदर्श तो यह होगा जब किसी भी दल को चुनाव में एक पैसा व्यय की अधिकारिता न हो. इसी के साथ निर्वाचित होने के लिए मतानुपात, एक से अधिक क्षेत्रों से उम्मीदवारी पर प्रतिबंध, बाई एलेक्शनल की दशाएं आदि विभिन्न विंदुओं पर संसदीय लोकतांत्रिक आदर्श हेतु ठोस कदम उठाने की चुनौती है. अपेक्षा है, चुनाव आयोग भविष्य में सरकार, राजनीतिक दल, मतदाताओं, विशेषज्ञों आदि के साथ सम्यक संवाद आधृत संस्तुति को बेहतर लोकतांत्रिक भविष्य के लिए स्वरूप दे.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

अलिप्त

मिथिला में एक बड़े ही धर्मात्मा एवं ज्ञानी राजा थे. राजकाज के विभिन्न कार्य और राजमहल के भारी ठाट-बाट के उपरांत भी वे उसमें लिप्त नहीं थे. राजऋषि की यह ख्याति सुनकर एक साधु उनसे मिलने आया. राजा ने साधु का हृदय से स्वागत सम्मान किया और दरबार में आने का कारण पूछा. साधु ने कहा, ₹राजन्! सुना है कि इतने बड़े महल में आमोद प्रमोद के साधनों के बीच रहते हुए भी आप इनके सुखोपभोग से अलिप्त रहते हैं, ऐसा कैसे कर पाते है? मैंने वर्षों हिमालय में तपस्या की, अनेक तीर्थों की यात्राएं कीं, फिर भी मन को इतना नहीं साध सका. जबकि संसार के श्रेष्ठतम सुख साधन व समृद्धि के सहज उपलब्ध रहते यह बात आपने कैसे साध ली?₹ राजा ने उत्तर दिया, ₹महात्माजी! आप असमय में आए हैं. यह मेरे काम का समय है. आपके सवाल का जवाब मैं थोड़ी देर बाद ही दे पाउंगा. तब तक आप इस राजमहल का भ्रमण क्यों नहीं कर लेते? आप इस दीये को लेकर पूरा महल देख आइए. एक बात का विशेष ध्यान रखें कि दीया बुझने न पाए, अन्यथा आप रास्ता भटक जाएंगे.₹ साधु दीया लेकर राजमहल को देखने चल दिए. कई घन्टे बाद जब वे लौटे तो राजा ने मुस्करा कर पूछा, ₹कहिए, महात्मन्! मेरा महल कैसा लगा?₹ साधु बोला, ₹राजन्! मैं आपके महल के हर भाग में गया. सब कुछ देखा, किन्तु फिर भी वह अनदेखा रह गया.₹ राजा ने पूछा, ₹क्यों?₹ साधु ने कहा, ₹राजन्! मेरा सारा ध्यान इस दीये पर लगा रहा कि कहीं यह बुझ न जाय!₹ राजा ने उत्तर दिया, ₹महात्माजी! इतना बड़ा राज चलाते हुए मेरे साथ भी यही होता है. मेरा सारा ध्यान अपनी आत्मा पर लगा रहता है. कहीं मेरे आत्मज्ञान की ज्योति मंद न हो जाय. किसी अनुचित कर्म की तमस मुझे घेर न ले, अन्यथा मैं मार्ग से भटक जाउंगा. चलते-फिरते, उठते-बैठते, कार्य करते यह बात स्मृति में रहती है. मेरा ध्यान चेतन रहता है कि सुखोपभोग के प्रलोभन में कहीं मैं अपने आत्म को मलीन न कर दूं. इसलिए साक्षी भाव से सारे कर्तव्य निभाते हुए भी संसार के मोहजाल से अलिप्त रह पाता हूं. साधु राजा के चरणों में नत मस्तक हो गया. आज उसे नया ज्ञान प्राप्त हुआ था, आत्मा की सतत जागृति, प्रतिपल स्मृति ही अलिप्त रहने में सहायक है. साधु सोचने लगा कि मन चंचल है और वह कभी भी मोहजाल में फंस सकता है. उसे नियंत्रित करने का यही सहज उपाय है अपने कर्तव्य मार्ग पर दृढ़ता पूर्वक चला जाये.

केंद्र और राज्य के संबंधों में जटिलताएं

• विमर्श

लेखा रत्तनानी

तनाव और मतभेदों का एक सिलसिला देश के धैर्य की परीक्षा ले रहा है. कुछ तनाव और मतभेद सड़कों पर विरोध प्रदर्शन के रूप में सामने आते हैं, जैसे किसानों का पहले और अब चल रहा आंदोलन. फिर भी इसके पहले कभी भी राज्यों के निर्वाचित मुख्यमंत्रियों ने अपनी बात रखने के लिए सड़क पर विरोध प्रदर्शन का रास्ता नहीं अपनाया. इस प्रकार की चरम कार्रवाइयां देश को बनाने वाले आंतरिक ताने-बाने के कमजोर होने की ओर इशारा करती हैं, जो विश्व मंच पर एक पुनरुत्थानशील भारत की कहानी के विपरीत है. आखिर आंतरिक असंतुलन बाहरी लचीलापन कैसे पैदा कर सकता है? इस फ्रेम में, केंद्र सरकार तथा विपक्ष शासित राज्य सरकारों के बीच तनाव को विशेष महत्व दिया गया है. किसानों के अलावा फरवरी में दो राज्यों- केरल और कर्नाटक के मुख्यमंत्रियों ने अपने मंत्रिमंडल और सांसदों के साथ दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया और बताया कि वे संघीय धन के वितरण में भेदभाव के रूप में क्या देखते हैं. केरल ने धन आबंटन की अपनी मांग के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और नई दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया है. केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार के कैबिनेट मंत्रियों, विधायकों और सांसदों के नेतृत्व में दिल्ली के जंतर-मंतर पर 'केंद्र द्वारा वित्तीय अन्याय व देश के संघीय ढांचे में गिरावट' के खिलाफ प्रदर्शन किया. उन्होंने एलडीएफ के 8 फरवरी के विरोध दिवस को भारत के इतिहास में एक 'रेड लेटर' दिन बताया. उसी दिन सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल धन जारी करने के केरल सरकार के अंतरिम आवेदन पर केंद्र सरकार को अपना जवाब दाखिल करने के लिए कहा. केंद्र ने तर्क दिया है कि केरल के 'वित्तीय कुप्रबंधन' के लिए उसे दोषी नहीं ठहराया जा सकता. केरल के मुख्यमंत्री विजयन और उनके मंत्रिमंडल के ऐसा करने से एक दिन पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने धन के अनुचित आवंटन और कर बंटवारे में अन्याय की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए अपने मंत्रिमंडल व विधायकों के साथ विरोध प्रदर्शन किया था. कर्नाटक का कहना है कि जीएसटी संग्रह में वह दूसरे स्थान पर है, लेकिन जीएसटी कार्यान्वयन के कारण उसे लगभग 60,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है. उसे कर बंटवारे में 63,000 करोड़ रुपये से थोड़ा कम नुकसान हुआ है. कर्नाटक और केरल ने कहा है कि उनका विरोध सभी राज्यों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा और उनके बकाये को सुरक्षित करने के लिए भी है. कर्नाटक तथा केरल की बातों से तमिलनाडु सहमत है. इस प्रकार केंद्र-राज्य संबंधों और कर हस्तांतरण के जटिल मुद्दे ने राज्य व देश की बेहतरी के एजेंडे को आगे बढ़ाने के बजाय एक बदसूरत रस्साकशी में बदल दिया है. लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में बहस की स्थिति चाहे जो भी हो, राज्यों की आर्थिक स्थिति को इस हद तक कमजोर किए जाने की अनुमति नहीं दी जा सकती कि उनके निर्वाचित प्रमुखों को दिल्ली में विरोध मार्च निकालने पड़ें. ये ऐसे हालात हैं जो टूटने के करीब है और यह कोई अच्छी बात नहीं है. केरल के मामले पर विचार करें तो उसे भारतीय रिजर्व बैंक ने शीर्ष पांच वित्तीय तनावग्रस्त राज्यों में रखा है. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा राज्यों के राजकोषीय मानदंडों के अध्ययन में उच्च ऋण स्तरों और राजकोषीय घाटे के स्तरों के कारण बिहार, केरल, पश्चिम बंगाल, पंजाब और राजस्थान की पहचान अत्यधिक दबाव वाले राज्यों के रूप में की गई है. उच्च ऋण का अर्थ है कि राज्य अपने राजस्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा ऋण और ब्याज चुकाने में खर्च करता है. उदाहरण के लिए कई राज्य राजस्व प्राप्तियों का लगभग 10 प्रतिशत या उससे अधिक ब्याज भुगतान पर खर्च करते हैं. पश्चिम बंगाल तथा पंजाब ब्याज भुगतान पर 20 प्रतिशत से अधिक खर्च करते हैं. ऐसा क्यों है और इसे मध्यम और दीर्घकालिक अवधि में कैसे संबोधित किया जा सकता है, यह बहस एवं संवाद का विषय है, लेकिन इसे आपसी वाद-विवाद में बदला नहीं जाना चाहिए. उदाहरण के लिए केरल ने आईओयू (कर्ज के भुगतान की स्वीकारोक्ति) का पहाड़ खड़ा कर दिया है. एलडीएफ ने इस स्थिति के लिए केंद्र को दोषी ठहराते हुए आरोप लगाया है कि उनकी सरकार को राज्य के इतिहास में सबसे खराब वित्तीय संकट में धकेला जा रहा है. 2021-22 के पूर्वव्यापी प्रभाव से केरल की उधार सीमा को कम करने जैसे केंद्र सरकार के कदमों का जिक्र करते हुए एलडीएफ सरकार ने कहा है कि राज्य को 2016 और 2023 के बीच की अवधि के लिए 107513.09 करोड़ रुपये का संचयी नुकसान हुआ है.

> केंद्र ने तर्क दिया है कि केरल के 'वित्तीय कुप्रबंधन' के लिए उसे दोषी नहीं ठहराया जा सकता. केरल के मुख्यमंत्री विजयन और उनके मंत्रिमंडल के ऐसा करने से एक दिन पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने धन के अनुचित आवंटन और कर बंटवारे में अन्याय की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए अपने मंत्रिमंडल व विधायकों के साथ विरोध प्रदर्शन किया था.

किसान आंदोलन के प्रति संवेदना का अभाव

• आंदोलन

प्रफुल्ल कोलख्यान

किसान आंदोलन पर हैं, भारत में ही नहीं, दुनिया के कई देशों में. भारत में आंदोलन पर व्यवस्था जिस तरह से कहर ढा रही है, वह अप्रत्याशित है. जिससे निदान की अपेक्षा हो वही अप्रत्याशित व्यवहार करने लगे तो मामला कुछ अधिक ही गंभीर हो जाता है. किसान जीवन की समस्याओं पर निष्ठुरता से नहीं, समझ और सहानुभूति के साथ विचार किया जाना बहुत ही जरूरी है. इसका एक स्थानीय प्रसंग हैं तो वैश्विक प्रसंग भी है. किसान जीवन की समस्या की जड़ में एक बात यह भी है कि जितनी तेजी से अर्थव्यवस्था का शहरीकरण हुआ उस अनुपात में अर्थव्यवस्था का ग्रामीकरण न के बराबर ही हुआ. किसानों की समस्याओं का गहरा संबंध संपूर्ण ग्रामीण अर्थव्यवस्था और जाति-आधारित पदानुक्रमिक समाज व्यवस्था से है. किसान आंदोलन में जुटे आंदोलनकारियों को सिर्फ भीड़ मानकर चलना अपने को गफलत में रखना है. आम नागरिकों के प्रति सरकार का रवैया लोकतांत्रिक तो बिल्कुल ही नहीं है. सिर्फ किसान आंदोलन के आंदोलनकारियों के प्रति ही नहीं, सरकार से किसी भी तरह के लोकतांत्रिक सवाल करनेवाले, अपना हक मांगने वाले व्यक्ति, समूह, समुदाय के साथ 'लोकतांत्रिक सरकार' जैसा व्यवहार कर रही है, वह भयानक है. लगता है सतरू (सत्तारूढ़) पक्ष पूरे देश को झुंड-मुंड में बदल देने की अपनी चुनावी परियोजनाओं के सफल होने के प्रति "आश्वस्त" है. रोजी-रोजगार के लिए पात्रता की उम्र गंवाते युवा आकुल-व्याकुल हैं. रोजगार परीक्षाओं को पेपर लीक के बेलगाम सिलसिले में झोंक दिया गया है. सरकारी नीति से 'अग्निवीर' पस्त हैं. पुरानी पेंशन की मांग को टरकाने, भटकाने से रिटायर्ड लोग हैं. वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली सहूलियतों के कानून अपनी जगह, अपमानित और रियायतों से वरिष्ठ नागरिक वंचित हैं. मोटर गाड़ी से रौंद कर किसानों को मार दिये जाने वाले को प्रश्रय दिये जाने, विपक्षी नेताओं पर केंद्रीय चुनाव आयोग समेत संवैधानिक संस्थाओं की विवेकहीन कार्रवाई किये जाने, नाजायज और असंवैधानिक तरीके से फंड जुगाड़ने जैसे किसी भी मुद्दे पर खौलते सवालों के प्रति सरकार का रवैया अप्रत्याशित ढंग से लापरवाह निष्ठुर और आक्रामक होता है. नागरिक समस्या के प्रति ऐसा रवैया, क्या लोकतांत्रिक पद्धति से चुनकर आई किसी 'लोकतांत्रिक सरकार' का हो सकता है? बिल्कुल ही नहीं. कारण नागरिक 'असंगठित' सरकार 'संगठित'! 'असंगठित' पर 'संगठित' का वर्चस्व तो सभ्यता संकट का मूल है; असंगठित यानी स्वाभाविक रूप से विकेंद्रित और संगठित यानी आक्रामक ढंग से केंद्रित. पूंजीवाद और लोकतंत्र में एक स्वाभाविक अंतर्विरोध होता है; पूंजीवाद में सर्व-केंद्रीयकरणकी अपराजेय प्रवृत्ति होती है, जबकि लोकतांत्रिक विचारों के अंतःकरण में सर्व-विकेंद्रीयकरण का आश्वासन होता है. लोकतांत्रिक नेतृत्व में सर्वसत्तावाद का रुझान पूंजीवाद के माफिक बैठता है. अद्भुत नजारा होता है. कभी पूंजीवाद सर्वत्तावाद की गोद में तो, कभी सर्वत्तावाद पूंजीवाद की गोद में; यानी तू मुझ में है, मैं तुझ में हूं! सर्वत्तावादी राजनीति लोकतंत्र और पूंजीवाद के बीच संतुलन बनाये रखने की कोई कोशिश नहीं करती है, इस तरह से लोकतांत्रिक ढांचे में बहुमत का नहीं, तानाशाही हुकूमत का दखल हो जाता है. बहुमत पर बहुसंख्यक अपनी सवारी कस लेता है. असल में, भारत का लोकतंत्र आज कई संचयी राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक समस्याओं से घिर गया है. भारत की आजादी के बाद से ये समस्याएं धीरे-धीरे संचित होती रही हैं. इन समस्याओं का समग्र प्रभाव राजनीतिक लोकतांत्रिक संरचना पर रह-रहकर उभर रहा है. राजनीतिक रूप से सरकारी नौकरियों के लिए उचित ही आरक्षण का तात्कालिक संवैधानिक उपाय किया गया था. दीर्घकालिक उपाय तो सामाजिक रूप से ही हो सकता है. डॉ. आंबेडकर इस बात को बहुत गहराई से समझते थे. इसलिए उन्होंने बहुत ही संवेदनशील लहजे में कहा कि राजनीतिक लोकतंत्र को सामाजिक लोकतंत्र में बहुत जल्दी न बदला जा सका तो भारत के राजनीतिक लोकतंत्र को झटका लग सकता है. इस संवेदनशील लहजे को 'करुणाविगलित' नजरिये से देखने की कोशिश हमें भरमा सकती है. लोकतंत्र में अंतर्निहित अनिवार्य मूल्यों को जातिवाद से बाहर निकलकर गहरी सांस्कृतिक समझ और समकारक (ईक्वलाइजर) सहानुभूति से ही स्वीकार किया जा सकता है.

> आम नागरिकों के प्रति सरकार का रवैया लोकतांत्रिक तो बिल्कुल ही नहीं है. सिर्फ किसान आंदोलन के आंदोलनकारियों के प्रति ही नहीं, सरकार से किसी भी तरह के लोकतांत्रिक सवाल करनेवाले, अपना हक मांगने वाले व्यक्ति, समूह, समुदाय के साथ 'लोकतांत्रिक सरकार' जैसा व्यवहार कर रही है, वह भयानक है.

मीडिया में अन्यत्र

नियंत्रित लोकतंत्र का पाकिस्तानी मॉडल

बीते 8 फरवरी को हुए पाकिस्तान के आम चुनावों में बराबरी का कोई मौका उपलब्ध नहीं था. इस चुनाव में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को सेना समर्थित पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के खिलाफ अपने लोकप्रिय चुनाव-चिह्न 'क्रिकेट का बल्ला' पर उम्मीदवार खड़ा करने से रोक दिया गया था. फिर भी, मतदाताओं ने पीटीआई का समर्थन किया. इसके निर्दलीय उम्मीदवार 93 सीटों के साथ नेशनल असेंबली में सबसे बड़े समूह के रूप में उभरे, जबकि पीएमएल-एन 75 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही. चुनाव के नतीजे भले ही कई लोगों के लिए चौंकाने वाले रहे, लेकिन चुनाव के बाद की चालें शायद ही हैरतअंगेज रहीं. पीएमएल-एन ने गठबंधन सरकार बनाने के लिए पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और कई छोटे दलों के साथ हाथ मिलाया है, जिसमें पीटीआई शामिल नहीं है. क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान खान की सरकार के अप्रैल 2022 में अविश्वास मत के दौरान गिर जाने के बाद इमरान खान-विरोधी गठबंधन के हिस्से के रूप में प्रधानमंत्री बनने वाले शहबाज शरीफ, इस पद पर वापस लौटेंगे. पीएमएल-एन के नेता नवाज शरीफ (जो शहबाज के बड़े भाई हैं) की बेटी मरियम नवाज पंजाब की मुख्यमंत्री बन गई हैं, जबकि पूर्व राष्ट्रपति एवं पीपीपी के नेता आसिफ अली जरदारी द्वारा पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी (पीटीआई के) की जगह लेने की संभावना है. इस गठबंधन को पाकिस्तान के जनरलों का पूरा समर्थन हासिल है, जबकि सेना पर दर्जनों सीटों पर धांधली करने का आरोप लगाने वाली पीटीआई का कहना है कि वह विपक्ष में रहेगी और चुनाव के नतीजों को कानूनी रूप से चुनौती देगी. कई मायनों में नया गठबंधन पिछली गठबंधन सरकार की नकल है. बतौर प्रधानमंत्री श्री शहबाज खासे अलोकप्रिय रहे थे. उनकी सरपरस्ती में पाकिस्तान का आर्थिक संकट कई गुना बढ़ गया. मुद्रास्फीति 30 फीसदी पर है, जबकि अर्थव्यवस्था पिछले साल आईएमएफ द्वारा प्रदान की गई तीन बिलियन अमेरिकी डॉलर की जीवनदायी सहायता पर चल रही है. विदेशी मुद्रा भंडार, थोड़ा बेहतर होने के बावजूद, अभी भी 8.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निचले स्तर पर है. नई सरकार को 'मुश्किल से निजात दिलाने वाले पैकेज' (बेलआउट पैकेज) के लिए आईएमएफ के साथ फिर से बातचीत शुरू करनी होगी. **(द हिंदू)**

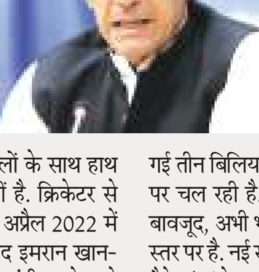

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

आपात/आपाद

आपात और आपाद दोनों श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द हैं. झटके में सुनने पर दोनों एक जैसे ही लगते हैं, लेकिन दोनों के अंतिम अक्षर ही स्पष्ट कर देते हैं कि दोनों के बीच कोई समानता नहीं है. आपात का अंतिम अक्षर जहां त है, वहीं आपाद का अंतिम अक्षर द. हिंदी शब्द सागर के अनुसार आपात तत्सम पुल्लिंग शब्द है और इसका अर्थ है किसी घटना का अचानक हो जाना, आरंभ, अंत, पहली झलक, प्रथम दर्शन, गिराना, अधःपतित करना, हाथी को पकड़ने के लिए उसे गड्ढे में गिराना, नरक. आपाद भी तत्सम संज्ञा पल्लिंग शब्द है. इसका अर्थ है पैर तक. इससे बना शब्द है आपादमस्तक, जिसका मतलब है सिर से पैर तक. दोनों के बीच मोटा-मोटी अंतर यही है. आपाद जैसा लगने वाला शब्द है आपद या आपदा, जो अर्थ के दृष्टिकोण से आपात के बहुत निकट है. आपद् का मतलब है विपत्ति, आपत्ति, दुख, कष्ट, विघ्न. सन् 2020 में आयी विश्वव्यापी महामारी कोरोना के दो साल के समय को आपातकाल की संज्ञा दी जाती है, जिसमें लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया था. मौत का ऐसा तांडव हुआ था कि श्मशानों और कब्रिस्तानों में अंतिम संस्कार के लिए जगह नहीं बची थी. आपातकाल का मतलब एक अप्रत्याशित घटना, जिसपर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता होती है. यह घटना अक्सर गंभीर या खतरनाक होती है. जैसे किसी के घर में आग लग जाना. आपातकाल एक महासंकट होता है. आपातकालीन स्थिति में अक्सर संकट की तुलना में तेज प्रतिक्रिया की आवश्यकता होती है. अगर आपके पास नौकरी नहीं है तो यह एक संकट है, अगर आपके पास नयी नौकरी तलाशने के लिए कुछ पैसे हैं. वहीं दूसरी ओर अगर नौकरी छूट जाती है तो आपके सामने आपातकालीन स्थिति बन जाती है, जब आपके पास बिलों का भुगतान करने के लिए पैसे नहीं होते. आपातकालीन परिस्थितियां कई प्रकार की होती हैं. जैसे चिकित्सा संबंधी, मौसम संबंधी जैसे बर्फ़ीला तूफ़ान, बवंडर और तूफ़ान आदि.

स्वर्गलोक में भी पहुंची आरक्षण की आग

• तीर-तुक्का

रवि श्रीवास्तव

हे प्रभु विनती सुन लो. देश में सामान्य वर्ग के लोग अपनी अर्ज लेकर रोज मंदिर में जाते हैं. खूब पूजा अर्चना कर रहे हैं. कभी इस मंदिर तो कभी उस मंदिर. बात ही कुछ ऐसी है. आखिर पुत्र प्राप्ति की लालसा ही कुछ ऐसी है. जिसके लिए लोग कुछ भी करने को तैयार थे. इतनी पूजा को देख भगवान असमंजस में पड़ गए थे. उन्हें कुछ समझ नहीं आ रहा था. क्या करें कैसे अपने भक्तों की लाज रखें? यह संकट देख नटखट नारद को सुझाव के लिए बुलाया गया. सारे देवताओं का दरबार लगा, जिसमें चिंता का विषय पृथ्वी वासी लोग बने थे. दरबार में लोगों की पुकार की आवाजें आ रही थी. तभी देवताओं ने सामान्य वर्ग के एक भक्त की पुकार सुनी. वह पुकार पुत्र प्राप्ति की थी. दरबार में एक बालक को बुलाया गया. उससे कहा गया कि पृथ्वी पर जाओ और भक्त की मनोकामना पूरी करो. उस बालक ने पूछा हे प्रभु हमें जिसके यहां भेज रहे हो, वह कौन हैं. किस वर्ग से ताल्लुक रखते हैं. अरे वह मेरा भक्त है. जाति, वर्ग से क्या मतलब है. नहीं प्रभु मुझे बताओ तभी मैं जाऊंगा. बालक की जिद के आगे भगवान ने कहा भाई सामान्य वर्ग में जन्म ले रहे हो और क्या चाहिए. बालक ने मना कर दिया. मुझे नहीं जाना है. मैं ऊपर स्वर्ग में ही सही हूं. ईश्वर के बहुत पूछने पर बालक ने कहा मुझे इस देश में आरक्षण वर्ग के यहां जन्म चाहिए. क्योंकि उनके यहां आरक्षण मिलता है. जहां आप मुझे भेज रहे हैं उस वर्ग में आरक्षण नहीं हैं. पूरी जिंदगी मेहनत से घिस जाएगी. कोई फायदा नहीं है. मुझे नहीं जाना. भगवान की सभा में एक बालक के विरोध ने तो बवाल मचा दिया. अब हर बालक सामान्य वर्ग में जन्म लेने को मना कर रहा था. भगवान के यहां तो ये बड़ा धर्मसंकट पैदा हो गया. एक तरफ भक्त की पुकार थी तो दूसरी तरफ स्वर्ग में बालकों की जिद. भगवान ने एक बच्चे की जिद आखिर मान ली. उसे आरक्षण वर्ग में जन्म के लिए भेज दिया. उस बालक ने जन्म तो ले लिया. लेकिन वह बहुत गरीब परिवार में था, जिससे आरक्षण का कोई लाभ उसे नहीं मिल पा रहा था. रोज कुआं खोदना और पानी पीने वाला काम था. भगवान को लगा कि संकट शायद टल गया है. लेकिन क्या पता कि एक नए संकट ने जन्म लिया था. अब फिर से वही समस्या अब आरक्षण वर्ग के घर में भी जन्म लेने पर बच्चे मना कर रहे थे. ईश्वर ने फिर दरबार लगाया. गुस्से में पूछा अब क्या समस्या है. बच्चों ने अपनी फरमाइश रख दी. मुझे जन्म अब आरक्षण के उस वर्ग में देना जो पूरी तरह से सम्पन्न हो. उनको आरक्षण का बहुत फायदा मिलता है. तभी जिंदगी सुकून से गुजरेगी.

Her Story

अपने देश की जनसंख्या ही इतनी अधिक है कि नर्सरी से ले कर उच्च शिक्षा तक सभी जगह दाखिला के लिए मारा-मारी मची रहती है. भारतीय बच्चे छुटपन में ही "सर्वाइवल ऑफ़ द फिटेस्ट" यानी सर्वोत्तम ही सफल होगा के मूल मन्त्र को समझने लगते हैं. प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से यह उनके नाजुक कंधों पर बोझ भी डालता है.

वासंती स्वाद

रानी प्रसाद
पाक कला विशेषज्ञ

मौसम वसंत का है. कुकरी एक्सपर्ट रानी प्रसाद लेकर आई हैं कुछ वासंती जायके, बनाइए, चखिए और फिर स्वाद बताएं.

मीठे चावल

यह चाहिए

- बासमती चावल : एक कप
- चीनी : एक कप
- शुद्ध घी : चार बड़े चम्मच
- पानी : दो कप
- कटे हुए मेवे : आधा कप
- केसर के धागे : थोड़े से
- दूध : दो चम्मच
- तेजपत्ता : एक
- छोटी इलायची: पिसी हुई एक चम्मच
- गुलाब जल : दो चम्मच
- खाने वाला रंग पीला रंग : कुछ बूंदे

ऐसे बनाएं सबसे पहले बासमती चावल को धोकर आधा घंटा पानी मे फुला लें. उसके बाद दो कटोरी पानी में तेज पत्ता आधा चम्मच घी छोटा सा दालचीनी का टुकड़ा और खाने वाली पीले रंग की कुछ बूंदे डालकर पानी ख़ौला लें. अब उसमें चावल को धीमी आंच पर पकाने के लिए रख दें. चावल जब 90% तक हो जाए तो गैस ऑफ कर दें. उसके बाद एक पैन में शुद्ध घी डालें और उसमें ड्राई फ्रूट्स को हल्का भून लें. अब पैन में से इन ड्राई फ्रूट्स को निकाल लें और उसमें पके हुए चावल को डाल दें. चीनी डाल दें और केसर में भीगा दूध भी इसमें डाल दें और गैस को धीमे कर इस चावल को चीनी के साथ पकने दें. जब चावल चीनी के साथ पक जाए तब उसमें ड्राई फ्रूट्स मिला दें. मीठे चावल तैयार हैं.

सूजी और बेसन का हलवा

यह चाहिए

- बेसन : 3/4कप
- सूजी : 1/4 कप
- चीनी : 1/2 कप
- पिसी इलायची : एक चम्मच
- शुद्ध घी : 1/2 कप
- ड्राई फ्रूट्स : 1/2 कप

ऐसे बनाएं सर्वप्रथम सूजी और बेसन को 5 चम्मच घी के साथ धीमी-धीमी आंच पर भून लें. जब बेसन से खुशबू आने लगे तब इसमें दूध के छीटे मारें. इसे धीमी आंच पर भूनते रहें. जब यह अच्छी तरह भून जाए तब इसमें चीनी डाल दें और चीनी के साथ इस धीमे-धीमे चलाते हुए दो-तीन मिनट भुनें. उसके बाद इसमें पानी डालें और धीमे-धीमे चलते रहें. अब इसमें बचा शुद्ध घी डाल दें. कटे हुए ड्राई फ्रूट्स भी डाल दें. गैस को ऑफ कर दें. 5 मिनट हलवे को ढक दें. इसके बाद इसमें आधा कप पानी और डालकर धीमी आंच पर हलवे को उलट पलट कर पकाएं जब पानी सूख जाए तब हलवे को प्लेट में सजा दें.

रीता गुप्ता

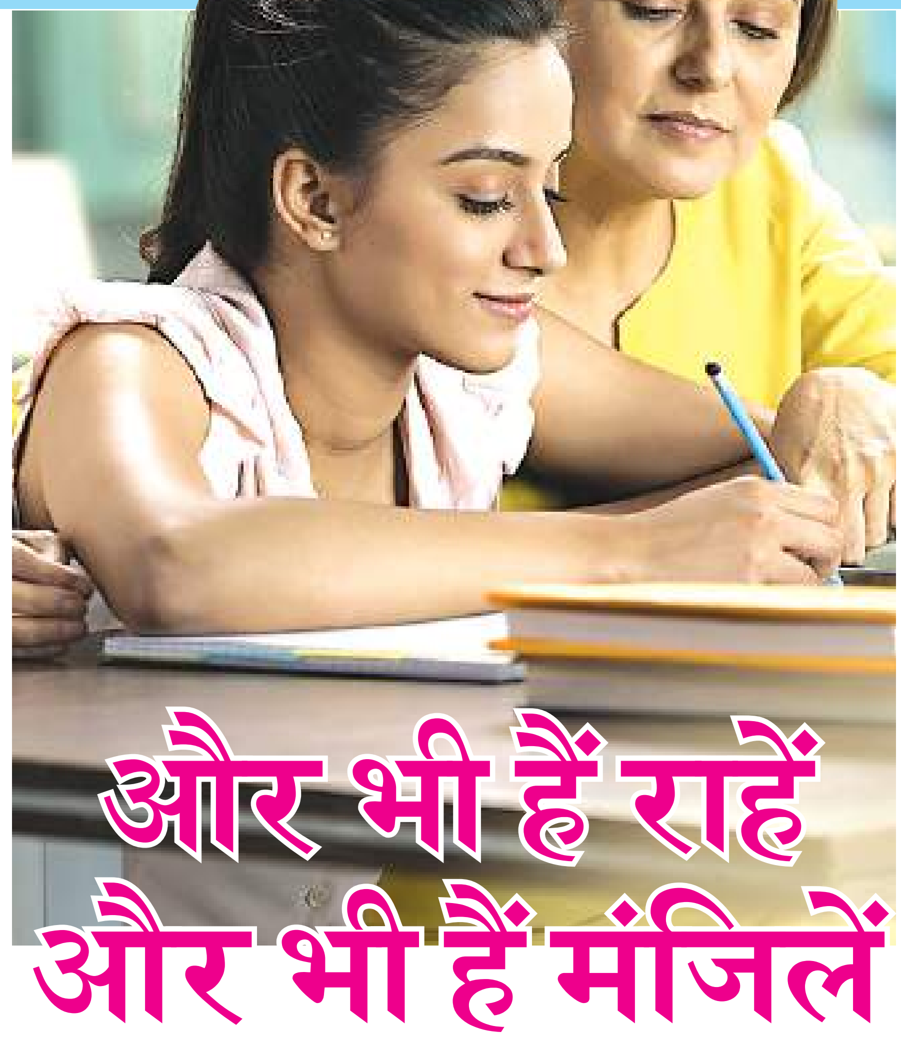

और भी हैं राहें और भी हैं मंजिलें

मैं अपनी सोसायटी की सेक्रेटरी हूं. उस दिन कुछ जरुरी कार्य से कुछ घरों में जाने का मौका मिला. संयोग से उस दिन आईआईटी का रिजल्ट आया था. सबसे पहले मैं झा जी के घर पहुंची, देखा कि वहां मिठाइयां बंट रही है क्योंकि उनकी बेटी ने सफलता प्राप्त किया था. बेटी को आशीर्वाद देती और मिठाई खाती मैं अपना काम कर उनके घर से निकली.

दो-चार घर के बाद मैं चौहान साहब के घर पहुंची, रिजल्ट तो यहां भी निकला था. दरवाजे से बाहर तक चौहान जी की कड़कती आवाज आ रही थी. असमंजस की स्थिति में मैं दाखिल हुई. कमरे से सिसकती हुई घुटी घुटी रोने की आवाज आ रही थी, शायद ये उनकी बीवी की आवाज थी. बेटा सर झुकाए पैर के नाख़ून से जमीन खुरचने की कोशिश कर रहा था.

"मैंने इसे कोटा पढने भेजा, पैसा को पैसा नहीं समझा. देखिये झा जी की बेटी को, उसका सिलेक्शन हो गया और ये जनाब......", चौहान जी आग उगल रहें थें. मैं उनसे साइन करा जल्दी से बाहर निकली.

अगला घर मेरी मित्र रंजना का था और मुझे पता था कि उसके बेटे ने भी आईआईटी की परीक्षा दी है. जाने की हिम्मत ही नहीं हो रही थी, पर दरवाजा खुला देख अंदर चला गया. देखा मां-बेटे आपस में कुछ खुसुर-फुसुर कर रहें हैं. सामने कुछ कालेजों और कोचिंग इंस्टिट्यूट के ब्रोशर पसरे हुए थे. मुझे देखते ही कहा- "हम देख रहें हैं कि दूसरा कौन कौन से अच्छे कालेज हैं जहां इसे दाखिला मिल सकता है. वैसे सोच रहा हूँ कि झा जी की बेटी ने जहां कोचिंग किया था वहां इसे दाखिला दिला दूं. अब ये जो कहे."

ये एक आम सा नज़ारा है प्रतियोगी परीक्षाओं के बाद, जब उनके रिजल्ट निकलतें हैं. सफलता और असफलता एक ही सिक्के के दो पहलू हैं.

एक वक्त था जब शिक्षा ज्ञान प्राप्ति का माध्यम हुआ करता था. धीरे-धीरे शिक्षा आजीविका से जुड़ती गयी और आजीविका से जुड़ाव इसे अर्थ से जोड़ती गयी. अब तो हालात ये है कि शिक्षा का मूल कारण ही "नौकरी" पाना है. हमारे देश की जनसंख्या ही इतनी अधिक है कि नर्सरी से ले कर उच्च शिक्षा तक सभी जगह दाखिला के लिए मारा-मारी मची रहती है. भारतीय बच्चे छुटपन में ही थ्योरी "सर्वाइवल ऑफ़ द फिट्टेस्ट" यानी सर्वोत्तम ही सफल होगा के मूल मन्त्र को समझने लगते हैं. क्यूंकि बचपन से पापा-मम्मी क्लास के, अड़ोसी-पडोसी. रिश्तेदारों सभी के बच्चों से अधिक नंबर लाने की होड़ शुरू कर देते हैं. स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धाएं हितकारी होती हैं, एक दूसरे के साथ स्वस्थ प्रतियोगिता में बच्चा बेहतर प्रदर्शन करता है. परन्तु आज बच्चों पर अनावश्यक और कई परतों में इतना तनाव रहता है कि उसमें बचपन कहीं गुम सा जाता है. ये तनाव चरम पर तब दिखता है जब बोर्ड इम्तहान और प्रतियोगी परीक्षाओं के दौर शुरू होते हैं. दसवीं-बारहवीं की बोर्ड की परीक्षाएं और फिर प्रतियोगी परीक्षाओं का दौर. बोर्ड में अच्छे मार्क्स और प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर से बेहतर प्रदर्शन करने का तनाव विद्यार्थी के साथ-साथ उसके माता-पिता पर भी होता है.

आखिर ये तनाव होता क्यों है

बच्चों का टॉप संस्थान में पढ़ना मां-बाप का स्टेटस सिंबल होता है. अपना भविष्य उन्हें सुरक्षित महसूस होता है. बच्चे की क्षमताओं, काबलियत और रुझान की सीमाओं को जाने बिना अपेक्षाओं के बोझ डाल मैदान में उतार दिया जाता है. कोचिंग के नाम पर पानी की तरह पैसा बहा कर बच्चे को सीमा से बाहर जा मेहनत करने को बाध्य किया जाता है. सभी अपने बच्चे को टॉप रैंक वाले कॉलेज में ही पढने भेजना चाहतें हैं. सीट होतें हैं गिनती के और परीक्षार्थी होतें हैं कई गुणा अधिक, फिर तनाव होना तो लाजमी ही है क्यूंकि अब सबके तो होने से रहे.

तनाव का नतीजा

तनाव का नतीजा प्रदर्शन और फलत: परिणाम में देखने को मिलता है. तनाव नहीं झेल पाने के कई विस्फोटक नतीजे दिखतें हैं. बच्चे टूट जाते हैं, निराशा के भंवर में डूबने लगतें हैं. उनमें हीनता का भाव आता है. जानता हुआ सवाल बच्चा परीक्षा हॉल में गलत कर आता है. नींद नहीं आना, हाथ-पांव कांपना, भूख नहीं लगना, किसी से बात नहीं करना, गुमसुम रहना इत्यादि कई लक्षण है जब पेरेंट्स को समझ लेना चाहिए कि बच्चे की आत्म विश्वास की गाडी पटरी से उतर रही है. कई शिक्षण संस्थान, कोचिंग सेंटर, कोटा इत्यादि में इतना अधिक प्रेशर होता हैं सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए कि बच्चे आत्म हत्या तक कर लेते हैं.

तनाव से लड़ने के सूत्र

- सबसे पहले तो माता-पिता बच्चे को ये आश्वस्त करें कि वो उनको बहुत प्यार करते हैं. ये आश्वासन उनके बच्चों के लिए लाइफ जैकेट की तरह काम करेगी. उनको ये भरोसा रहेगा चाहे कुछ भी परिणाम हो उनके माता-पिता उनके साथ हैं.
- पेरेंट्स और बच्चे दोनों खुद को पहले से ही प्रतियोगिता, उसकी तैयारियों और किसी भी तरह के रिजल्ट हेतु मानसिक रूप से तैयार रखें. राह की कठिनाइयों का पहले से अनुमान होना बाद की तकलीफों को सहने में मदद करती है.
- दूसरों के बच्चे या किसी सहपाठी के बेहतर रिजल्ट को देख हौसला नहीं हारें, बल्कि प्रेरणा ग्रहण करें.
- लोग क्या सोचेंगें, इस बात की परवाह बिलकुल ना करें. पेरेंट्स और बच्चों का अधिकतम तनाव इसी बात का होता है कि अड़ोसी पडोसी, रिश्तेदार, सहपाठी नंबर कम आने पर क्या बोलेंगे. याद रखें, कुछ तो लोग कहेंगे क्यूंकि लोगो का काम है कहना.
- नकारात्मक लोग और नकारात्मक सोच से दूर रहें.
- योग, कसरत, टहलना इत्यादि हल्का फुल्का जरूर करें. पशु-पक्षी के साथ कुछ वक़्त बिताना तथा संगीत दिमाग को रिलैक्स करने में मदद करता है.
- नींद अवश्य पूरी लें. कुछ लोग 4-5 घंटों की नींद में फ्रेश हो लेते हैं तो कुछ को 6-7 घंटे की नींद की जरुरत होती है.
- अपनी क्षमताओं और सीमा को पहचानते हुए व्यावहारिक रहें. काल्पनिक और अव्यावहारिक सोच अक्सर बहुत तनाव देतें हैं.
- जरुरत लगे तो बच्चे को काउंसलर के पास अवश्य ले जाएं. यूं तो माता-पिता से बढ़ कर उनके बच्चे को कोई नहीं समझता परन्तु कितनी बार वे समझाने में असफल हो सकतें हैं, सो बच्चे को तनाव से राहत दिलाने में ये प्रोफेशनल काउंसलर एक अहम् भूमिका निभा सकतें हैं.

क्या होगा जब रिजल्ट मन मुताबिक ना हो?

- सच पूछा जाये तो कुछ नहीं होगा यदि बोर्ड एग्जाम या किसी संस्थान की प्रवेश परीक्षा में बच्चा कम नंबर लाता है. क्या हुआ जो नंबर कम आये? कम से कम आप उनलोगों से ज्यादा खुशकिस्मत हैं जिनके बच्चे मंद बुद्धि हैं या जो नि:संतान हैं. क्या हुआ जो आपके बच्चे का टॉप रैंक वाले कॉलेज में दाखिला न हो सका? कुछ नहीं हुआ. नीचे रैंक वाले संस्थानों से भी बच्चे पढ़ कर जिन्दगी में बहुत अच्छा कर सकते हैं/ करते हैं.
- अगर लगता है कि एक मौका देने से बच्चा बेहतर कर सकता है तो उसे एकाध बार मौका और देना ही चाहिए. यदि उसके बाद भी नहीं हो तो कम से कम ये मलाल तो नहीं रहेगा कि कोशिश नहीं किया.
- नंबर कम आना कहीं ये इंगित तो नहीं कर रहा कि ये विषय या फील्ड आपके बच्चे के रुझान का नहीं है? कहीं आप किसी कलाकार, पेंटर, एथलीट, साहित्यकार, कवि या संगीतकार को डॉक्टर या इंजिनियर बनाने पर नहीं तुले हैं? ये बिलकुल मछली को पेड़ पर चढाने की कवायद जैसी बात होगी.
- प्रवेश परीक्षा में असफलता बहुत छोटी सी बात है आगे जिन्दगी में बहुत सारी और बड़ी बड़ी परीक्षाएं बाकि हैं. इसे छोटी समझ आगे की राह तलाशना ज्यादा जरुरी है.
- लिहाजा अगर आपका बच्चा ज्यादा नंबर लाता है तो बहुत अच्छी बात है लेकिन अगर वह ज्यादा नंबर नहीं ला सका तो तो आप बच्चे से उसका आत्मविश्वास और उसका स्वाभिमान ना छीन ले. उन्हें हौसला दीजिएगा कि कोई बात नहीं यह एक छोटा सा इम्तिहान है, वह तो जिंदगी में इससे भी कुछ बड़ा करने के लिए बनाए गए हैं. कम मार्क्स के बाद भी आप उसके साथ हैं और उसे प्यार करते हैं, यह अहसास दिलाएं. आपके द्वारा किया गया भरोसा और स्नेह ही फिर से दुनिया के मैदान में अगली जंग के लिए उनके हौसले को बुलंद करेगा.

नजर ठिठकेंगी इन फूल लदी लताओं पर

सुंदर लटकती फूलों वाली बेल यानी क्रीपर्स घर की सुंदरता में चार चांद लगा देती है. बालकनी, छत, बाउंड्री, रेलिंग आदि पर लटकी ये लताएं देख एकबारगी से सबकी आंखें ठिठक सी जाती हैं. कई बार तो ये घर की पहचान भी बन जाती हैं. आइए, आज कुछ ऐसी फूलों वाली लताओं की करें बात जिन्हें मार्च महीने में लगाया जा सकता है.

बोगनवेलिया

बोगनवेलिया वसंत या गर्मियों की शुरुआत में इसे लगा सकते हैं. इसकी लताओं पर बैंगनी, ऑरेंज, सफेद, पीले, गुलाबी, लाल रंगों के फूल आते हैं. पूरे साल ही फूलों से लदी-फदी रही हैं लताएं. इसे ऐसी जगह लगाएं जहां खूब धूप आती हो. पानी तभी डालें जब जड़ के पास मिट्टी सूखी दिखे. इसे कटिंग की सहायता से लगाया जा सकता है.

मधुमालती या वसंतमालती

मधुमालती की बेल कटिंग से उगाना चाहती हैं तो मार्च से अप्रैल तक का समय मुफीद है. हालांकि बसंत से बरसात तक इसे आराम से लगाया जा सकता है. इसे रंगून क्रीपर, चायनीज हनीसकल, मधुमंजरी और झुमका बेल भी कहा जाता है. इसे ऐसी जगह लगाएं जहां सीधी धूप मिलती हो. इसके बौने संकर को 12 इंच के गमले में छत पर भी लगा सकती हैं.

अपराजिता बेल/शंखपुष्पी

इस बेल की नीले, बैंगनी, पिंक व सफेद रंग के फूलों की प्रजातियां पाई जाती है. इसकी पत्तियां अंडाकार, छोटी और तने पतले होते हैं. इस बेल में छोटी-छोटी फलियां भी लगती हैं, जिससे अपराजिता के बीज मिलते हैं. इसे बालकोनी में भी लगा सकते हैं. कुछ घंटे की धूप इसके लिए पर्याप्त है. यह 5-10 फुट तक बढ़ती है. इसे गोबर या जैविक खाद देनी चाहिए.

मोगरा

छोटी झाड़ी के रूप में यह 1.5-2 फुट से लेकर लता के रूप में इसकी ऊंचाई 10 फुट तक हो सकती है. इनकी खुशबू बहुत लुभावनी होती है. मार्च महीने में इसे गमले में लगा रहे हैं तो मिट्टी में बालू या कोकोपीट मिक्स करें. इसमें गोबर या वर्मी कम्पोस्ट खाद दें. इसे खूब धूप की जरूरत होती है. इसलिए ऐसी जगह लगाएं जहां तेज धूप आती है.

स्टार ग्लोरी या गणेश बेल

इसके छोटे, नाजुक तारे के आकार के फूल होते हैं, जो ज्यादातर चमकीले लाल, गुलाबी या सफेद रंग के होते है. गणेश वेल का अनोखा नाम इसके फूल के कारण है, जो तुरही के आकार का होता है और भगवान गणेश जैसा दिखता है. कटिंग से से भी इसे लगाया जा सकता है. इसे ऐसी जगह पर रखें जहां करीब 6 घंटे धूप आती हो.

नेहा प्रसाद

बड़े इरादों वाली हैं छोटे से गांव की नेहा

मैक्लुस्कीगंज के एक छोटे से गांव में जन्म लेने वाली नेहा प्रसाद अपने शिक्षक पिता की परवरिश को धन्यवाद देती हैं जिन्होंने उनके व्यक्तित्व को विस्तृत आयाम दिया. नब्बे के दशक में जब स्कूल लड़कियों का गांव में साइकिल चलाना भी कम ही दिखता था, नेहा के पिता ने उन्हें बुलेट, बाइक और फोन व्हीलर चलाना सिखाया. सही को सही और गलत को गलत कहने का साहस दिलाया. नन्हीं सी उम्र में वॉलीबॉल के प्रति दिल में ऐसा प्रेम और माहौल दिया कि वे इस फील्ड में राष्ट्रीय स्तर तक पहुंची. ख्वाहिश तो थी कि खेल में ही अपना करियर बनाए पर नियति ने कुछ और सोचा था. वर्ष 2003 में उनके पिता की अचानक मृत्यु हो गई और वे अनुकंपा के आधार पर सरकारी स्कूल में शिक्षिका बन गईं. जल्दी ही पिता के स्थान यानी प्रिंसिपल भी बनीं.

नेहा स्कूल की नौकरी के अलावा सोशल सर्विस में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेती हैं. आसपास जहां जिसे खाने-पहनने ओढ़ने की तकलीफ देखी, उसे पूरा करने खुद पहुंची. बकौल नेहा, गर मैं समृद्ध घर से हूं और जरुरतमंद को कंबल, कपड़े, खाना आदि दे सकती हूं, तो देना मेरा कर्तव्य है. आसपास जहां कहीं भी घरेलू हिंसा देखतीं, इसके विरुद्ध आवाज बुलंद करती हैं. अपने सरकारी स्कूल को पठन-पाठन और साज-सज्जा की दृष्टि से निजी स्कूल से कहीं बेहतर बनाने की कोशिश की है जिसकी तारीफ भी संबद्ध लोगों से मिलती रहती है.

advt

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

आईपीएल से शमी का बाहर रहना तय, बायें टखने में दर्द से काफी परेशान थे भारत के तेज गेंदबाज

शमी के टखने का लंदन में सफल ऑपरेशन, टी-20 विश्व कप में खेलना संदिग्ध

भाषा । नयी दिल्ली

भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के बायें टखने (अकिलीज़ टेंडन) का सफल ऑपरेशन हुआ है जिसके कारण वह अगले महीने से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में नहीं खेल पाएंगे. इस कारण से वह जून में होने वाले टी-20 विश्व कप से भी बाहर रह सकते हैं. इस 33 वर्षीय गेंदबाज ने पिछले साल वनडे विश्व कप में भारत को फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी. उन्होंने भारत की तरफ से अपना अंतिम मैच 19 नवंबर 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप फाइनल के रूप में खेला था. उनका सोमवार को लंदन में ऑपरेशन किया गया. शमी जल्द से जल्द अपने पैरों पर खड़ा होना चाहते हैं लेकिन उनको फिट होने में तीन महीने का समय लग जाएगा. इस कारण वह 22 मार्च से 26 मई तक होने वाले आईपीएल में नहीं खेल पाएंगे.

उनका जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी-20 विश्व कप में खेलना भी संदिग्ध है. वनडे विश्व कप में 24 विकेट लेने वाले शमी दर्द के बावजूद इस टूर्नामेंट में खेले थे. वह टखने में विशेष इंजेक्शन लगाने के लिए जनवरी में लंदन चले गए थे. उन्हें हालांकि इससे कोई फायदा नहीं हुआ जिसके बाद उन्हें ऑपरेशन करवाना पड़ा.

ऑपरेशन सफल हुआ, उबरने में समय लगेगा लेकिन मैं फिर से अपने पैरों पर खडे होने के लिए उत्सुक हूं - मोहम्मद शमी

लंदन में सफल हुआ शमी के अकिलीज टेंडन का ऑपरेशन

गुजरात टाइटंस को झटका

शमी का आईपीएल से बाहर होना गुजरात टाइटंस के लिए करारा झटका है, जिसके ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पहले ही मुंबई इंडियंस से जुड़ चुके हैं. शमी ने पिछले साल आईपीएल में अपनी टीम की तरफ से सर्वाधिक विकेट लेकर उसे फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी. शमी को हाल में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. उन्होंने अभी तक एक दशक के अपने करियर में टेस्ट क्रिकेट में 229, वनडे में 195 और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 24 विकेट लिए हैं. इस घटनाक्रम से राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) द्वारा शमी के लिए तैयार किए गए रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम पर भी सवालिया निशान लग गया है.

अक्टूबर-नवंबर में वापसी की संभावना

इस तेज गेंदबाज के बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ अक्टूबर नवंबर में भारत में होने वाली टेस्ट शृंखलाओं से पहले वापसी करने की संभावना नहीं है. उनका लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी धरती पर होने वाली टेस्ट शृंखला में वापसी करना होगा.

शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं: मोदी

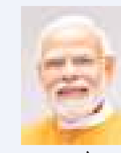

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के ऑपरेशन के बाद शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की. मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि मैं आपके शीघ्र स्वस्थ होने और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं मोहम्मद शमी. मुझे पूरा विश्वास है कि आप अपने अंदर रचे बसे साहस के कारण जल्द ही इस चोट से उबर जाएंगे.

रणजी ट्रॉफी : 78 वर्ष में पहली बार 10 व 11 नंबर के बल्लेबाजों ने जड़ा शतक

मुंबई की टीम सेमीफाइनल में

भाषा । मुंबई

बड़ौदा के खिलाफ रणजी ट्रॉफी क्वार्टरफाइनल मैच में मुंबई के नंबर-10 और नंबर-11 बल्लेबाजों ने शतक बनाए हैं. मुंबई की दूसरी पारी में नंबर-10 पर आने वाले तनुष कोटियन ने नाबाद 120 और नंबर-11 पर आने वाले तुषार देशपांडे ने 123 रन की पारी खेली. यह फर्स्ट क्लास क्रिकेट के इतिहास में दूसरा मौका है जब किसी पारी में नंबर-10 और नंबर-11 बल्लेबाजों ने शतक जड़ा है. इससे पहले 1946 में इंग्लैंड में सरे काउंटी के खिलाफ भारतीय टीम की ओर से चंदु सरवटे और शुते बनर्जी ने नंबर-10 और नंबर-11 पर बैटिंग करते हुए सेंचुरी जमाई थी. तनुष और तुषार की सेंचुरी की बदौलत मुंबई ने अपनी दूसरी पारी में 569 रन बनाए और बड़ौदा के सामने जीत के लिए 600 रन का टारगेट रखा. इसके जवाब में आखिरी दिन का खेल खत्म होने तक बड़ौदा ने तीन विकेट खोकर 121 रन बनाए और मैच ड्रॉ हो गया. वहीं मुंबई ने पहली पारी में बढ़त के आधार पर सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया. इससे पहले मुंबई ने अपनी पहली पारी में 384 रन बनाए थे. जवाब में बड़ौदा की पहली पारी 348 रन के स्कोर पर सिमट गई थी. दूसरी पारी में मुंबई के 9 विकेट 337 रन के स्कोर पर गिर गए थे. इसके बाद तनुष और तुषार ने आखिरी विकेट के लिए 232 रन की पार्टनरशिप की. तनुष ने अपनी पारी में 129 गेंदों का सामना किया और 10 चौके और 4 छक्के जमाए. वहीं, नंबर-11 तुषार ने 129 गेंदों का सामना करते हुए 10 चौके और 8 छक्के जमाए.

मुंबई- बड़ौदा के बीच मैच ड्रॉ, पहली पारी में बढ़त के आधार पर मुंबई सेमीफानल में

कर्नाटक को हराकर विदर्भ सेफा. में

नागपुर । हर्ष दुबे और आदित्य सरवटे के चार-चार विकेट की बदौलत विदर्भ ने मंगलवार को यहां कर्नाटक को 128 रन से हराकर रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में जगह बनाई. कर्नाटक ने 371 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिन की शुरुआत एक विकेट पर 103 रन से की थी. मंगलवार को मैच के पांचवें और अंतिम दिन सुबह के सत्र में कर्नाटक ने लगातार विकेट गंवाए जिससे उसकी जीत दर्ज करने की उम्मीदें टूट गईं. कर्नाटक को अंतिम दिन 268 रन की दरकार थी जबकि उसके नौ विकेट शेष थे लेकिन दुबे और सरवटे की धारदार गेंदबाजी की बदौलत विदर्भ की टीम बड़ी जीत दर्ज करने में सफल रही. कर्नाटक ने सुबह के सत्र में शुरुआती घंटे में ही कप्तान मयंक अग्रवाल (70), निकिन जोस (00) और मनीष पांडे (01) के विकेट गंवा दिए. इन सभी को सरवटे (78 रन पर चार विकेट) ने पवेलियन की राह दिखाई. अनीष केवी दूसरे छोर पर टिककर खेल रहे थे लेकिन 40 रन बनाने के बाद रन आउट हो गए जिससे कर्नाटक की जीत की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा. हार्दिक राज (13) के साथ छठे विकेट के लिए 40 रन जोड़कर अनीष पारी को संवारने की कोशिश कर रहे थे. दुबे (65 रन पर चार विकेट) ने कर्नाटक के निचले क्रम को समेटा.

टी-20 : नामीबिया ने नेपाल को हराया

लॉफ्टी ने बनाया सबसे तेज शतक

भाषा । कीर्तिपुर (नेपाल

नामीबिया के यान निकोल लॉफ्टी-ईटन ने मंगलवार को यहां त्रिकोणीय शृंखला के पहले मैच में नेपाल के खिलाफ 33 गेंद में शतक के साथ टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास का सबसे तेज शतक जड़ा. मध्य क्रम के बल्लेबाज लॉफ्टी-ईटन ने नेपाल के कुशाल मल्ला के 34 गेंद में शतक के रिकॉर्ड को तोड़ा. मल्ला ने पिछले साल हांगझोउ एशियाई खेलों के दौरान यह उपलब्धि हासिल की थी जब उनकी टीम ने मंगोलिया के खिलाफ तीन विकेट पर 314 रन का विश्व रिकॉर्ड स्कोर बनाया था. लॉफ्टी-ईटन ने सिर्फ 36 गेंद में 101 रन की पारी खेली. उन्होंने 11 चौके और आठ छक्के लगाए तथा 280.55 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए. बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 92 रन बाउंड्री से जुटाए.

बाइस साल के लॉफ्टी-ईटन ने अब तक 33 टी-20 अंतरराष्ट्रीय और 36 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं. यह उनका पहला अंतरराष्ट्रीय शतक है. लॉफ्टी-ईटन के अलावा सलामी बल्लेबाज मलान क्रूगर ने भी नाबाद 59 रन की पारी खेली जिससे नामीबिया ने चार विकेट पर 206 रन बनाए. नेपाल की टीम इसके जवाब में 19वें ओवर में 186 रन पर सिमट गई. दीपेंद्र सिंह ऐरी (48) नेपाल की ओर से शीर्ष स्कोरर रहे. नामीबिया की ओर से रूबेन ट्रंपलमैन ने 29 रन देकर चार विकेट चटकाए. टूर्नामेंट की तीसरी टीम नीदरलैंड है.

33 गेंद में लॉफ्टी-ईटन ने जड़ा शतक

- नेपाल के कुशाल मल्ला का रिकॉर्ड तोड़ा

खिलाड़ी	गेंद	मैच	वर्ष
जान निकोल लॉफ्टी-ईटन	33	नामीबिया बनाम नेपाल	2024
कुशल मल्ला	34	मंगोलिया बनाम नेपाल	2023
डेविड मिलर	35	दक्षिण अफ्रीका बनाम बांग्लादेश	2017
रोहित शर्मा	35	भारत बनाम श्रीलंका	2017
एस विक्रमशेखर	35	चेक गणराज्य बनाम तुर्की	2019

भारती महिला टीम का दक्षिण एशिया के बाहर टूर्नामेंट जीतने का सपना टूटा

तुर्की कप में उपविजेता रहा भारत

- कोसोवो ने भारतीय टीम को 1-0 से हराया
- कोसोवो ने लगातार दूसरा खिताब जीता

भाषा । अलान्या (तुर्की)

भारतीय महिला फुटबॉल टीम का दक्षिण एशिया क्षेत्र से बाहर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट जीतने का सपना मंगलवार को यहां टूट गया जब तुर्की महिला कप के अंतिम राउंड रोबिन मैच में कम रैंकिंग वाली कोसोवो की टीम ने इंजरी टाइम में गोल दागकर उसे हरा दिया.दुनिया की 100वें नंबर की टीम कोसोवा ने एर्लेटा मेमेटी (90 प्लस दो) के गोल की मदद से 1-0 से जीत दर्ज की. कोसोवो ने फीफा रैंकिंग में 65वें स्थान पर मौजूद भारत तीन मैच में छह अंक के साथ उप विजेता रहा. टूर्नामेंट में तीसरी बार हिस्सा ले रही भारतीय महिला फुटबॉल टीम का यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है. टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए भारत की मनीषा कल्याण को सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर चुना गया. भारत के लिए यह करो या मरो का मुकाबला था.

कोसोवो ने पिछला मुकाबला नवंबर 2022 (स्लोवेनिया के खिलाफ 1-3 की हार) में गंवाया था और भारत के खिलाफ ड्रॉ से ही उसका खिताब पक्का हो जाता लेकिन टीम ने इससे भी बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की.भारत ने हांगकांग के खिलाफ पिछले मैच से एक बदलाव करते हुए कार्तिका अंगमुथु की जगह संगीता बासफोर को मैदान में उतारा. भारत ने शुरुआत में ध्यान कोसोवो को रोकने पर दिया. पहले हाफ में भारत की ओर से सौम्या गोगुलोथ को सर्वश्रेष्ठ मौका मिला. प्यारी शाशा ने गेंद को अपने कब्जे में लेने के बाद इंदुमति कथिरेसन की ओर बढ़ाया जिन्होंने डिफेंस को छकाते हुए गेंद सौम्या की ओर बढ़ाई.

टेस्ट मैच की फीस बढ़ा सकता है बीसीसीआई

नयी दिल्ली । भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने कुछ दिनों पहले ही अपने सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट खिलाड़ियों के लिए घरेलू रेड बॉल टूर्नामेंट में अनिवार्य रूप से खेलने का नियम बनाया था. बीसीसीआई टेस्ट मैच की फीस बढ़ाने का विचार कर रही है, जिससे प्लेयर्स क्रिकेट के सबसे पुराने और लंबे फॉर्मेट के प्रति आकर्षित हो और पहले से ज्यादा फोकस करें.

मीडिया सूत्रो की माने तो बोर्ड ने ईशान किशन द्वारा घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए टीम मैनेजमेंट के निर्देश को नजरअंदाज करने और इसके बजाय अगले महीने से शुरू होने वाले आईपीएल की तैयारी करने का विकल्प चुनने के मद्देनजर वेतन संरचना को फिर से तैयार करने का फैसला किया है. बोर्ड के एक सूत्र ने कहा कि उदाहरण के लिए, यदि कोई एक कैलेंडर ईयर में सभी टेस्ट सीरीज खेलता है, तो उसका कॉन्ट्रेक्ट बढ़ाने के अलावा, अतिरिक्त पुरस्कार दिया जाना चाहिए.

एलेना नॉर्मन ने हॉकी इंडिया के सीईओ पद से दिया इस्तीफा

दो गुट में बंटी है हॉकी इंडिया : नॉर्मन

भाषा । नयी दिल्ली

लंबे समय तक हॉकी इंडिया की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रही एलेना नॉर्मन ने त्यागपत्र दे दिया है और उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय से उनका वेतन रोका गया था तथा महासंघ में आपसी गुटबाजी के कारण काम करना मुश्किल हो गया था. ऑस्ट्रेलिया की रहने वाली नॉर्मन लगभग 13 वर्ष से यह पद संभाल रही थी और उन्हें पिछले तीन महीने से भुगतान नहीं किया गया था. हॉकी इंडिया के नॉर्मन के पद छोड़ने के संबंध में किसी कारण का उल्लेख किए बिना बयान जारी करने के बाद इस ऑस्ट्रेलियाई ने कहा कि (वेतन से जुड़े हुए) कुछ मुद्दे थे. नॉर्मन ने कहा कि हॉकी इंडिया में दो गुट हैं. एक तरफ मैं और (अध्यक्ष) दिलीप टिर्की हैं तथा दूसरी तरफ (सचिव) भोलानाथ सिंह, (कार्यकारी निदेशक) कमांडर आर के श्रीवास्तव और (कोषाध्यक्ष) शेखर जे मनोहरन हैं। दो गुटों की आपसी लड़ाई में काम करना मुश्किल हो रहा था. नॉर्मन का त्यागपत्र भारतीय महिला हॉकी टीम की मुख्य कोच यानेक शोपमैन के उस बयान के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि राष्ट्रीय महासंघ उन्हें महत्व नहीं देता और उनका सम्मान नहीं करता. नॉर्मन का त्यागपत्र राष्ट्रीय महासंघ के लिए एक और झटका है. हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप टिर्की ने नॉर्मन का त्यागपत्र स्वीकार करते हुए उनका आभार भी व्यक्त किया.

लगाया आरोप

- नॉर्मन ने कहा- लंबे समय से उनका वेतन रोका गया
- आपसी गुटबाजी के कारण काम करना मुश्किल हो गया

नॉर्मन के पद पर रहते भारत को मिली कई सफलता

नॉर्मन के शीर्ष पद पर रहते हुए भारत की पुरुष और महिला टीमों ने अपनी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की थी. यही नहीं पुरुष टीम ने तोक्यो ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतकर 41 साल से चले आ रहे पदक के इंतजार को खत्म किया था. इन खेलों में महिला टीम भी चौथे स्थान पर रही थी. नॉर्मन ने अपने कार्यकाल का अधिकतर समय अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ के पूर्व अध्यक्ष नरिंदर बत्रा के हॉकी इंडिया का प्रमुख रहते हुए बिताया.

टेस्ट शृंखला : हमारे पास भारत के साथ प्रतिस्पर्धा करने का मौका तक नहीं था

भारतीय टीम को कड़ी चुनौती देने पर गर्व : बेन स्टोक्स

भाषा । रांची

- पांच मैच की शृंखला में भारतीय टीम 3-1 से आगे
- स्टोक्स व मैकुलम की जोड़ी ने पहली बार कोई शृंखला गंवाई

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा कि वर्तमान टेस्ट शृंखला में उनके पास भारत के साथ प्रतिस्पर्धा करने का मौका तक नहीं था लेकिन इसके बावजूद उन्होंने मेजबान टीम को कड़ी चुनौती दी और इसलिए उन्हें अपने खिलाड़ियों पर गर्व है. भारत ने इंग्लैंड को चौथे टेस्ट मैच में 5 विकेट से हराकर पांच मैच की शृंखला में 3-1 से अजेय बढ़त हासिल कर ली है. इंग्लैंड ने स्टोक्स के कप्तान और ब्रैंडन मैकुलम के मुख्य कोच बनने के बाद पहली बार कोई शृंखला गंवाई है. स्टोक्स ने कहा कि 3-1 अच्छा नहीं लग रहा है लेकिन जिस तरह से हमने भारत को कड़ी चुनौती दी उस पर मुझे गर्व है. उन्होंने कहा कि यहां तक कि हमारे पास भारत के साथ प्रतिस्पर्धा करने तक का मौका नहीं था लेकिन रांची टेस्ट भी हमने भारत को आसानी से नहीं जीतने दिया और मुझे लगता है कि वे इसे स्वीकार करेंगे. इंग्लैंड ने चौथे टेस्ट मैच में एक समय अच्छी वापसी कर दी थी. चौथे दिन 192 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत का स्कोर एक समय पांच विकेट पर 120 रन था. इसके बाद शुभमन गिल और ध्रुव जुरेल ने 72 रन की अटूट साझेदारी करके भारत को लक्ष्य तक पहुंचाया.

युवा खिलाड़ियों को भारतीय परिस्थितियों का अनुभव नहीं

स्टोक्स ने कहा कि हमारी युवा और कम अनुभवी टीम पिछले दो वर्ष से सफल रही है लेकिन भारत आना पूरी तरह से भिन्न होता है जिसका इस टीम को अभी तक अनुभव नहीं था. उन्होंने कहा कि हमने जिस तरह से उनकी हर चुनौती का कड़ा जवाब दिया उस पर मुझे वास्तव में गर्व है भले ही हमें हार का सामना करना पड़ा हो. हमारे प्रत्येक खिलाड़ी ने जिस तरह से आखिर तक हार नहीं मानी, उस पर मुझे गर्व है. कोई भी खिलाड़ी किसी भी समय पीछे नहीं हटा.

रणजी ट्रॉफी : अय्यर मुंबई की टीम में शामिल

मुंबई । मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को तमिलनाडु के खिलाफ दो मार्च से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के लिए मंगलवार को मुंबई की 16 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया. बड़ी पारी खेलने के नाकाम रहने और फिर पीठ से संबंधित समस्या से जूझने के कारण 29 वर्षीय अय्यर को इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी तीन टेस्ट मैच के लिए भारत की टीम में शामिल नहीं किया गया था. इसके बाद अय्यर और ऑलराउंडर शिवम दुबे मुंबई के क्वार्टर फाइनल मैच में भी नहीं खेले. अय्यर के महत्वपूर्ण रणजी मुकाबले से हटने के समय ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने घोषणा की कि खिलाड़ियों को अनिवार्य रूप से घरेलू मैच खेलने के लिए एक निर्देश जारी किया जाएगा.

झारखंड ने जीते 4 पदक

खेलो इंडिय वीमेन वुशु प्रतियोगिता का समापन

- 11 पदक के साथ मणिपुर ओवरऑल चैंपियन

संवाददाता । रांची

खेलो इंडिया सीनियर नेशनल वीमेन वुशु लीग का समापन मंगलवार को ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इंडोर स्टेडियम में हुआ. इस प्रतियोगिता में झारखंड ने कुल चार पदक जीते. राज्य की ओर से आस्था उरांव ने स्वर्ण, प्रिया गाड़ी ने रजत जबकि सोनली और तनुश्री ने कांस्य पदक जीता. वहीं 11 पदक के साथ मणिपुर पहले, सात पदक के साथ राजस्थान दूसरे और पांच पदक के साथ मध्यप्रदेश तीसरे स्थान पर रहा. समापन समारोह के अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि कांके के विधायक समरी लाल ने विजेता खिलाड़ियों को पदक व कैश पुरस्कार देकर सम्मानित किया.

2030 तक झारखंड को 10 ट्रिलियन रुपये की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य-वित्तमंत्री

घोषणाओं की झड़ी नहीं पुरानी योजनाओं पर ध्यान

रांची (शुभम संदेश टीम)। झारखंड सरकार ने चुनावी साल में अपने कार्यकाल का अंतिम बजट पेश किया। 1.28 लाख करोड़ के इस बजट में चंपई सरकार ने नई योजनाओं और घोषणाओं की झड़ी नहीं लगाई, बल्कि पहले से चल रही योजनाओं को मजबूती से धरातल पर उतारने के लिए संतुलित तरीके से बजट की राशि खर्च करने की योजना बनाई है. अपने बजट में भाषण में वित्तमंत्री रामेश्वर उरांव ने कहा कि सरकार ने बजट में राजकोषीय घाटा को नियंत्रित और कम से रखने को प्राथमिकता दी है. झारखंड को 2030 तक 10 ट्रिलियन रुपए की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर बजट बनाई गई है.

किस विभाग को कितनी राशि मिली

विभाग	राशि
कृषि विभाग	4606 .57 करोड़
ग्रामीण विकास	11316 .07 करोड़
जल संसाधन	2238 .06 करोड़
पंचायती राज	2066 .08 करोड़
महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा	8021 .93 करोड़
माध्यमिक शिक्षा	2314 .21 करोड़
उच्च एवं तकनीकी शिक्षा	2411 .77 करोड़
स्वास्थ्य विभाग	7223 करोड़
पेयजल एवं स्वच्छता	5686 .67 करोड़
खाद्य, सार्वजनिक वितरण, उपभोक्ता मामले	2860 .27 करोड़
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास	1053 .27 करोड़
एसटी, एससी, अल्पसंख्यक, पिछड़ा कल्याण	3523 .55 करोड़
पथ निर्माण	6398 .28 करोड़
ग्रामीण कार्य	5114 .03 करोड़
नागर विमानन	112 .93 करोड़
ऊर्जा विभाग	9378 .49 करोड़
उद्योग विभाग	484 .87 करोड़
भवन निर्माण विभाग	883 .23 करोड़
नगर विकास एवं आवास	3429 .86 करोड़
पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद, युवा कार्य	336 .16 करोड़
सूचना, प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस	303 .49 करोड़
गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन	9527 .20 करोड़

ग्रामीण विकास, शिक्षा और कृषि पर फोकस

चंपाई सरकार ने अपने बजट में सबसे अधिक फोकस ग्रामीण विकास और पंचायती राज पर रखा है. 2024-25 में सरकार इन दोनों क्षेत्र में 14 .35 फीसदी राशि खर्च करेगी. ग्रामीण विकास विभाग के लिए 11316 .07 करोड़ और पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने कि लिए 2066 .08 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है. इसके बाद शिक्षा पर फोकस किया गया है. शिक्षा के क्षेत्र में सरकार बजट की कुल राशि का 11 .42 फीसदी राशि खर्च करेगी. माध्यमिक शिक्षा के लिए 12314 .21 करोड़ और उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के लिए 2411.77 करोड़ रुपए खर्च किये जाएंगे. कृषि के क्षेत्र में सरकार ने 5 .31 फीसदी बजट राशि खर्च करने की योजना बनाई है. कृषि विभाग का बजट 4606 .57 करोड़ रुपये रखा गया है. वन एवं पर्यावरण पर सबसे कम 1.06% राशि खर्च की जाएगी.

किस क्षेत्र में कितनी % राशि होगी खर्च

क्षेत्र	राशि
ग्रामीण विकास और पंचायती राज	14 .35%
शिक्षा	11 .42%
स्वास्थ्य और पेयजल	9 .24%
लैंड रेवेन्यू, लेबर, टूरिज्म, आईटी	7 .84%
ऊर्जा	7 .28%
कल्याण और सामाजिक कल्याण	8 .96%
पुलिस और आपदा प्रबंधन	7 .39%
शहरी विकास और आवास	2 .66%
सड़क और ट्रांसपोर्ट	5 .19%
वन एवं पर्यावरण	1.06%
कृषि	5 .31%
पेंशन	6 .78%

इन योजनाओं पर होगी बजट की मोटी राशि खर्च

- 2024-25 में अबुआ आवास के लिए 4831.83 करोड़
- **सर्वजन पेंशन के लिए 3107 .40 करोड़**
- 280 .17 करोड़ से आंगनबाड़ी केंद्रों में सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी
- **90 करोड़ में 6 लाख लाभार्थियों को 1500 रुपये के मातृ किट दिये जाएंगे.**
- मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के लिए 468 करोड़
- **कृषि यंत्रों के वितरण और ट्रांसप्लांट के लिए 200 करोड़**
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए 50 करोड़ का बजट
- **24 .59 करोड़ में होंगे राज्य में 60 मिनी शीतगृहों के निर्माण**
- राज्य के 6 बड़े शहरों में 10 करोड़ से पलाश मार्ट बनेंगे
- **456 करोड़ से पलामू में पेयजल एवं सिंचाई योजनाएं क्रियान्वित होंगी**

ब्लॉक लेवल लीडर स्कूल : झारखंड की प्राथमिक-माध्यमिक शिक्षा में सुधार के लिए प्रखंडस्तरीय लीडर स्कूल का निर्माण कराया जाएगा. वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान सरकार पूरे झारखंड में करीब 325 प्रखंडस्तरीय लीडर स्कूलों और करीब 4,036 पंचायत स्तरीय आदर्श विद्यालयों का निर्माण कराने का लक्ष्य निर्धारित किया है.

मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना : उच्च शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा संस्थानों के नामांकन में सुधार के लिए सरकार की ओर से स्नातक व डिप्लोमा प्रोग्राम के लिए मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना की शुरुआत करेगी. इसके लिए डिप्लोमा कोर्स के लिए विद्यार्थियों को 15,000 रु. व स्नातक कोर्स के लिए 30,000 रु. की छात्रवृत्ति मिलेगी.

ऑनलाइन एजुकेशन : झारखंड में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार की ओर से बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा दी जाएगी. इसके लिए सरकार की ओर से लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम विकसित किया जा रहा है. इसके तहत छात्रों की ऑनलाइन क्लास, मूल्यांकन, प्रॉक्टरिंग और ग्रेडिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी.

बीआईटी सिंदरी में स्टेट टेक्नोलॉजी पार्क : झारखंड में छात्रों को व्यावसायिक और रोजगारपरक शिक्षा देने के लिए तकनीकी तौर पर भी मजबूत किया जाएगा. इसके लिए स्पेशल परपस व्हीकल के माध्यम से बीआईटी सिंदरी में स्टेट टेक्नोलॉजी पार्क की स्थापना होगी.

19 नए कॉलेज का निर्माण : इतना ही सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के सालाना बजट में 19 नए कॉलेज खोलने का प्रस्ताव किया है. इसमें 14 डिग्री कॉलेज और 4 महिला महाविद्यालय शामिल हैं.

टेरिटरी हेल्थ केयर : झारखंड सरकार टेरिटरी हेल्थ केयर को मजबूत बनाने के लिए आने वाले सालों में राजधानी रांची में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना करेगी. इसके साथ ही, पहले से संचालित रिम्स को सुदृढ़ीकरण और रिनपास के कैंपस में उपलब्ध जमीन पर एक मेडिको सिटी की स्थापना की जाएगी.

खाद्य सुरक्षा योजना : झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना का सुगम संचालन और किसानों को समय पर उनके धान के मूल्य की प्राप्ति को ध्यान में रखते हुए धान अधिप्राप्ति योजना के तहत खरीदे गए धान के निकलने वाले चावल से किया जाएगा. झारखंड में पहली बार कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) का इस्तेमाल किया जाएगा.

पीडीएस डीलरों के कमीशन में बढ़ोतरी : इसके साथ ही, सरकार ने अपने सालाना बजट में जनवितरण प्रणाली के डीलरों के कमीशन की बढ़ोतरी करने का भी प्रस्ताव किया है. झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के तहत डीलरों के कमीशन को 100 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर करीब 150 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है.

4जी बेस्ड ईपीओएस : आधार आधारित बायोमीट्रिक ऑथेंटिकेशन के जरिये अनाजों के वितरण के लिए 2जी नेटवर्क आधारित इलेक्ट्रॉनिक प्वाइंट ऑफ सेल (ईपीओएस) के स्थान पर 4जी नेटवर्क वाला ईपीओएस स्थापित होगा.

गरीबों की थाली में सब्जी : झारखंड के गरीब परिवारों को भोजन मुहैया कराने के लिए सरकार की ओर से चलाई जा रही दाल-भात योजना के साथ ही अब हर थाली में सब्जी भी परोसी जाएगी.

छात्रावासों का निर्माण : झारखंड के सालाना बजट में सरकार की छात्रावास निर्माण योजना के तहत उच्च शिक्षा हासिल करने वाले अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ फ्री में आवास की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राज्य के प्रमुख शहरों में मल्टीस्टोरी छात्रावास के निर्माण का प्रस्ताव किया गया है.

जयपाल सिंह मुंडा छात्रवृत्ति योजना : मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना के तहत यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन एंड नॉर्दन आयरलैंड के विश्वविद्यालयों व संस्थानों के चयनित कोर्स में उच्च शिक्षा (एमए, एमफिल) की डिग्री हासिल करने के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है.

रांची में इनर रिंग रोड : वर्ष 2024-25 के बजट में नए रोड का निर्माण, उसका नेटवर्क बढ़ाने और कोर रोड नेटवर्क कनेक्टिविटी विकसित करने के लिए निर्धारित नए रोड को शामिल करने का प्रस्ताव किया गया है. रोड अपग्रेडेशन मिनिमम इंटरमीडिएट लेन कॉन्फिगरेशन के रूप में किया जाएगा.

125 यूनिट बिजली फ्री : झारखंड सरकार की ओर से घरेलू उपभोक्ताओं को अब 100 यूनिट के स्थान पर 125 यूनिट बिजली फ्री में दी जाएगी. साथ ही पतरातू में 4000 मेगावाट के सुपर थर्मल पावर प्लांट स्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है.

जलापूर्ति योजना : अमृत 2.0 मिशन के तहत झारखंड में 8 जलापूर्ति योजना की शुरुआत की जाएगी. इनमें कपाली, जामताड़ा, गुमला, बरहरवा, हरिहरगंत, छत्तरपुर, श्रीवंशीधर नगर व लोहरदगा में इसके तहत निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा.

बजट भाषण की शुरुआत कविता से और अंत भी कविता से

रवि भारती/रांची। वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने लगातार पांचवीं बार झारखंड बजट पेश किया. चंपाई सरकार का यह आखिरी भी बजट भी है. बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री काफी कांफिडेंस में दिखे. बजट भाषण की शुरुआत कविता से की और अंत भी कविता से ही की. दोनों ही कविताएं काफी मोटिवेशनल रहीं. इन कविताओं के माध्यम से वित्त मंत्री ने पिछले चार साल की उपलब्धियों का बखान भी किया. 41 पेज के बजट भाषण में सोमरा-मंगरा के भी विकास की बात कही.

आज का कालखंड आने वाले भविष्य की नींव

वित्त मंत्री ने बजट भाषण के दौरान बड़े ही तार्किक अंदाज में कहा कि काल की शाश्वतता में आज का यह कालखंड हमारे आने वाले भविष्य की नींव है. कठिनाइयां और विषम परिस्थितियां मंजिल के लिए बाधा नहीं, बल्कि वे और ज्यादा दृढ़ प्रयास करने को प्रेरित और संकल्पित करतीं हैं. चंद्रोदय से पूरनमासी के सफर से आगे हमारी गठबंधन सरकार झारखंड के लोगों को विश्वास दिलाना चाहती है कि हम प्रगति और खुशहाली के उस रास्ते पर अग्रसर हैं, जहां विकास का सूरज कभी अस्त नहीं होता.

बजट भाषण के शुरू में ये कविता पढ़ी
हर विघ्न को हमने पार किया,
कांटों का झुरमुट साफ किया,
जब घटा कोरोना की छाई,
सुखाड़ उदासी भर लाई,
जब लगा सिमटने केंद्रीय अनुदान,
वित्तीय प्रबंधन बना समाधान,
हुआ अग्रसर तब अबुआ राज,
कुशल, बेहतर कर काम-काज,
विकास की गाड़ी घर-घर आई,
'सरकार आपके द्वार' खुशियां लाई.
बजट भाषण के अंत ये कविता पढ़ी
मैं दृष्टि श्रेष्ठ प्रबंधन का
जल, जमीन और जंगल का
हर हाथ को मिले जब रोजगार
अबुआ आवास की छत-दीवार
कर संपदा का सही इस्तेमाल
बने झारखंड समृद्ध-खुशहाल
गूंजे स्वर मीठे हर कौम से
खुशियां बरसेंगी तब व्योम से
लें प्रण, सब मिलकर करें प्रयास
हर 'सोमरा-मंगरा' का हो विकास.

जल, जंगल व जमीन को समर्पित है यह बजट : कांग्रेस

गठबंधन सरकार ने आज विधानसभा में जल, जंगल और जमीन की चेतना से संवेदित बजट वर्ष 2024-25 का राज्य की जनता को समर्पित की है. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि यह बजट अन्नदाता किसानों को कर्ज से राहत दिलाने और गरीबों को सिर ढकने के लिए अबुआ आवास योजना झारखंड का सराहनीय बजट है. इसमें वित्तीय सूझबूझ की झलक साफ दिखाई देती है, क्योंकि बजट सरकार के वित्तीय घाटा को कम करने में सफल है.

गांव के विकास को लेकर कोई परिकल्पना नहीं है : सुदेश महतो

आजसू विधायक दल के नेता सुदेश कुमार महतो ने झारखंड विधानसभा में सरकार द्वारा पेश किए गए बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि शिक्षा विभाग का बजट घटाना निराशाजनक है. साथ ही स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने को लेकर बजट में इच्छाशक्ति का अभाव है. झारखंड जैसे राज्य में शिक्षा, चिकित्सा के क्षेत्र में आमूलचूल बदलाव की जरूरत है. कोई भी प्रगतिशील राज्य शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र को विशेष महत्व देते हैं.

यह बजट असक्षम सरकार का आईना है : अमर कुमार बाउरी

झारखंड सरकार के बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि झामुमो-कांग्रेस-राजद कुशासन के अंतिम बजट में विफल हेमंत सरकार पार्ट-2 ने पूरे प्रदेश को निराश किया है. यह बजट कमजोर नेतृत्व, असमर्थ-असक्षम सरकार का आईना है. इस बजट से झारखंड को बहुत उम्मीद थी, लेकिन आज जन-उत्थान और विकास की रूपरेखा निर्धारित करने में यह सरकार विफल साबित हुई है.

इस बजट में छात्रों और युवा वर्ग के लिए कुछ भी नहीं है : ओम वर्मा

आजसू छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि राज्य सरकार द्वारा पेश वर्ष 2024 के बजट में छात्र और युवा वर्ग के लिए कुछ भी नहीं है. सरकार छात्र और युवा के नाम पर युवा पीढ़ी को बरगला कर इस सत्ता में आयी है. सरकार सत्ता के नशे में चूर होकर छात्र और युवा विरोधी कार्य कर रही है. शिक्षा का भी बजट कम कर दिया गया है. इससे आगे कहा कि न रोजगार, न शिक्षा और ना ही स्वास्थ्य व्यवथा ही अच्छा है.

विधायक विनोद सिंह ने जेपीएससी के पुराने मामले की सीबीआई जांच के हश्र पर उठाए सवाल

सीजीएल प्रश्न पत्र लीक पर विपक्ष सीबीआई जांच पर अड़ा

विशेष संवाददाता। रांची

जेएसएससी और सीजीएल प्रश्न पत्र लीक मामले में सदन में मंगलवार को भी हंगामा हुआ. अल्पसूचित प्रश्न काल में भाजपा विधायकों ने इसकी सीबीआई जांच की मांग पर अड़े रहे. नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने सदन में कहा की जेएसएससी मामले में सरकार उदासीन है. हम पहले दिन से सीबीआई जांच की मांग कर रहे. युवाओं को न्याय मिलने का रास्ता नहीं दिख रहा. सरकार इसे ठंडे बस्ते में डालने की कोशिश कर रही है. मैं फिर से सीबीआई जांच की मांग करता हूं. ऐसा नहीं हुआ तो युवाओं के भविष्य बर्बाद होने के लिए यह सरकार जिम्मेवार होगी. नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि उदास इसलिए हैं, क्योंकि युवाओं के भविष्य की चिंता है. जेएसएससी पेपर लीक की सीबीआई जांच हो. भाजपा की मांग पर टिप्पणी करते हुए माले विधायक विनोद सिंह ने कहा कि इसका हल सीबीआई जांच नहीं है. इसके पूर्व भी प्रथम जेपीएससी मामले की सीबीआई जांच हुई. मामला राजभवन तक गया. इसका क्या परिणाम हुआ. इसलिए सीबीआई की जिद करना बेकार है. उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर सदन नही चल रहा है. राज्य बनने के बाद से परीक्षाओं में गड़बड़ी हो रही. जेपीएससी घोटाले की सीबीआई जांच हुई. उसका क्या हश्र हुआ सबको पता है। सरकार जेएससीसी मामले में पहल करे. नहीं तो कहीं जेपीएससी जैसे जेएसएससी का हश्र न हो जाए. इधर मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि सरकार एसआईटी गठन कर लिया है. सही दिशा और त्वरित गति से जांच चल रही है.

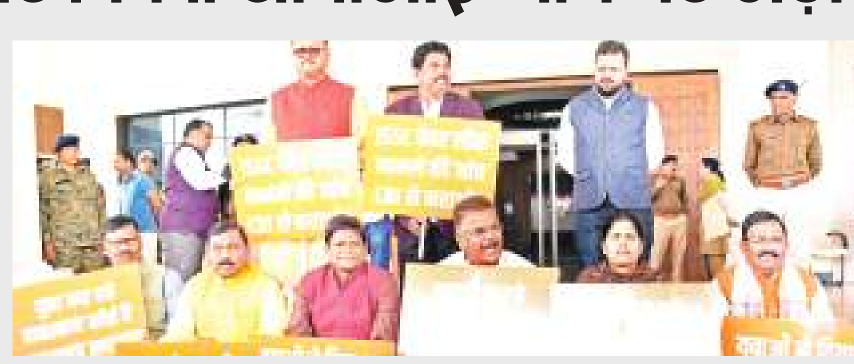

स्कूलों में जनजातीय भाषा की पढ़ाई नहीं हो रही है : मंत्री : अल्पसूचित प्रश्न सेशन में झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम ने सदन में कहा कि राज्य के स्कूलों में जनजातीय भाषा की पढ़ाई नहीं हो रही. लोबन ने कहा कि जनजातीय भाषाओं के शिक्षकों और किताबों की कमी है.

स्कूलों के किचेन शेड का क्या हुआ : नीलकंठ : नीलकंठ सिंह मुंडा ने सदन में सवाल उठाया कि 13 जिलों के 2600 स्कूलों में किचन शेड का निर्माण करना था. 20 करोड़ राशि आवंटित की गई थी. सरकार बताए स्कूलों को आवंटन राशि कब भेजी गई और अब तक कितने स्कूलों में किचन शेड बना है.

▼ ब्रीफ खबरें

सड़क हादसे में छह की मौत, दस घायल

बलिया। बलिया जिले के दोकटी थाना क्षेत्र में मंगलवार तड़के एक मांगलिक कार्यक्रम से लौट रहे ग्रामीणों के दो वाहनों की एक अन्य वाहन से टक्कर हो गई. पुलिस ने बताया कि इस दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गयी और क़रीब 10 लोग घायल हो गए. पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) मोहम्मद उस्मान ने मंगलवार को बताया कि दोकटी क्षेत्र के सुघर छपरा मोड़ के पास मंगलवार तड़के लगभग ढाई-तीन बजे तेज रफ्तार पिकअप वाहन और दो जीप में टक्कर हो गयी.

बॉयलर फटने से दो की मौत, तीन घायल

मेरठ। मेरठ जिले में एक टायर कारखाने में मंगलवार सुबह बॉयलर के फटने से दो कर्मचारियों की मौत हो गयी और अन्य तीन लोग घायल हो गए. पुलिस ने बताया कि घटना सुबह करीब साढ़े पांच बजे थाना इंचौली क्षेत्र के गांव फिटकरी से तीन किलोमीटर दूर स्थित कारखाने में हुई. एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने बताया कि सुबह अचानक बॉयलर फट गया जिसकी चपेट में आए शंकर (30) और प्रवीण (22) की मौत हो गयी और अन्य तीन लोग घायल हो गए.

जंगली हाथी के हमले में एक व्यक्ति की मौत

इडुक्की। केरल के इडुक्की जिले के पर्यटक शहर मुन्नार के पास कन्नीमाला एस्टेट में एक जंगली हाथी के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि हाथी ने सोमवार रात एक ऑटोरिक्शा पर हमला कर दिया जिसके कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई. उसने बताया कि ऑटोरिक्शा में कुछ और यात्री भी थे. उन्होंने बताया कि मृत व्यक्ति की पहचान सुरेश कुमार उर्फ मणि के रूप में की गई है. कुमार यहां का एक ऑटोरिक्शा चालक था.

सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़, 4 नक्सली ढेर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में मंगलवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में चार नक्सलियों को मार गिराया है. पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि यह मुठभेड़ जांगला पुलिस थाना क्षेत्र के जंगल में हुई, जब जिला रिजर्व गार्ड और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के अलग-अलग दलों को नक्सल विरोधी अभियान पर रवाना किया गया था. आधिकारी ने बताया कि जब डीआरजी का दल तुंगाली गांव के जंगल में पहुंचा तब नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी.

मां-बेटे की हत्या के मामले में दो गिरफ्तार

ब्रह्मपुर (ओडिशा)। ओडिशा पुलिस ने गंजम जिले में अपनी एक रिश्तेदार और उसके सात वर्षीय बेटे की कथित तौर पर हत्या करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने 19 फरवरी को डी नीलाबेनी (28) और उनके बेटे डी रुशी के शव चुडियालंजी गांव में उनके आवास से बरामद किए थे और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था. ब्रह्मपुर के पुलिस अधीक्षक सरवना विवेक एम ने कहा कि जब मां-बेटे की हत्या की गई थी तब महिला का पति घर पर नहीं था.

बिहार में महागठबंधन को एक और लगा झटका

कांग्रेस और राजद के तीन विधायक हुए भाजपा के

संवाददाता। पटना

मुरारी

सिद्धार्थ

संगीता

बिहार के महागठबंधन में बड़ी टूट हुई है. कांग्रेस के दो और राजद की एक विधायक ने मंगलवार को भाजपा का दामन थाम लिया. भाजपा में शामिल होने वाले विधायकों में कांग्रेस के दो विधायक सिद्धार्थ सौरव और मुरारी गौतम के अलावा राजद की विधायक संगीता देवी हैं. तीन विधायकों के भाजपा में शामिल होने पर जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने उनका एनडीए में स्वागत किया.

उन्होंने कहा कि ये तो अभी शुरुआत है, आगे-आगे देखते जाइए क्या होता है. बिहार से महागठबंधन का नामोनिशान मिट जाएगा. साथ ही कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दिन-रात बिहार की तरक्की के लिए काम कर रहे हैं और उनके काम से प्रभावित होकर विपक्ष के लोग एनडीए के साथ आ रहे हैं.

पूर्व मंत्री मंगल पांडेय ने भाजपा में आए तीनों विधायकों का स्वागत किया. नितिन नवीन ने कहा कि राजद के लोगों ने विधायकों को बंधक बनाकर रखा था और कांग्रेस के लोगों ने विधायकों को उड़ाकर रखा था. तेजस्वी और राहुल यात्रा पर घूम रहे हैं, जो पार्टी को नहीं जोड़ पाए उनको उनके विधायकों ने जवाब दिया है. बिहार में भारी बहुमत से एनडीए की सरकार है. इसके बावजूद महागठबंधन को छोड़कर लोग आ रहे हैं. हम सभी विधायकों का स्वागत करते हैं. वहीं, मंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि जिस तरीके से महागठबंधन के विधायक शामिल हुए हैं यह बड़ी बात है. आने वाले दिनों में और भी कई विधायक शामिल होंगे और भारतीय जनता पार्टी और मजबूत होगी. प्रेम कुमार ने दावा किया कि और भी विधायक संपर्क में हैं. आगे-आगे देखिए होता है क्या? उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार पूरा कार्यकाल पूरा करेगी. कांग्रेस विधायक सिद्धार्थ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियां उन्हें पसंद हैं और वे उससे काफी प्रभावित हुए. इसीलिए उन्होंने भाजपा में आने का फैसला किया.

दोनों को पार्टी से निकाला जाएगा : शकील अहमद

पटना। महागठबंधन के 3 विधायक एनडीए में शामिल हो गए. इस पर कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खां ने कहा कि भाजपा ने जो समा बांधा है इस आग में सब लोग झुलसेंगे. साथ ही अपने दोनों विधायकों को गद्दार बताया. पाला बदलने वाले दोनों विधायकों को लेकर उन्होंने कहा कि दोनों को पार्टी से निकाल दिया जाएगा. आज ही इसकी प्रक्रिया शुरू हो जाएगी. विस अध्यक्ष से कहकर प्रक्रिया के तहत इन दोनों को पार्टी से निष्कासित किया जाएगा.

2022 में असम में शिक्षित बेरोजगार युवाओं की संख्या सात गुना बढ़ी

भाषा। गुवाहटी

असम के नए आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार 2022 में लगभग 10 लाख शिक्षित युवाओं ने राज्य के रोजगार कार्यालयों में पंजीकरण कराया जबकि पिछले वर्ष यह संख्या केवल 1.4 लाख थी. असम के आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 में कहा गया है कि नौकरी चाहने वाले शिक्षित लोगों की संख्या काफी अधिक है और नए पंजीकरण में केवल एक ही वर्ष में सात गुना से अधिक की वृद्धि हुई है. इसमें कहा गया है कि रोजगार कार्यालयों में दर्ज रिकॉर्ड से पता चलता है कि नौकरी चाहने वाले पंजीकृत शिक्षित लोगों की संख्या 2022 में 9,83,093 थी जो 2021 के दौरान 1,37,865 थी. असम विधानसभा के बजट सत्र के दौरान पेश रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया कि 2021 की तुलना में 2022 में नौकरी चाहने वालों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. रिपोर्ट में कहा गया है कि रोजगार कार्यालयों में पंजीकरण के अनुसार 2021 में नौकरी चाहने वाले शिक्षित लोगों की कुल संख्या 18,05,441 थी, जबकि 2020 के दौरान यह संख्या 17,46,671 थी. असम में साल 2022-23 के दौरान 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के बीच बेरोजगारी दर 1.7 प्रतिशत थी, जबकि पूरे देश में यह दर 3.2 प्रतिशत थी. यह आंकड़ा उन बेरोजगारों का है जो काम करने के लिए उपलब्ध थे, लेकिन उन्हें काम नहीं मिल सका.

उत्तर प्रदेश में भाजपा के 8 और सपा के 2 उम्मीदवारों की जीत

पहले 'कमल' फिर 'किस्मत' से हार गए अभिषेक सिंघवी

शुभम संदेश न्यूज नेटवर्क

राज्यसभा चुनावों को लेकर पिछले कई दिनों से चल रही गहमा-गहमी के बीच सोमवार को तीन राज्यों की 15 सीटों पर वोटिंग हुई. ये तीन राज्य उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक हैं. उत्तर प्रदेश की 10, कर्नाटक की 4 तथा हिमाचल प्रदेश की एक राज्यसभा सीट पर वोटिंग हुई, जिसमें हिमाचल में बड़ा उलटफेर देखने को मिला. यहां 40 विधायकों वाली कांग्रेस को सिर्फ 34 वोट मिले, जिसके कारण पार्टी को हार का सामना करना पड़ा और भाजपा के उम्मीदवार की जीत हुई. इतना ही नहीं, हिमाचल में कांग्रेस पहले 'कमल' से हारी और फिर 'किस्मत' से भी पार्टी को हार का सामना करना पड़ा.

दरअसल, हिमाचल प्रदेश में एक राज्यसभा सीट के लिए हुए चुनाव में कुल 68 विधायकों ने वोटिंग की. भाजपा और कांग्रेस, दोनों ही उम्मीदवारों को 34-34 वोट मिले. क्रॉस वोटिंग के चलते हिमाचल में पेंच फंस गया, जिसके बाद टॉस कराकर फैसला किया गया. इसमें भाजपा उम्मीदवार हर्ष महाजन की जीत हो गई और कांग्रेस उम्मीदवार अभिषेक मनु सिंघवी को हार का सामना पड़ा. इस चुनाव में कांग्रेस के 6 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की. टोटल 9 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग करते हुए भाजपा को वोट दिया.

योगी की डिनर पॉलिटिक्स से हो गया बड़ा खेला

राज्यसभा चुनाव के लिए सोमवार को वोटिंग से ठीक एक दिन पहले यानी रविवार को बीजेपी और सपा, दोनों ने ही अपने-अपने विधायकों को डिनर पर बुलाया था. बीजेपी की ओर से कमान सीएम योगी आदित्यनाथ ने संभाली थी, तो सपा की ओर से मोर्चे पर अखिलेश यादव थे. सीएम योगी की डिनर पॉलिटिक्स में वोटिंग को लेकर पार्टी की रणनीति पर व्यापक मंथन हुआ और फिर मतदान से ठीक पहले इसके परिणाम भी नजर आने लगे. वहीं, अखिलेश के डिनर से आठ विधायकों ने किनारा कर लिया था, जिससे यह साफ हो गया कि सपा फूट की ओर बढ़ रही है.

सपा उम्मीदवार जया बच्चन को सबसे ज्यादा वोट

यूपी राज्यसभा चुनाव के नतीजे में भाजपा ने 8 सीट जीती है तो वहीं सपा के खाते में दो सीट गईं. सपा उम्मीदवार जया बच्चन को सबसे ज्यादा वोट मिले हैं. क्रॉस वोटिंग का भाजपा को स्पष्ट फायदा मिला और उसका आठवां उम्मीदवार भी जीत गया.

कर्नाटक में कांग्रेस तीन व भाजपा 1 सीट जीती

कर्नाटक में हुए राज्यसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के एक और कांग्रेस के तीन उम्मीदवारों की जीत हुई है. जनता दल सेक्युलर के उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ा है. यहां भाजपा के एक विधायक ने कांग्रेस उम्मीदवार के लिए क्रॉस वोटिंग की थी. इसके साथ ही साफ हो गया था कि जनता दल के उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ेगा.

उत्तर प्रदेश में किसको मिले कितने वोट?

▪ अमरपाल मौर्य (भाजपा) को	38 वोट
▪ आलोक रंजन (भाजपा) को	19 वोट
▪ जया बच्चन (सपा) को	41 वोट
▪ तेजपाल सिंह (भाजपा) को	38 वोट
▪ नवीन जैन (भाजपा) को	38 वोट
▪ आरपीएन सिंह (भाजपा) को	37 वोट
▪ रामजी लाल सुमन (सपा) को	37 वोट
▪ साधना सिंह (भाजपा) को	38 वोट
▪ सुधांशु त्रिवेदी (भाजपा) को	38 वोट
▪ संगीता बलवंत (भाजपा) को	38 वोट

कर्नाटक रास चुनाव में किसको, कितने वोट मिले?

कर्नाटक से पांच उम्मीदवार थे, जिनमें कांग्रेस की तरफ से अजय माकन, सैयद नासिर हुसैन और जीसी चंद्रशेखर, भाजपा से नारायण भांडागे और जेडीएस से कुपेंद्र रेड्डी शामिल थे. कर्नाटक में राज्यसभा के लिए चुने जाने के लिए एक उम्मीदवार को 45 वोटों की जरूरत होती है. चुनाव में कांग्रेस के अजय माकन को 47, नासिर हुसैन को 47 और जीसी चंद्रशेखर को 45 वोट पड़े. वहीं भाजपा के उम्मीदवार को 47 और जेडीएस के उम्मीदवार को 36 वोट मिले हैं

एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए सीएम केजरीवाल

केजरीवाल को फिर भेजा समन

भाषा। नयी दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी नीति संबंधी कथित घोटाले से जुड़े धनशोधन के मामले में पूछताछ के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आठवीं बार समन जारी किया है. आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. सूत्रों ने बताया कि आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को यहां एजेंसी के मुख्यालय में चार मार्च को आने को कहा गया है. केजरीवाल (55) इस मामले की जांच के सिलसिले में सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश नहीं हुए थे. यह सातवीं बार है जब केजरीवाल प्रवर्तन निदेशालय के समन पर एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए. उन्होंने कहा था कि अगर अदालत इस संबंध में आदेश देगी तो वह प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष पेश होंगे. समन पर केजरीवाल के पेश नहीं होने को लेकर प्रवर्तन निदेशालय ने शहर की एक अदालत का रुख किया, जिस पर अदालत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री को 16 मार्च को उसके समक्ष पेश होने का निर्देश दिया है. प्रवर्तन निदेशालय ने आठवां समन जारी करते हुए इस तर्क को खारिज कर दिया था कि केजरीवाल को पेश होने के लिए भेजा गया नया नोटिस अनुचित है, क्योंकि मामला स्थानीय अदालत में विचाराधीन है.

सांसद शफीकुर्रहमान बर्क का निधन, शोक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के संभल से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद शफीकुर्रहमान बर्क का मंगलवार को निधन हो गया. सपा सांसद बर्क

(93) लंबे समय से बीमार चल रहे थे और हालत बिगड़ने पर उन्हें मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली. चार बार विधायक और कई बार सांसद रह चुके डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क 2019 में सपा के चुनाव चिह्न पर पांचवीं बार संभल से सांसद चुने गए. बर्क के निधन पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव और सपा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने शोक संदेश में कहा कि समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता, कई बार के सांसद जनाब शफीकुर्रहमान बर्क साहब का इंतकाल, अत्यंत दुःखद है. भगवान उनकी आत्मा को शांति दें.

संदेशखाली जा रहे आईएसएफ के विधायक नौशाद गिरफ्तार

भाषा। कोलकाता

पुलिस ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संकटग्रस्त संदेशखाली जा रहे 'इंडियन सेक्युलर फ्रंट' (आईएसएफ) के विधायक नौशाद सिद्दीकी को गिरफ्तार कर लिया. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी.

निषेधाज्ञा लागू होने का हवाला देते हुए संदेशखाली की ओर जा रहे कांग्रेस के एक दल को भी नजात के पास रोक दिया गया. पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि भांगड़ से विधायक सिद्दीकी को सीआरपीसी की धारा 151 (संज्ञेय अपराध को रोकने के लिए गिरफ्तारी) के तहत कोलकाता में साइंस सिटी के पास गिरफ्तार किया गया था. उत्तर 24 परगना जिला प्रशासन ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए संदेशखाली के संवेदनशील इलाकों में निषेधाज्ञा लागू कर दी है. सिद्दीकी ने संवाददाताओं से कहा कि मुझे नहीं पता कि उन्होंने मुझे क्यों गिरफ्तार किया है. यह संदेशखालि से कई किलोमीटर दूर है. मैं संदेशखाली के ग्रामीणों से मिलने के लिए वहां जा रहा था. मैंने कोई नियम या कानून नहीं तोड़ा. विधायक ने कहा कि उन्होंने मुझे संदेशखाली से 62 किलोमीटर दूर रोका लेकिन राज्य के दो मंत्री पार्थ भौमिक और सुजीत बोस जब वहां गए तो उन्होंने उन्हें नहीं रोका. पुलिस सिर्फ विपक्ष को संदेशखाली जाने से रोक रही है. वे क्या छिपाने की कोशिश कर रहे हैं?

मरयम नवाज 'चोरी के जनादेश' पर सीएम निर्वाचित हुई हैं : इमरान

'समानांतर' सत्र बुलाएगी पीटीआई

भाषा। लाहौर

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव करने के लिए पंजाब विधानसभा का 'समानांतर' सत्र बुलाने की योजना बनाई है और दावा किया है कि मरयम नवाज 'चोरी के जनादेश' के आधार पर मुख्यमंत्री निर्वाचित हुई हैं. यह जानकारी मंगलवार को जारी मीडिया रिपोर्ट में दी गयी है. पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी की

50 वर्षीया वरिष्ठ उपाध्यक्ष मरयम ने 220 वोट प्राप्त करने के साथ ही पाकिस्तान के सबसे अधिक आबादी वाले पंजाब प्रांत की पहली महिला मुख्यमंत्री बनकर इतिहास रच दिया. उन्होंने 71-वर्षीय खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समर्थित सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) के राणा आफताब को हराया, जिन्हें कोई वोट नहीं मिला, क्योंकि उनकी पार्टी ने चुनाव का बहिष्कार किया था. डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व क्रिकेटर से नेता बने खान की पार्टी ने महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित सीट सहित 250 सदस्यों के आंकड़े का दावा करने के बाद सोमवार को 'समानांतर' पंजाब विधानसभा का आह्वान किया.

हैरी पॉटर किताब की प्रूफ कॉपी प्रति लाखों में बिकी

लंदन। करीब 30 साल पहले पुरानी किताबें बेचने वाली एक दुकान से महज कुछ रुपयों में खरीदी गई हैरी पॉटर श्रृंखला के पहले उपन्यास की शुरुआती प्रति (प्रूफ कॉपी) नीलामी में 11,000 पाउंड (करीब 11.5 लाख रुपये) में बिकी. ब्रिटिश नीलामीकर्ता हैनसन ने बताया कि 'हैरी पॉटर एंड द फिलोसोफर्स स्टोन' के प्रथम संस्करण की प्रति 1997 में दक्षिण लंदन की एक दुकान से दो अन्य पुस्तकों के साथ कुल 40 पेंस (करीब 41 रुपये) में खरीदी गई थी. इस प्रति के आवरण पृष्ठ पर 'असंशोधित प्रूफ कॉपी' लिखा है. हैनसन ने इस पुस्तक को खरीदने वाली महिला का नाम सार्वजनिक नहीं किया.

'जीनोम वैली' का अगला चरण विकसित होगा : मुख्यमंत्री रेड्डी

भाषा। हैदराबाद

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि प्रदेश सरकार यहां 300 एकड़ भूमि में 2,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ जीव विज्ञान अनुसंधान एवं विकास और स्वच्छ विनिर्माण गतिविधियों के लिए देश का पहला संगठित समूह 'जीनोम वैली' का अगला चरण शुरू करेगी. चिकित्सा और जीवन विज्ञान के वार्षिक कार्यक्रम 'बायोएशिया 2024' में रेड्डी ने कहा कि सरकार राज्य में 10 'फार्मा गांव' विकसित करने की भी योजना बना रही है. इस परियोजना में एक लाख करोड़ रुपये की निवेश क्षमता होगी. मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं यहां 2,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ 300 एकड़ भूमि में जीनोम वैली के अगले चरण की स्थापना की घोषणा कर रहा हूं. उन्होंने कहा कि फार्मा गांवों की स्थापना के बाद उनमें पांच लाख नौकरियां पैदा करने की क्षमता होगी. रेड्डी ने कहा कि सरकार ने बुनियादी ढांचे और निवेश के लिए तेलंगाना के तीनों अलग-अलग क्षेत्रों- विकाराबाद, मेडक और नलगोंडा में नए एकीकृत फार्मा गांवों के लिए समूह भी चिह्नित किया है.

नील नदी में नौका डूबी 10 लोगों की हुई मौत

काहिरा। मिस्र की राजधानी के पास नील नदी में एक नौका के डूब जाने से उसमें सवार 15 में से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई. अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी. जनशक्ति मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि हादसे में बचे पांच लोगों को अस्पताल ले जाया गया. उन्हें बाद में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई. मंत्रालय के अनुसार, नौका के डूबने का कारण तत्काल स्पष्ट नहीं हो सका है. मंत्रालय ने प्रत्येक मृतक के परिवार को दो-दो लाख मिस्र पाउंड (लगभग 6,466 डॉलर) और प्रत्येक घायल को 20-20 हजार मिस्र पाउंड (646 डॉलर) का मुआवजा दिया है.

कॅरियर-काउंसिलिंग

टॉप भर्तीकर्ता

- डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी
- नेचुरल कैलेमिटी इंश्योरेंस कंपनीज
- वेदर चैनल फायर ब्रिगेड कॉलेज एंड यूनिवर्सिटी

12वीं के बाद डिजास्टर मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट कोर्स भी बेहतर विकल्प

रजनीश। रांची

कक्षा 12वीं के बाद शिक्षा के क्षेत्र में छात्रों के लिए कई विकल्प खुल जाते हैं. खैर ये कहना भी गलत नहीं होगा कि इतने सारे विकल्पों में से किसी एक को चुनना बहुत ही कठिन काम होता है. आप नहीं समझ पाते कि क्या करें और क्या न करें. ऐसे में छात्र सोचते हैं कि काश वह एक साथ दो से तीन कोर्स कर सकते. तो हां आप ऐसा कर सकते हैं. छात्र किसी भी डिग्री कोर्स के साथ कोई सर्टिफिकेट कोर्स या फिर डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं. पढ़ाई की इच्छा रखने वाले और अन्य कोर्स को करने की चाहत रखने वाले छात्र अक्सर ही ऐसा करते हैं वह किसी एक कोर्स तक ही सीमित नहीं रहते है. ज्ञान एक ऐसी चीज है जो कभी ज्यादा नहीं होती जितना सीखों उतना कम है. तो ऐसे में आप कई अन्य सर्टिफिकेट कोर्सों के लिए आवेदन कर सकते हैं. और ऐसा करने से आपका ज्ञान ही नहीं बढ़ेगा बल्कि आपके पास कई करियर ऑप्शन भी खुल जाएंगे.

कई अच्छे ऑप्शन हैं

छात्र कक्षा 12वीं के बाद डिजास्टर मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं. भारत के कुछ इलाके ऐसे है जहां हर साल किसी न किसी प्रकार की आपदा आती रहती है. ये खास कर उनके भौगोलिक एरिया के कारण होता है. हाल ही में उत्तराखंड में लैंडस्लाइड और असम में बाढ़ की स्थिति रही है. ऐसे में ये वही लोग होते हैं जो स्थिति को समझते हुए इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क करते हैं, ताकि लोगों को किसी प्रकार की हानि का सामना न करना पड़े. डिजास्टर मैनेजमेंट पढ़ने पर छात्र इस तरह की स्थितियों को किस तरह मैनेज किया जाए आदि सीखते हैं, जो छात्र कक्षा 12वीं के बाद अपनी डिग्री के साथ किसी अन्य सर्टिफिकेट कोर्स की तलाश में हैं, वह छात्र डिजास्टर मैनेजमेंट कोर्स कर सकते हैं. इस कोर्स में छात्रों के पास कई अच्छे करियर ऑप्शन हैं.

फुल टाइम और ओपन से भी कर सकते हैं कोर्स

डिजास्टर मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट डिजास्टर मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट कोर्स छात्र फुल टाइम और ओपन से भी कर सकते हैं. भारत में ऐसे कई संस्थान हैं जो डिजास्टर मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट कोर्स ऑफर करते हैं, जिसमें ओपन और रेगुलर दोनों कोर्स शामिल होते हैं. डिस्टेंस मोड में कोर्स करने की इच्छा रखने वाले छात्र इग्नू से इस कोर्स को कर सकते हैं. सर्टिफिकेट इन डिजास्टर मैनेजमेंट सिलेबस डिजास्टर मैनेजमेंट 1 साल का सर्टिफिकेट कोर्स है, जिसे 2 सेमेस्टर में बांटा गया है, जिसके अंत में परीक्षा का आयोजन किया जाता है, जिसके आधार पर छात्रों को सर्टिफिकेट दिया जाता है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)